किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 145 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 06 मार्च 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

ग्रेटर नोएडा में 300 बेड के केडीएसजी सुपर-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया लोकार्पण

पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव और उद्योगपति सुनील कुमार गुप्ता की पहल, एनसीआर को मिलेगा आधुनिक और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं का नया केंद्र

समाज जागरण

ग्रेटर नोएडा / नोएडाः योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा (वेस्ट) के सेक्टर-10 में 300 बेड वाले अत्याधुनिक के-डीएसजी सुपर-स्पेशलिस्ट हास्पिटल का उद्घाटन किया। यह अस्पताल एनसीआर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यह आधुनिक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव और उद्योगपति सुनिल कुमार गुप्ता द्वारा स्थापित किया गया है। अस्पताल का संचालन अजिनका डे पाटिल हेल्थकेयर द्वारा किया जाएगा, जिसका नेतृत्व डॉ अजिनका डीवाई पाटिल कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने उद्घाटन के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। तेजी से विकसित हो रहे ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में इस तरह

के सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल से लाखों लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी।

पिछले एक दशक में ग्रेटर नोएडा देश के सबसे तेजी से विकसित होने वाले शहरी क्षेत्रों में शामिल हो गया है। यहां बड़ी संख्या में आवासीय परियोजनाएं, औद्योगिक इकाइयां और पेशेवर आबादी बढ़ी है। लेकिन इसके मुकाबले उच्च स्तरीय टर्शरी स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित रही है। केडीएसजी सुपर-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल इसी कमी को पूरा करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

इस अवसर पर कपिल देव ने कहा कि केडीएसजी की स्थापना इस सोच के साथ की गई है कि स्वास्थ्य सेवाएं आदर्श, सुलभ और पूरी तरह मरीज-केंद्रित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा को ऐसी संस्था की आवश्यकता थी और अब यह सपना साकार हुआ है।

अस्पताल में अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, मल्टी-स्पेशियलिटी आईसीयू, पूरी तरह सुसज्जित कैथेटराइजेशन लैब, आधुनिक रेडियोलॉजी और पैथोलॉजी सुविधाएं, समर्पित इमरजेंसी और ट्रॉमा सेंटर उपलब्ध होंगे। इसके अलावा कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स व जॉइंट रिप्लेसमेंट, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, क्रिटिकल केयर मेडिसिन, पल्मोनोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और पीडियाट्रिक्स जैसी विशेषज्ञ सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी।

अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था चार प्रमुख सेंटर ऑफ एक्सीलेंस – कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स और क्रिटिकल केयर मेडिसिन – पर आधारित होगी। यहां विशेषज्ञों की मल्टी-डिसिप्लिनरी टीमें और आधुनिक डायग्नोस्टिक तकनीकें अपनाई जाएंगी ताकि मरीजों को देश के प्रमुख अस्पतालों के स्तर की चिकित्सा सुविधा मिल सके।

उद्योगपति सुनील कुमार गुप्ता ने कहा कि अस्पताल की बिलिंग व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी होगी और मरीजों को किफायती इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं डॉ. अजींक्य डीवाई पाटिल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा समाज की सबसे महत्वपूर्ण संस्थाओं में से एक है और केडीएसजी अस्पताल उसी जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। केडीएसजी सुपर-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल 300 बेड वाला टर्शरी केयर संस्थान है, जो सेक्टर-10, ग्रेटर नोएडा (वेस्ट) में स्थित है

और एनसीआर के लोगों को आधुनिक, पारदर्शी और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

अगर आप चाहें तो मैं इसके लिए सीओ, वेब हेडलाइन, स्लग और सोशल मीडिया कैप्शन भी बना सकता हूँ, ताकि यह खबर आपके समाज जागरण पोर्टल के मुख्य पृष्ठ पर और ज्यादा ट्रैफिक ला सके।

हवा में विमानों का 'वशीकरण' कर रहा ईरान

समाज जागरण

मिडिल ईस्ट के आसमान में अब मिसाइलों के साथ-साथ एक 'अदृश्य युद्ध' शुरू हो गया है, जहां ईरान 'जीपीएस स्पूफिंग' के जरिए यात्री विमानों का 'वशीकरण' कर रहा है. इस खतरनाक तकनीक के तहत विमान को फर्जी सैटेलाइट सिग्नल भेजकर गुमराह किया जाता है, जिससे पायलट को स्क्रीन पर सब कुछ सही दिखता है लेकिन असल में जहाज अपनी सही लोकेशन से भटककर दुश्मन के वार जोन की तरफ खिंचा चला जाता है. ईरान ने इसके लिए 'कोबरा V8' जैसे आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम तैनात किए हैं, जो 250 किलोमीटर दूर तक सिग्नल खराब कर सकते हैं और अब तक सैकड़ों कमर्शियल फ्लाइ-ट्स इसका शिकार हो चुकी हैं.

दिल्ली की तर्ज पर भोपाल में बनेगा 'सेंट्रल विस्टा'!

मध्यप्रदेश की मोहन सरकार भोपाल में देश की राजधानी नई दिल्ली के सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की तर्ज पर प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्टेट कैपिटल कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना अब तेजी से आगे बढ़ रही है. इसके लिए सरकार ने प्रोजेक्ट की शुरूआती डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (उ्ढफ) बनाने को लेकर मंजूरी दे दी है और हाउसिंग बोर्ड को इसके लिए डेडलाइन भी मिल गई है.

ओडिशा दौरे पर अमित शाह, पारादीप में इफको के सल्फ्यूरिक अम्ल संयंत्र को करेंगे राष्ट्र को समर्पित

समाज जागरण

नई दिल्ली/भुवनेश्वरः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' विजन को आगे बढ़ाने के क्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित साह 6 मार्च को ओडिशा दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे पारादीप में इंडियन फार्मर फटीर्लाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सल्फ्यूरिक अम्ल संयंत्र (एसएपी-3) को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

इसके बाद भुवनेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में सहकारिता क्षेत्र से जुड़ी कई पहलों की शुरूआत की जाएगी। इसमें राज्य सहकारिता नीति का विमोचन, सहकारी विश्वविद्यालय के विद्यालय की

स्थापना के लिए समझौता, बदाम्बा चीनी उद्योग के पुनर्जीवन की पहल और 1567 जन सेवा केंद्रों का समर्पण शामिल है।

कार्यक्रम के दौरान डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने से जुड़ी योजनाओं की भी घोषणा होगी और विभिन्न विभागों की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया जाएगा। (सूचनाः प्रेस सूचना ब्यूरो)

सीएम नीतीश सहित एनडीए के पांच उम्मीदवारों ने भरा राज्यसभा के लिए पर्चा

समाज जागरण संवाददाताः वेद प्रकाश

पटना/ बिहार में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। गुरुवार को एनडीए खेमे के पांच नेताओं ने विधानसभा परिसर में राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी ने कार्यक्रम को खास राजनीतिक महत्व दे दिया। नामांकन करने वालों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेन्द्र कुमार प्रमुख रूप से

शामिल रहे। तीन बड़े दलों के राष्ट्रीय अध्यक्षों का एक साथ राज्यसभा के लिए मैदान में उतरना बिहार की राजनीति में एक खास और चर्चित घटना माना जा रहा है। इसके अलावा जदयू की ओर से केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर और भाजपा के प्रदेश महामंत्री शिवेश कुमार ने भी पर्चा दाखिल किया।

इस मौके पर जदयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) समेत एनडीए के कई मंत्री, विधायक और समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

निर्वाचन प्रक्रिया के तहत नामांकन पत्रों की जांच 6 मार्च को की जाएगी, जबकि 9 मार्च तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर 16 मार्च को मतदान कराया जाएगा। बिहार से जिन राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है, उनमें उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह सहित कई सांसद शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने दिया इस्तीफा, लद्दाख के उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने भी छोड़ा पद

नई दिल्ली/कोलकाताः पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना त्यागपत्र केंद्र सरकार को भेज दिया है। हालांकि उनके इस्तीफे के पीछे का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। इसी बीच लद्दाख के उपराज्यपाल क-विंद्र गुप्ता ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

जानकारी के अनुसार सी. वी. आनंद बोस को वर्ष 2022 में जगदीप धनखड़ के बाद पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। लगभग साढ़े तीन वर्ष के कार्यकाल के बाद उन्होंने पद छोड़ दिया है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस इस्तीफे पर आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के अचानक इस्तीफे की खबर से वह हैरान और चिंतित हैं तथा इसके पीछे के कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं।

राज्य में विधानसभा चुनाव से कुछ ही सप्ताह पहले यह घटनाक्रम सामने आया है। चुनाव में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार सत्ता में लौटने की कोशिश कर रही है, जबकि भारतीय जनता पार्टी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सत्ता से हटाने के लिए जोर लगा रही है।

आर्थिक सुधारों का असरः देश में नए कारोबार 27 प्रतिशत बढ़े

दस महीनों में लगभग 1.98 लाख नए कारोबार पंजीकृत, उद्यमिता और निवेश को मिला प्रोत्साहन

समाज जागरण

नई दिल्लीः केंद्र सरकार के आर्थिक सुधारों का असर अब देश की अर्थव्यवस्था और व्यापारिक गतिविधियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सरकार की ओर से जारी जानकारी के अनुसार देश में नए कारोबार शुरू करने की संख्या में 27 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो बेहतर होते कारोबारी माहौल और बढ़ती उद्यमिता का संकेत है।

जारी तथ्य पत्र के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दस महीनों में, यानी 3 फरवरी 2026 तक, देश में लगभग 1.98 लाख नए कारोबार पंजीकृत हुए हैं। इसकी तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 में यह संख्या करीब 1.55 लाख थी। इससे स्पष्ट है कि पिछले कुछ वर्षों में देश में व्यापार और उद्योग शुरू करने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। सरकार का कहना है कि हाल के केंद्रीय बजट में व्यापार को सरल और सुविधाजनक बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके

तहत डिजिटल व्यापार सुविधा, कर व्यवस्था में निश्चितता, नियमों के अनुपालन और मुकदमेबाजी में कमी तथा निवेश के लिए अनुकूल कर ढांचा तैयार करने जैसे कदम उठाए गए हैं। इन उपायों से कारोबार शुरू करना और चलाना पहले की तुलना में आसान हुआ है।

सरकार की पहल पर शुरू की गई स्टार्टअप योजना और ऋण गारंटी योजनाओं के कारण भी देश में उद्यमिता को बढ़ावा मिला है। फरवरी 2026 तक उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग से मान्यता प्राप्त दो लाख सोलह हजार से अधिक नवाचार आधारित नए उद्यम पंजीकृत हो चुके हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि स-रकार द्वारा लागू सुधारों के कारण नवाचार को प्रोत्साहन मिला है, लघु और मध्यम उद्यमों को मजबूती मिली है और देश में निवेश का माहौल बेहतर हुआ है। इसके साथ ही भारत वैश्विक स्तर पर कारोबार और निवेश के लिए एक आकर्षक केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है।

(सूत्रः समाचार एजेंसी)

असम में सुखोई-30 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट लापता

कार्बी आंगलोंग की पहाड़ियों में जोरदार धमाका, क्षेत्र में खोज अभियान की तैयारी

गुवाहाटीः असम के कार्बी आंगलोंग जिले में इंडियन एयरफोर्स का

एक Sukhoi Su-30MKI लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह विमान जोरहाट से उड़ान भरने के बाद शाम करीब सात बजे चोकीहोला के पास नीलिप क्षेत्र की दुर्गम पहाड़ियों में गिर गया। स्थानीय लोगों के अनुसार शाम करीब सात बजे पहाड़ी इलाके से जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। धमाके के बाद पहाड़ियों से धुएं का गुबार उठता देखा गया, जिससे आसपास के गांवों में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है कि यह क्षेत्र घने जंगलों और ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों से घिरा हुआ है, जिसके कारण दुर्घटनास्थल तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है।

सूत्रों के मुताबिक हादसे के बाद विमान में मौजूद पायलट लापता बताया जा रहा है। हालांकि इस संबंध में अभी तक वायुसेना की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वायुसेना और प्रशासन की ओर से इलाके में खोज और बचाव अभियान शुरू करने की तैयारी की जा रही है। रात का समय और कठिन भौगोलिक परिस्थितियां होने के कारण राहत दल को अभियान चलाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

ईरान ने इजरायल के दिल में दागी बैलिस्टिक मिसाइल, अबू धाबी के एयरपोर्ट पर धमाका

समाज जागरण

तेहरानः लड़ाई अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच हो रही है लेकिन जल पूरा मिडिल ईस्ट रहा है. दूसरे देशों के नागरिक फंसे हुए हैं और आसमान में मिसाइलों की खौफनाक आवाजें गूंज रही हैं. 6 दिनों से चल रही इस बीच ईरान के एक स्कूल पर गिरी मिसाइल को लेकर अलग बवाल शुरू हो गया है. ईरान ने दावा किया कि इजरायल ने स्कूल पर मिसाइल गिराकर 168 लोगों की जान लेली है और इजरायल का कहना है कि स्कूल पर गिरी मिसाइल ईरान की है जो रास्ता भटक कर स्कूल पर गिरी थी.

मिडिल ईस्ट और वेस्ट एशिया में संघर्ष जारी है. अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने बताया कि अमेरिकी सबमरीन ने ईरान का जंगी जहाज डुबो दिया है. यह हमला श्रीलंका के पास हिंद महासागर में हुआ. सबमरीन ने जहाज पर सटीक टॉरपीडो से निशाना साधा. इस जहाज पर करीब 140 लोग सवार थे. अब तक 80 सैनिकों के शव मिल चुके हैं. पेंटागन ने इस हमले का खौफनाक वीडियो भी जारी किया है. हेगसेथ ने इसे केवल एक शुरूआत बताया है. उन्होंने आने वाले समय में और बड़े हमलों की चेतावनी दी है.

दूसरी ओर इजरायल ने भी ईरान पर हमला तेज कर दिया है. इजरायली सेना ने शनिवार से अब तक भारी बमबारी की है. उन्होंने ईरान पर 5,000 से ज्यादा घातक गोले बरसाए हैं. उनका मुख्य निशाना राजधानी तेहरान के सैन्य ठिकाने हैं. इसके साथ ही इजरायली सैनिक लेबनान की सीमा में घुस गए हैं.

वे वहां के गांवों में जमीनी ऑपरेशन चला रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना ने इसकी पुष्टि की है. ईरान के भीतर भी स्थिति बहुत ज्यादा तनावपूर्ण है. ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने पड़ोसी देशों को संदेश दिया है. उन्होंने कहा कि ईरान के पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है. वे अमेरिका और इजरायल के हमलों का कड़ा जवाब देंगे. ईरान ने आज दोपहर इजरायल पर कई मिसाइलें भी दागीं. पूरे ईरान में इस वक्त इंटरनेट बंद कर दिया गया है. वहां के लोग एक लंबे और खौफनाक युद्ध के डर में हैं.

केंद्र की राजनीति में नीतीश, बिहार बेटे के हवाले!

बिहार के लंबे समय से मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने राज्यसभा का रास्ता पकड़ लिया है। उनकी जीत निश्चित मानी जा रही है क्योंकि जनता दल यूनाइटेड के पास पर्याप्त विधायक संख्या है। इस फैसले ने पार्टी में भारी हलचल मचा दी है। कार्यकर्ता जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं और नितीश को ही मुख्यमंत्री बनाए रखने के नारे लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री आवास के बाहर सैकड़ों समर्थक इकट्ठा हो गए और उन्होंने साफ कहा कि नितीश के अलावा कोई स्वीकार्य नहीं। जनता दल यूनाइटेड के कार्यकताओं का गुस्सा सड़कों पर उतर आया है। पटना में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया गया और हिलसा के विधायक को भी रोक लिया गया। कार्यकताओं का आरोप है कि कुछ लोग साजिश रच रहे हैं।पार्टी नेता विजय चौधरी ने कहा कि राज्यसभा जाने का फैसला नीतीश का अपना है। उन्होंने कार्यकताओं से संयम बरतने की अपील की लेकिन हलचल थमने का नाम नहीं ले रही। एक तरफ युवा कार्यकर्ता निशांत कुमार के प्रवेश का स्वागत कर रहे हैं वहीं पुराने साथी नीतीश की विदाई से दुखी हैं। नीतीश ने फेसबुक पर लिखा कि संसदीय जीवन से ही राज्यसभा सदस्य बनने की इच्छा थी। उन्होंने बिहारवासियों को भरोसा दिलाया कि विकसित बिहार बनाने का संकल्प कायम रहेगा और नई सरकार को पूरा सहयोग देंगे। कई लोग इसे बीजेपी की दबाव की राजनीति का नतीजा बता रहे हैं। गठबंधन में भाजपा की संख्या अधिक होने से नया मुख्यमंत्री उनका हो सकता है। सम्राट चौधरी या नित्यानंद राय जैसे नाम चर्चा में हैं। लेकिन दूसरा पहलू परिवार को मजबूत करने का लगता है। नीतीश की उम्र सत्तर पार कर चुकी है और स्वास्थ्य समस्याएं लगातार घेरे रहती हैं। मेदांता अस्पताल में रूटीन चेकअप की खबरें आती रहती हैं। ऐसे में इंजीनियर बेटे निशांत को बिहार राजनीति में स्थापित करने की तैयारी है। पार्टी नेता श्रवण कुमार ने कहा कि युवाओं की मांग पर निशांत का प्रवेश तय हो गया। एक-दो दिन में घोषणा होगी। निशांत को डिप्टी मुख्यमंत्री बनाने की चर्चा तेज है ताकि बिहार में जड़ें मजबूत हों। भाजपा नेता दिलीप जायसवाल ने भी नई पीढ़ी के प्रवेश का स्वागत किया।

नितीश के राज्यसभा जाने से बिहार की सियासत पूरी तरह बदल जाएगी। एनडीए में भाजपा का दबदबा बढ़ेगा और शायद पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बने। जेडीयू का प्रभाव कम होगा लेकिन निशांत के नेतृत्व से नई ऊर्जा आएगी। विपक्षी दल जैसे राष्ट्रीय जनता दल को मौका मिलेगा। वे वंशवाद का आरोप लगाकर हमला बोलेंगे क्योंकि नीतीश हमेशा वंशवाद के खिलाफ रहे। लेकिन युवा मतदाता निशांत को स्वीकार कर सकते हैं क्योंकि वे शिक्षित और तकनीकी पृष्ठभूमि के हैं। केंद्र में नितीश की भूमिका मजबूत होगी। वे सामाजिक न्याय और विकास के मुद्दों पर बोल सकेंगे। बिहार को केंद्र से अधिक फंड मिलने की संभावना बढ़ेगी। लेकिन राज्य में अस्थिरता आ सकती है अगर कार्यकताओं का विरोध बढ़ा। नया मुख्यमंत्री चुनने की प्रक्रिया तेज होगी। भाजपा विधायक दल नेता सम्राट चौधरी मजबूत दावेदार हैं जिनके पास वित्त और गृह जैसे विभाग हैं। विजय चौधरी भी दौड़ में हैं। निशांत डिप्टी बनकर संतुलन बनाए रखेंगे। यह बदलाव लंबी रणनीति का हिस्सा लगता है। नितीश राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय रहेंगे जबकि बिहार में नई पीढ़ी सत्ता संभालेगी। कार्यकताओं को मनाने के लिए पार्टी मंथन कर रही है। आने वाले दिनों में साफ हो जाएगा कि बिहार की कुर्सी किसकी होगी।

अजय कुमार

अखिलेश की तंज वाली भाषा से सपा को हो रहा है बड़ा नुकसान

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को राजनीति कें आये करीब 14-15 वर्ष का समय बीता चुका है। 2012 में समाजवादी पार्टी की जीत के बाद तत्कालीन सपा सुप्रीमों मुलायम सिंह यादव ने अपनी जगह अपने बेटे अखिलेश को सीएम की कुर्सी पर बैठाकर अपनी राजनैतिक विरासत अखिलेश को सौंप दी थी। अखिलेश युवा और पढ़े लिखे थे। इसलिये उम्मीद की जाने लगी कि प्रदेश प्रगति के रास्ते पर आगे जायेगा,लेकिन ऐसा हुआ नहीं।अखिलेश भी हिन्दू मुस्लिम करने लगे।परिणाम यह हुआ की वह 2017 में सत्ता से बाहर हो गये। इसके बाद से अखिलेश लगातार अपनी प्रासंगिकता खोते जा रहे हैं। राजनीतिक गंभीरता उनके पास से चली गई है। अब उनकी सियासत तंज कसने तक सीमित रह गई है। खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ऊपर अक्सर अखिलेश तंज कसते रहते हैं। इससे योगी की छवि तो नहीं प्रभावित होती है,लेकिन अखिलेश की बातों में हल्कापन सबको दिखाई देता है। यही वजह है जनता उनको बार-बार ठुकराता जा रही है। बहरहाल, अखिलेश की तंज वाली शैली काफी पुरानी और उनके लिये नुकसानदायक साबित हो रही है।वह अक्सर सीएम योगी से लेकर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य सहित कई नेताओं पर कसते रहते हैं।

समाजवादी पार्टी के युवा चेहरा अखिलेश यादव ने 2012 में जब मुख्यमंत्री का पद संभाला तो पूरे प्रदेश में नई उम्मीद जगी। मुलायम सिंह यादव ने बेटे को सत्ता सौंपी तो लगा कि पढ़े-लिखे और आधुनिक सोच वाले नेता प्रगति लाएंगे। लैपटॉप बांटना, सड़कें बनवाना जैसी योजनाओं ने शुरूआत में तारीफ बटोरी। लेकिन जल्द ही आलोचनाएं शुरू हो गईं। गुंडाराज के आरोप लगे और हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण ने उनकी छवि खराब की। 2017 में भाजपा की भारी जीत ने उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया। सत्ता से बाहर होने के बाद अखिलेश यादव ने आलोचना का सहारा लिया। योगी आदित्यनाथ पर तंज कसना उनकी रणनीति बन गया। कभी बुलडोजर पर चुटकी तो कभी विकास के दावों पर सवाल। इससे उनकी गंभीरता कम हुई और जनता ने उन्हें हल्का समझा। लोकसभा चुनावों में कुछ सफलता मिली लेकिन विधानसभा स्तर पर असफलता बरकरार रही। अखिलेश योगी पर सबसे ज्यादा निशाना साधते हैं। बुलडोजर कार्रवाई को वे गरीबों पर अत्याचार बताते हुए कहते हैं कि यह विकास नहीं तोड़फोड़ है। एक बार उन्होंने कहा था कि योगी तो मठों में रहते हैं, सड़कों पर नहीं दिखते। ऐसे तंजों से योगी की लोकप्रियता पर असर नहीं पड़ा बल्कि अखिलेश की फजीहत हुई। योगी ने जवाब में कहा कि तंज कसने से सत्ता नहीं मिलती, काम से मिलती है। ये तीर उल्टे पड़ रहे हैं। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को अखिलेश चपरासी कहकर तंज कस चुके हैं। विधानसभा में उन्होंने पाठक को निशाना बनाते हुए कहा कि वे मुख्यमंत्री के गुलाम बने घूमते हैं। पाठक की चिकित्सा उपलब्धियों पर सवाल उठाते हुए अखिलेश बोले कि वे डॉक्टर हैं या राजनीतिक डॉक्टर। ऐसे व्यक्तिगत हमलों ने अखिलेश को छोटा बनाया। पाठक ने जवाब दिया कि सपा वाले खुद की हार भूल चुके हैं। ये तंज विपक्ष की एकजुटता तोड़ रहे हैं।इसी तरह से उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या पर अखिलेश अक्सर चुटकी लेते हैं। चाय बेचने वाले पृष्ठभूमि को तंज का विषय बनाते हैं। एक रैली में बोले कि केशव चाय की दुकान से सीधे उपमुख्यमंत्री बन गए, लेकिन प्रदेश का विकास कहां हुआ। मौर्या ने पलटवार किया कि अखिलेश राजघराने के चाटुकार हैं। ऐसे व्यंग्य से पिछड़े वर्ग नाराज हो रहा है। अखिलेश की ये शैली वोट खो रही है।

अखिलेश ने भाजपा के अन्य नेताओं पर भी तंज कसे। स्वतंत्र देव सिंह को चमचा ठहराया तो सुरेश राणा पर जातिवादी बयानों का तंज। केंद्र की नीतियों पर मोदी सरकार को घेरते हुए वे कहते हैं कि यूपी सिर्फ चुनावी मैदान है। लेकिन ये सब बिखरे हमले हैं। गठबंधन के दौर में भी कांग्रेस नेताओं पर हल्के तंज कसे। इससे उनकी विश्वसनीयता घटी। अखिलेश की ये शैली सोशल मीडिया के दौर में वायरल तो होती है लेकिन गहरा असर नहीं डालती। युवा वोटर हंसते हैं लेकिन वोट नहीं देते। विश्लेषकों का मानना है कि तंज कसना आसान है लेकिन मुद्दों पर बहस चुनौतीपूर्ण। सपा के भीतर भी ये शैली पसंद नहीं आ रही। चाचा शिवपाल जैसे पुराने नेता असहज हैं। बहरहाल, जनता अब अखिलेश के तंजों से ऊब चुकी है। 2022 विधानसभा चुनाव में सपा की हार ने साबित किया कि व्यंग्य से सत्ता नहीं लौटती। 2024 लोकसभा में कुछ सीटें मिलीं लेकिन प्रदेश स्तर पर कमजोरी बरकरार। ग्रामीण इलाकों में योगी की तुलना में अखिलेश हल्के लगते हैं। सर्वे बताते हैं कि युवा विकास चाहते हैं, तंज नहीं।सपा कार्यकर्ता निराश हैं। अखिलेश के तंजों से भाजपा मजबूत हो रही है। स्वयंवर सिंह जैसे नेता पार्टी छोड़ चुके। नई पीढ़ी वाले नेता मुद्दों पर फोकस चाहते हैं। तंजों ने सपा को हास्य का विषय बना दिया। गंभीर विपक्ष की कमी अब भाजपा के लिए फायदेमंद है। कुल मिलाकर अखिलेश को तंज छोड़ मुद्दों पर आना होगा। शिक्षा, रोजगार, किसान जैसे विषयों पर ठोस योजना दें। तंजों ने उनकी विरासत को कमजोर किया। अगर समय रहते सुधार न किया तो 2027 चुनाव में और झटका लगेगा। जनता गंभीर विपक्ष चाहती है।

संजय सक्सेना,लखनऊ

इजराइल-अमेरिका-ईरान संघर्ष और भारत के सामने नई चुनौतियाँ

इजराइल, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव आज की विश्व राजनीति की सबसे जटिल और चिंताजनक घटनाओं में से एक बन गया है। दशकों से चले आ रहे वैचारिक मतभेद, क्षेत्रीय प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा और परमाणु कार्यक्रम को लेकर गहराता अविश्वास इस संघर्ष की पृष्ठभूमि तैयार करते रहे हैं। हाल के वर्षों में यह टकराव केवल कूटनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई और प्रॉक्सी युद्धों के रूप में सामने आने लगा है। फरवरी 2026 में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के कुछ सैन्य और परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमलों की खबरों ने इस तनाव को और अधिक गंभीर बना दिया। इस स्थिति ने न केवल मध्य-पूर्व को अस्थिर किया है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर भी गहरा असर डालने की आशंका पैदा कर दी है। विशेष रूप से भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश के लिए यह संकट कई नई चुनौतियाँ लेकर आया है।

इस त्रिकोणीय संघर्ष की जड़ें काफी गहरी हैं। ईरान का परमाणु कार्यक्रम लंबे समय से पश्चिमी देशों और इजराइल के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और उसका लक्ष्य ऊर्जा उत्पादन तथा वैज्ञानिक विकास है। इसके विपरीत अमेरिका और इजराइल का आरोप है कि ईरान नागरिक परमाणु कार्यक्रम की आड़ में परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इजराइल विशेष रूप से इस संभावना को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है, क्योंकि ईरान के कई नेताओं ने अतीत में इजराइल के खिलाफ तीखे बयान दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की कुछ रिपोर्टों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े ऐसे संकेत मिले हैं जिनसे पश्चिमी देशों की आशंकाएँ और बढ़ गई हैं। यही कारण है कि इस मुद्दे पर लगातार प्रतिबंध, वार्ताएँ और कभी-कभी सैन्य कार्रवाई की संभावना बनी रहती है।

इसके अलावा ईरान द्वारा समर्थित कई सशस्त्र समूह भी इस तनाव को बढ़ाने में भूमिका निभाते हैं। लेबनान में हिजबुल्ला, गाजा में हमास और यमन में हूत विद्रोही जैसे संगठनों को लेकर अमेरिका और इजराइल का आरोप है कि ये समूह ईरान के समर्थन से उनके हितों पर हमले करते रहते हैं। इन प्रॉक्सी संघर्षों ने मध्य-पूर्व को लंबे समय से अस्थिर बनाए रखा है। जब भी इजराइल और इन संगठनों के बीच टकराव बढ़ता है, तो उसके पीछे ईरान की भूमिका पर बहस छिड़ जाती है। अमेरिका इस पूरे परिदृश्य में अपने प्रमुख सहयोगी इजराइल की सुरक्षा को महत्वपूर्ण मानता है और साथ ही मध्य-पूर्व में अपने रणनीतिक प्रभाव को बनाए रखना चाहता है। यही कारण है कि ईरान को रोकने की अमेरिकी नीति कई बार कड़े प्रतिबंधों और सैन्य दबाव के रूप में सामने आती है।

इस बढ़ते तनाव का सबसे बड़ा प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ता है। मध्य-पूर्व दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल उत्पादक क्षेत्रों में से एक है और यहाँ किसी भी प्रकार का युद्ध या अस्थिरता तुरंत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों को प्रभावित करती है। इस संदर्भ में होर्मुज जलडमरूमध्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकीर्ण समुद्री मार्ग विश्व ऊर्जा व्यापार का एक प्रमुख केंद्र है। अनुमान है कि दुनिया के कुल समुद्री तेल व्यापार का लगभग पाँचवां हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है। यदि इस क्षेत्र में सैन्य टकराव बढ़ता है या ईरान इस मार्ग को अवरुद्ध करने की कोशिश करता है, तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है।

भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। भारत अपनी कुल तेल आवश्यकताओं का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है और इस आयात का बड़ा हिस्सा मध्य-पूर्व से आता है। सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश लंबे समय से भारत के प्रमुख ऊर्जा आपूर्तिकर्ता रहे हैं। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है, तो इन देशों से आने वाली तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इससे न केवल भारत में ऊर्जा की उपलब्धता पर असर पड़ेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने के कारण पेट्रोल-डीजल और अन्य ईंधनों की कीमतें भी तेजी से बढ़ सकती हैं। ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर परिवहन, उद्योग और कृषि जैसे क्षेत्रों पर पड़ता है, जिससे महंगाई बढ़ने और आर्थिक विकास की गति धीमी होने की आशंका रहती है।

भारत ने इस तरह की संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए कुछ रणनीतिक कदम पहले से उठाए हैं। देश में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार की व्यवस्था की गई है ताकि आपूर्ति में अचानक बाधा आने पर कुछ समय तक ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सके। विशाखापत्तनम, मैंगलोर और पाडुर जैसे स्थानों पर बनाए गए भूमिगत भंडार भारत को सीमित अवधि तक राहत दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त तेल विपणन कंपनियों और रिफाइनरियों के पास भी कुछ मात्रा में भंडार मौजूद रहता है, जिससे कुल मिलाकर कुछ महीनों तक स्थिति को संभाला जा सकता है। हालांकि यह समाधान केवल अस्थायी है और लंबे समय तक चलने वाले संकट के लिए पर्याप्त नहीं माना जा सकता।

ऐसी स्थिति में भारत को अपनी ऊर्जा नीति को और अधिक विविधतापूर्ण बनाना होगा। मध्य-पूर्व पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने के लिए अन्य क्षेत्रों से तेल आयात बढ़ाने की आवश्यकता हो सकती है। पश्चिम अफ्रीका के नाइजीरिया और अंगोला जैसे देश, लैटिन अमेरिका के ब्राजील और वेनेजुएला जैसे उत्पादक तथा अमेरिका से होने वाला ऊर्जा व्यापार भारत के लिए संभावित विकल्प बन सकते हैं। इन क्षेत्रों से तेल आयात करने में परिवहन दूरी और लागत जैसी चुनौतियाँ अवश्य हैं, लेकिन आपूर्ति के स्त्रोतों में विविधता भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर सकती है।

रूस भी इस संदर्भ में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार के रूप में उभरा है। पिछले कुछ वर्षों में रूस से रियायती दरों पर कच्चे तेल की आपूर्ति ने भारत की ऊर्जा जरूरतों को काफी हद तक पूरा किया है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण रूस नए बाजारों की तलाश में था और भारत ने इस अवसर का उपयोग करते हुए बड़ी मात्रा में रूसी तेल आयात किया। यदि मध्य-पूर्व से आपूर्ति में बाधा आती है, तो रूस से आयात बढ़ाना एक व्यावहारिक विकल्प हो सकता है। हालांकि इसके साथ भुगतान व्यवस्था, बीमा और परिवहन से जुड़ी कुछ कूटनीतिक तथा तकनीकी चुनौतियाँ भी सामने आ सकती हैं।

दीर्घकालिक दृष्टि से भारत के लिए ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों पर अधिक ध्यान देना भी आवश्यक है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और जैव ईंधन जैसे विकल्प न केवल ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम कर सकते हैं, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी अधिक टिकाऊ समाधान प्रदान करते हैं। भारत पहले ही एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने की दिशा में कई कदम उठा चुका है, लेकिन वैश्विक ऊर्जा संकट की संभावनाएँ यह संकेत देती हैं कि इन प्रयासों को और तेज करना होगा।

कूटनीतिक स्तर पर भी भारत को संतुलित और सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता है। भारत के इजराइल, अमेरिका और ईरान तीनों के साथ महत्वपूर्ण संबंध हैं। इजराइल भारत का एक प्रमुख रक्षा और प्रौद्योगिकी साझेदार है, अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग लगातार बढ़ रहा है, जबकि ईरान भारत के लिए ऊर्जा आपूर्ति और चाबहार बंदरगाह परियोजना के कारण महत्वपूर्ण है। इसलिए भारत के लिए किसी एक पक्ष का खुलकर समर्थन करने के बजाय संतुलित कूटनीति अपनाना अधिक व्यावहारिक माना जाता है। भारत परंपरागत रूप से संवाद और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थक रहा है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तनाव कम करने की अपील करता रहा है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि इजराइल-अमेरिका-ईरान तनाव केवल क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ सकता है। भारत जैसे विकासशील और ऊर्जा-आयात पर निर्भर देश के लिए यह स्थिति एक गंभीर चेतावनी भी है कि ऊर्जा आपूर्ति के स्त्रोतों को सुरक्षित और विविधतापूर्ण बनाना कितना आवश्यक है। रणनीतिक भंडार, नए आयात स्त्रोत, रूस जैसे साझेदारों के साथ सहयोग और नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार जैसे उपाय भारत को इस अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य में अधिक सुरक्षित बना सकते हैं। साथ ही, कूटनीतिक संतुलन और शांति के प्रयास भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि अंततः वैश्विक ऊर्जा स्थिरता का आधार अंतरराष्ट्रीय शांति और सहयोग ही है।

महेन्द्र तिवारी

हताश सिसकति मानवता और युद्ध।

युद्ध में
मरता केवल एक
सैनिक नहीं
उसके साथ मरती
एक माँ की
अनगिनत प्रतीक्षाएँ,
एक बच्चे की अधूरी नींद
एक स्त्री की आँखों में पलता
छोटा-सा घर,
बारूद की गंध में
दब जाती
रोटियों की भूखी गंध,
खेतों की हरियाली
बच्चों की किलकारिया
जब बंदूक बोलती
तो पृथ्वी कुछ क्षणों के लिए
मनुष्य होना भूल जाती,
नदियाँ भी जैसे
अपनी धारा में
थोड़ा-सा रक्त बहते देख
चुप हो जाती
इतिहास की किताबों में
लिखी जाती विजय,
झंडे ऊँचे कर दिए जाते
नक्शे बदल दिए जाते
पर कोई नहीं लिखता
कि हारती हर बार
मनुष्यता ही है,
युद्ध समाप्त होने के बाद भी
धरती के सीने में
लंबे समय तक
गूंजती रहता
एक मासूम यक्ष प्रश्न
क्या मनुष्य
मनुष्य को मारकर
कभी जीता है?

संजीव ठाकुर, रायपुर छत्तीसगढ़

महिला सशक्तिकरण के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आयामों पर गंभीर विमर्श

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि समाज में महिलाओं की स्थिति, अधिकारों और संभावनाओं पर गंभीर चिंतन का अवसर भी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है जब महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी प्राप्त हो। समावेशी विकास और सशक्त राष्ट्र-निर्माण के वर्तमान वैश्विक विमर्श में नारी सशक्तिकरण अब केवल सामाजिक चर्चा का विषय नहीं रहा, बल्कि यह नीति-निर्माण, आर्थिक प्रगति और लोकतांत्रिक सुदृढ़ता का केंद्रीय आधार बन चुका है। इसी व्यापक और समकालीन दृष्टिकोण को केंद्र में रखकर एडिशन पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित डॉ. संजय कुमार राय और सोनी राय की पुस्तक ह्लमहिला सशक्तिकरणः सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक आयामह्व एक महत्वपूर्ण और विचारोत्तेजक कृति के रूप में सामने आती है।

यह पुस्तक महिला सशक्तिकरण के बहुआयामी स्वरूप को गहराई से समझने का प्रयास करती है। इसमें ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य से लेकर आधुनिक संवैधानिक प्रावधानों, सरकारी नीतियों और वैश्विक परिदृश्य तक महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं का व्यवस्थित विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। लेखक यह स्पष्ट करते हैं कि सशक्तिकरण केवल अधिकारों की समानता या कानूनी प्रावधानों तक सीमित अवधारणा नहीं है। यह सामाजिक स्थिरता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती से जुड़ी एक व्यापक प्रक्रिया है, जो समाज के समग्र विकास की दिशा तय करती है।

पुस्तक में विशेष रूप से शिक्षा को महिला सशक्तिकरण की आधारशिला माना गया है। लेखकों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का मार्ग खोलती है और उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। शिक्षा के माध्यम से महिलाओं में नेतृत्व कौशल का विकास होता है, जो उन्हें सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। यह भी बताया गया है कि जब महिलाएँ शिक्षित और जागरूक होती हैं, तो वे केवल अपने जीवन को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करती हैं।

आर्थिक सशक्तिकरण को भी पुस्तक में अत्यंत महत्वपूर्ण आयाम के रूप में रेखांकित किया गया है। आर्थिक रूप से स्वतंत्र महिला समाज में अधिक सम्मान और आत्मविश्वास के साथ अपनी भूमिका निभा सकती है। रोजगार के अवसर, उद्यमिता, कौशल विकास और वित्तीय समावेशन जैसे पहलुओं को लेखकों ने विस्तार से समझाया है। उनका मानना है कि जब महिलाएँ आर्थिक रूप से सक्षम बनती हैं, तब वे समाज में परिवर्तन की सशक्त वाहक बनती हैं और सामाजिक विकास की प्रक्रिया को गति देती हैं।

राजनीतिक सशक्तिकरण को भी पुस्तक में विशेष महत्व दिया गया है। लेखक यह तर्क प्रस्तुत करते हैं कि लोकतंत्र की वास्तविक सफलता तभी संभव है जब महिलाओं की समान और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित हो। निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की उपस्थिति न केवल नीतियों को अधिक समावेशी बनाती है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं को भी बेहतर ढंग से सामने लाती है। स्थानीय स्वशासन संस्थाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को इस दिशा में सकारात्मक संकेत माना गया है।

पुस्तक में स्वास्थ्य अधिकार, कानूनी जागरूकता और डिजिटल सशक्तिकरण जैसे समकालीन विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। डिजिटल युग में सूचना और तकनीक तक महिलाओं की पहुँच को सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया गया है। इसके साथ ही ग्रामीण और वंचित वर्ग की महिलाओं के सामने उपस्थित चुनौतियों–जैसे अशिक्षा, आर्थिक निर्भरता, लैंगिक भेदभाव और सामाजिक रूढ़ियों–का भी यथार्थपरक विश्लेषण किया गया है। लेखक यह स्पष्ट करते हैं कि इन चुनौतियों का समाधान केवल नीतियों और योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए सामाजिक चेतना, सामुदायिक सहभागिता और सकारात्मक दृष्टिकोण की भी आवश्यकता है।

डॉ. संजय कुमार राय, जो एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ और रणनीतिक नवोन्मेषक के रूप में जाने जाते हैं, अपने शोधपरक दृष्टिकोण और तकनीकी अनुभव के माध्यम से विषय को विश्लेषणात्मक गहराई प्रदान करते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल रूपांतरण और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में दो दशकों से अधिक के अनुभव ने उनके विचारों को व्यावहारिक आधार दिया है। वहीं, सहलेखिका सोनी राय की पत्रकारिता पृष्ठभूमि और सामाजिक सरोकार पुस्तक में मानवीय संवेदना और जमीनी यथार्थ का समावेश करती है।

पिछले पंद्रह वर्षों से अफ्रीका में विभिन्न सामाजिक पहलों से जुड़ी सोनी राय ने वंचित समुदायों के साथ कार्य करते हुए जो अनुभव प्राप्त किए हैं, वे पुस्तक की दृष्टि को वैश्विक संदर्भ प्रदान करते हैं। उनके अनुभवों के कारण यह कृति केवल सैद्धांतिक विमर्श तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वास्तविक सामाजिक परिस्थितियों से भी संवाद स्थापित करती है।

शैली की दृष्टि से यह पुस्तक सरल, सुव्यवस्थित और तथ्याधारित है। शोधपरक संदर्भों और विश्लेषणात्मक प्रस्तुति के कारण यह अकादमिक जगत, नीति-निमार्ताओं, शोधार्थियों और सामाजिक कार्यकताओं के लिए समान रूप से उपयोगी सिद्ध होती है। साथ ही सामान्य पाठक भी इसके माध्यम से महिला सशक्तिकरण की जटिलताओं, चुनौतियों और संभावनाओं को सहज रूप से समझ सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के संदर्भ में यह पुस्तक विशेष रूप से प्रासंगिक प्रतीत होती है, क्योंकि यह हमें केवल महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मनाने तक सीमित नहीं रखती, बल्कि समाज में वास्तविक समानता और न्याय की स्थापना के लिए गंभीर चिंतन और सक्रिय भागीदारी की प्रेरणा भी देती है।

समग्र रूप में ह्लमहिला सशक्तिकरणः सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक आयामह्व एक महत्वपूर्ण वैचारिक दस्तावेज है, जो समानता, गरिमा और न्याय पर आधारित समाज की स्थापना की दिशा में सार्थक विमर्श प्रस्तुत करता है। यह कृति न केवल नारी शक्ति की संभावनाओं को रेखांकित करती है, बल्कि पाठकों को सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए भी प्रेरित करती है।

— उमेश कुमार सिंह

मोहमाया और इजाजत...!

ना जाने ऐसी वह कौन-सी घड़ी थी,
कैसे 'मोहमाया में लिपटी' खड़ी थी।
आने की इजाजत दे 'मौन' पड़ी थी,
लापता आफत दरवाजे पे खड़ी थी।

यूं कितनी चुप्पी साधे रखेगा इंसान,
हमारे आसपास ही खड़े हुए शैतान।
यहाँ सिर पे नाच रहे हैं बनके हैवान,
हम हैं वरिष्ठ नागरिक यह है जवान।

इनसे न जाने कब तक छूटेगा पीछा,
जमाने के सामने दिखा रहे हैं निचा।
इन्हें पाल-पोसकर हमने ही है सिचा,
हे रब दे सदबुद्धि यहीं हमारी इच्छा।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा साई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले भाकियू (भानु) पदाधिकारी नजरबंद, एसीपी को सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

ग्रेटर नोएडा। किसानों की समस्याओं को लेकर सक्रिय भारतीय किसान यूनियन (भानु) के पदाधिकारियों को पुलिस प्रशासन ने गुरुवार को नजरबंद कर दिया। संगठन के पदाधिकारी आज प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को किसानों की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन देने की तैयारी कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री का ग्रेटर नोएडा में एक निजी अस्पताल के लोकार्पण कार्यक्रम में आगमन प्रस्तावित था। इसकी सूचना मिलने पर भाकियू (भानु) ने किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया था। जैसे ही इसकी जानकारी पुलिस प्रशासन को मिली, संगठन के कई पदाधिकारियों को नजरबंद कर दिया गया, जिसका संगठन ने विरोध किया। बाद में मौके पर पहुंचे एसीपी प्रवीण कुमार सिंह ने संगठन के पदाधिकारियों से मुलाकात की। इसके बाद भाकियू (भानु) के नेताओं ने किसानों की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन एसीपी को सौंप दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोज चौधरी, एनसीआर अध्यक्ष सुनील अवाना, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल बैसोया, नोएडा महानगर अध्यक्ष राजवीर मुखिया, प्रेम सिंह भाटी, सुभाष भाटी, सोनू अवाना, कर्मवीर बैसला, ओमी प्रधान, किटी प्रधान, ललित कुमार, राजू बैसोया, रितिक शर्मा, बीरेन्द्र चौधरी, आकाश चौधरी, हरेन्द्र अम्बावता सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा में वैश्य समाज की नई कार्यकारिणी का गठन, लक्ष्मण सिंघल बने अध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा। श्री महाराजा अग्रसेन वैश्य सेवा समिति की वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन श्री महाराजा अग्रसेन भवन स्वर्ण नगरी में आयोजित बैठक में किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से लक्ष्मण सिंघल को अध्यक्ष, आलोक गोयल को महासचिव तथा राजेश गुप्ता को कोषाध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का समिति के सदस्यों ने फूल-मालाएं पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।
बैठक में मनोज गर्ग, ओमप्रकाश अग्रवाल, सौरभ बंसल, पुष्पेंद्र गोयल, पवन बंसल, रवि गर्ग, मुकुल गोयल, सर्वेश अग्रवाल, नवीन जिंदल, कपिल गुप्ता, राकेश सिंघल, अरुण गुप्ता, मोनू जेवर, विजय अग्रवाल, सचिन गर्ग, संजय अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय गौतमबुद्धनगर में होली वाले दिन एवं होली के उपरान्त भी अत्यधिक भार रहा।

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडाः त्योहार शुरू होते ही और मौसम बदलते ही बीमारियां दस्तक देना शुरू कर देती हैं जिसके कारण जिला अस्पताल में बीमारी की संख्या बढ़ने लगती है और अत्यधिक दबाव चिकित्सा अधिकारियों पर बन जाता है इसी तरह दिनांक 04.03.2026 को होली पर्व के दिन आकस्मिक विभाग में निम्न केस मरीज उपचार हेतु आयेः

- डॉग बाईट - 40
- बर्न केस - 1
- R.T.A. - 17
- मेडिकोलीगल (पुलिस) - 54
- R.H.C. - 11

- Poisioner - 1
- Other Cases - 87
- Total Cases - 210

आकस्मिक विभाग में होली पर्व के दिन कार्य का अत्यधिक भार रहा।
दिनांक 05.03.2026 को होली पर्व के उपरान्त ओ०पी०डी० पूर्ण रूप से संचालित रही। होली के उपरान्त ओ०पी०डी० में काफी अधिक संख्या में मरीज आयेः

- ओ०पी०डी० मरीज - 3500
- सिजेरियन आपरेशन - 08
- आई ऑरेशन - 07

ग्रेटर नोएडा में रैली को सफल बनाने को लेकर सपा ने की बैठक

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडाः ग्रेटर नोएडा - समाजवादी पार्टी द्वारा आगामी 29 मार्च को दादरी के मिहिर भोज डिग्री कॉलेज के प्रांगण में आयोजित होने वाली समाजवादी समानता भाईचारा रैली की तैयारी को लेकर गुरुवार को समाजवादी पार्टी के मेरठ सहारनपुर स्नातक खंड के प्रत्याशी प्रमेंद्र भाटी एडवोकेट एवं श्याम सिंह भाटी के द्वारा बिसरख गांव में एक जन-पंचायत का आयोजन किया गया बैठक का संयोजन के के भाटी एड-वोकेट द्वारा तथा संचालन मोहित भाटी एडवोकेट तथापंचायत की अध्यक्षता नगरदार प्रधान सादोपुर द्वारा किया गया। इस मौके पर प्रमेन्द्र भाटी एडवोकेट ने कहा कि आगामी 29 मार्च को दादरी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव दादरी में एक विशाल रैली को सम्बोधित करेंगे। जिसमें जिले के कोने-कोने से हजारों लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और राज्य सरकार आम जनता का शोषण करने में लगी हुई है, सरकार की जन विरोधी नीतियों से महंगाई और बेरोजगारी चरम सीमा पर है सत्ताधारी पार्टी की नीतियों के दुष्परिणाम से किसान तथा उद्योगपति बर्बाद होने की कगार पर पहुँचने वाले हैं उन्होंने उपस्थित लोगों से रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करने लिए जाति धर्म से ऊपर उठकर भाईचारे और बंधुत्व की नीति से सर्व समाज के सर्वांगीण विकास के लिए तथा लोकतंत्रात्मक व्यवस्था स्थापित कर, संविधान, धर्मनिरपक्षता को बचाने के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की जीत आवश्यक है, जिसकी नींव दादरी की इस रैली से ही रखी जाएगी। इस मौके पर समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव एडवोकेट श्याम सिंह भाटी ने कहा कि भाजपा सरकार से पीड़ित, दुःखी अपमानित सर्व समाज के लोग एकजुट होकर पीडीए के साथ है। भाजपा हर वर्ग को अपमानित कर रही है। जबकि समाजवादी पार्टी सभी वर्गों का सम्मान करती है। भाजपा जनता का भरोसा खो चुकी है। आम जनता समाजवादी सरकार बनाने का फैसला ले चुकी है। आज किसान, नौजवान, महिलाएं और व्यापारी सहित हर वर्ग परेशान और त्रस्त है। 29 मार्च को होने वाली रैली ऐतिहासिक होने जा रही है। रैली को सफल बनाने के लिए गाँव-गाँव बैठक लगातार की जाएंगी इसी क्रम में 10 मार्च को तिलपता वह 11 मार्च को साधोपुर में बैठक आयोजित होगी आज की पंचायत में मुख्य रूप से करण सिंह एम पी संतु यादव महेश गुप्ता विशाल नागर अमित भाटी सागर शर्मा बिन्नू भाटी अभिषेक शर्मा। रोहित बेसोया हरीश बैसोया सतेंद्र खारी महिला सभा की जिलाध्यक्ष डॉ शशि यादव प्रदेश सचिव शिमला सागर ग्रेटर नोएडा प्रभारी रूबी नागर ग्रेटर नोएडा वेस्ट प्रभारी नेहा पवार रिंकू यादव सहित सैकड़ों की तादाद में पंचायत में शामिल हुए तथा सभी ने एक मत होकर सभा को सफल बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कराने का भरोसा दिया

सैफई से सपा मुखिया अखिलेश यादव का बड़ा बयान: “युद्ध नहीं, शांति और भाईचारे का रास्ता चुने देश”

समाज जागरण

सैफई : होली के अवसर पर सैफई में आयोजित कार्यक्रम में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने देश और दुनिया के मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत के त्यौहार हमें अच्छाई का रास्ता दिखाते हैं।
उन्होंने कहा कि होली अन्याय पर न्याय और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, इसलिए इस अवसर पर हमें आपसी भाईचारे और इंसानियत को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए।
उन्होंने कहा कि आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, वैसा समय पहले कभी नहीं देखा गया। कहीं मिसाइलें चल रही हैं, कहीं बम गिर रहे हैं और कई देशों में युद्ध अब तक थमे नहीं हैं। तकनीक के इस युग में दुनिया के किसी भी हिस्से में होने वाली घटना की जानकारी तुरंत मिल जाती है। कई देश एक-दूसरे की सीमाओं में प्रवेश कर रहे हैं।
उन्होंने कहा कि ताकतवर देशों द्वारा लिए जा रहे फैसले वैश्विक शांति के लिए चिंता का विषय हैं।
अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी और समाजवादी विचारधारा कभी युद्ध के पक्ष में नहीं रही और न रहेगी। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा का रास्ता दिखाया था और भारत ने हमेशा दुनिया को शांति का संदेश दिया है। हमारे देश की पहचान इंसानियत और भाईचारे से है, जिसे हर हाल में बनाए रखना होगा।
उन्होंने कहा कि आज हम होली मना रहे हैं और 2012 को याद करना चाहिए, जब होली के बाद ही समाजवादी सरकार बनी थी। उत्तर प्रदेश में 403 विधानसभा सीटें हैं और समय कम बचा है, इसलिए कार्यकताओं को ज्यादा मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने का रास्ता सैफई से ही शुरू होगा और यहां के लोग हमेशा समाजवादी विचारधारा को मजबूती देते आए हैं।
पीडीए के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों को साथ लेकर चलने का यह संकल्प है। जो भी पीड़ित और दुखी है, समाजवादी उसके साथ खड़े हैं।
उन्होंने धार्मिक और सामाजिक मुद्दों पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि जो दूसरे के दुख को अपना दुख समझे वही सच्चा योगी होता है, केवल बाहरी आडंबर से कोई योगी नहीं बन सकता।
उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है। सोना और चांदी इतनी महंगी हो चुकी है कि आम आदमी के लिए खरीदना मुश्किल है। रोजगार के अवसर घटे हैं और किसानों की समस्याएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा और विदेश नीति पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना होगा।
अखिलेश यादव ने भरोसा दिलाया कि समाजवादी सरकार बनने पर किसानों को सबसे ज्यादा लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं को संगठित रहने और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा करते हुए कहा कि इटावा से पीडीए प्रशिक्षण की शुरूआत की जाएगी, जिसे आगे हर जनपद तक पहुंचाया जाएगा।
अपने संबोधन के अंत में उन्होंने बाबा साहब के संविधान और समाजवादी चिंतन का उल्लेख करते हुए कहा कि खुशहाली का रास्ता समाजवाद से होकर जाता है। उन्होंने होली के अवसर पर सभी को संकल्प दिलाया कि आगामी चुनाव में पहले से बड़ी जीत सुनिश्चित करनी है।

योग संस्थान का सामूहिक होली मिलन समारोह हर्षोल्लास से संपन्न

वही व्यक्ति स्वस्थ है जो जीना जानता है -योग मर्मज्ञ देवेन्द्र हितकारी

समाज जागरण

गाजियाबाद,वीरवार,05-03-2026 को अखिल भारतीय ध्यान योग संस्थान द्वारा आयोजित योग परिवार सामूहिक होली मिलन समा-रोह मानव ओषधि पार्क, सेक्टर-4,राजनगर में धूमधाम से सम्पन्न हुआ।इस कार्यक्रम में संस्थान की सभी योग कक्षाओं के करीब 200 साधक एवं साधिकाओं ने भाग लिया।
कार्यक्रम के संयोजक डॉ आर के पोद्दार एवं औषधि पार्क कक्षा के वरिष्ठ साधकों द्वारा सभी साधक एवं साधिकाओं का टीका लगाकर एवं टोपी पहनाकर स्वागत किया गया।
संस्थान के सभी ट्रस्टियों एवं मुख्य शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने दीप प्रज्वलित कर होली मिलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया।संस्थान के महामंत्री दयानंद शर्मा ने सभी साधकों को होली महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए ओ३म् की ध्वनि और गायत्री मंत्र का जाप कराया।
औषधि पार्क कक्षा के मुख्य शिक्षक देवेंद्र बिष्ट ने साधकों को खड़े होकर भस्त्रिका कराकर वार्मअप किया साथ ही साथ हाथों,पैरों के सुक्ष्म अभ्यास कराए और इनके लाभों की चर्चा की।
पूर्व सांसद प्रतिनिधि एवं योग मर्मज्ञ देवेन्द्र हितकारी ने बताया कि प्राणायाम तीन प्रकार के होते हैं शोधात्मक,ऊर्जात्मक एवं ध्यानात्मक उन्होंने सभी साधकों को शोधात्मक प्राणायाम भस्त्रिका, कपालभाती के प्रभाव की चर्चा करते हुए ध्यानात्मक भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया।उन्होंने बताया कि यह विशेष रूप से हमारे मस्तिष्क के लिए लाभकारी है।दीर्घश्वसन क्रिया,विरेचन क्रिया, कपालशोधन,अनुलोम विलोम प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए बताया इससे निष्क्रिय अंग सक्रिय हो जाते हैं।जठराग्नि प्रदीप्त होती है।त्रिबंध बॉडी की रेसिस्टेंस पावर को बढाने मे उपयुक्त है।वही व्यक्ति स्वस्थ है जो जीना जानता है।आहार पर नियंत्रण हो,प्रसन्नता बांटता हो।होली प्रसन्नता का त्यौहार है मेरा अंग अंग प्रसन्न हो।उन्होंने साधकों को कहा कि भ्रामरी भंवरे की ध्वनि उत्पन्न करें ओर उसे अपने आज्ञा चक्र,ब्रह्मरंध्र में सुनें मन में शांति और सुकून का अनुभव करें।
समारोह में वीना वोहरा और मीनाक्षी अग्रवाल, अंबिका गर्ग के द्वारा किया गया राधा कृष्ण के रूप में किया गया नृत्य तथा रेखा गुलाटी एवं उनकी टीम द्वारा किया गया नृत्य समारोह में आकर्षण का केंद्र रहे।नृत्य के दौरान साधकों पर पुष्प वर्षा की गई।
चिरंजीविहार के सर्वश्री कृष्ण गोपाल वार्ष्णेय, मिथिलेश वार्ष्णेय,ने आधुनिक साज बाज पर क्लासिकल गीत प्रस्तुत किये,सुधा शर्मा,महेन्द्र गिरधर,कृष्ण कुमार शर्मा,अशोक शास्त्री,प्रदीप गुप्ता, काव्यत्री फुलां रानी ने होली पर्व पर सुंदर गीत,हास्य रचना व देश भक्ति के गीत व प्रकृति प्रेम की कविता सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। डा आर के पोद्दार (वरिष्ठ योग शिक्षक) ने विश्व में चल रहे युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि ईश्वर कृपा से भारत में हम होली दीपावली आदि सभी पर्व हर्षोल्लास से मना रहे हैं इसके लिए हम मोदी योगी का आभार व्यक्त करते हैं जिनकी वजह से यहाँ अमन चैन है।उन्होंने आगंतुकों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

संस्थान के उपाध्यक्ष श्री प्रदीप त्यागी जी ने बहुत सुंदर चुटकुलों के साथ मंच संचालन किया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ रतनलाल गुप्ता,हरी ओम सिंह, राजेश शर्मा,चरत कुमार, ओमवीर सिंह,एम पी सिंह,संत राम,शेर सिंह, राज सिंह एवं संदीप रोहिल्ला ने अपनी पूरी टीम के साथ भाग लिया।
संस्थान के अध्यक्ष कृष्ण कुमार अरोड़ा ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी और बताया कि दिनांक 10.03.2026 दिन मंगलवार से संस्थान की एक नई कक्षा वेव सिटी,सैक्टर 4 में प्रारम्भ होने जा रही है।
इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री प्रवीण आर्य, नेत राम गौतम आदि मौजूद रहे।
कार्यक्रम की समाप्ति पर प्रसाद ग्रहण कर सभी साधक एवं साधिकाओं ने आपस में बधाइयाँ देते हुए अपने घरों को प्रस्थान किया।

अखिल भारतीय स्नाइपर प्रतियोगिता में यूपी एटीएस को स्वर्ण पदक

समाज जागरण

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश पुलिस की उत्तर प्रदेश एटीएस टीम ने राष्ट्रीय स्तर की स्नाइपर प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया है।
दिनांक 16 से 28 फरवरी 2026 तक राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित 16वीं अखिल भारतीय पुलिस स्नाइपर प्रतियोगिता में देश के 17 केंद्रीय और राज्य पुलिस बलों के चयनित स्नाइपर कमांडो ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में यूपी एटीएस के कमांडो आकाश यादव और राकेश कुमार ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्नाइपर टीम श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता।

इस प्रतियोगिता में दो सदस्यीय टीम – शूटर और स्पॉटर – के समन्वय, लक्ष्य निर्धारण, पर्यावरणीय परिस्थितियों के आकलन और सटीक निशाने के आधार पर प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाता है।
उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में भी कमांडो आकाश यादव को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड द्वारा आयोजित बेसिक स्नाइपर प्रशिक्षण में ‌ सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज‌ के पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन दने के लिए संपर्क करे। न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

यूट्यूबर सलीम पर हमले का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश पुलिस के अनुसार थाना लोनी क्षेत्र में यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर जानलेवा हमले के मामले में वांछित एक लाख रुपये के इनामी बदमाश को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया, जिसकी बाद में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक आरोपी को गाजियाबाद पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में पकड़ा था। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से दो अवैध हथियार और दिल्ली से चोरी की गई एक दोपहिया वाहन बरामद किया है। गौरतलब है कि 26 फरवरी 2026 की सुबह करीब आठ बजे यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर उनके कार्यालय में दो हमलावरों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। फिलहाल उनका उपचार अस्पताल में चल रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

अमृत शर्मा हत्याकांड में पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप भ्रामक: पुलिस

समाज जागरण

बागपत। बागपत पुलिस ने सोशल मीडिया पर प्रसारित उस खबर का खंडन किया है, जिसमें ग्राम तितरौदा, थाना सिंघावली अहीर में 4 मार्च 2026 को हुई अमृत शर्मा की हत्या के मामले में पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न करने और तहरीर बदलने का आरोप लगाया गया था।
पुलिस के अनुसार यह खबर पूरी तरह भ्रामक और असत्य है। इस संबंध में मृतक के पिता और भाई ने स्वयं वीडियो बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि उन्होंने जो तहरीर दी थी, उसी के आधार पर पुलिस ने विधिक कार्रवाई की है।
परिजनों ने यह भी कहा है कि पुलिस द्वारा पीड़ित परिवार का पूरा सहयोग किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पर इस प्रकार की गलत और भ्रामक खबरें फैलाने वालों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नगीना में चिकित्सक की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

समाज जागरण

बिजनौर। बिजनौर पुलिस के थाना नगीना क्षेत्र में स्थित शिवालय हेल्थ केयर सेंटर के एक चिकित्सक की अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या कर दिए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मामले को लेकर प्रकाश कुमार (अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, बिजनौर) ने बताया कि चिकित्सक की हत्या की घटना में पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी का-र्रवाई की जा रही है और आरोपी की तलाश के लिए टीमों को लगाया गया है।

पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

गन्ने के खेत में महिला का शव मिलने से सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

समाज जागरण

पीलीभीत। पीलीभीत पुलिस के थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम पंसोली में गन्ने के खेत में एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।
मामले को लेकर विक्रम दहिया

(अपर पुलिस अधीक्षक, पीलीभीत) ने बताया कि महिला का शव गन्ने के खेत में मिला है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।
उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा जल्द ही मामले का खुलासा करने का दावा किया है।

विश्व कप में भारत की शानदार जीत, इंग्लैंड को 7 रन से हराया

समाज जागरण

मोहाली (पंजाब)। आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड क्रि-केट टीम को 7 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की।
पंजाब के मोहाली में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले के बाद क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। मैच के बाद एक प्रशंसक ने कहा कि आज होली की खुशियां दोगुनी हो गई हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए इंग्लैंड को हराकर देशवासियों को बड़ी खुशी दी है।

भारत की इस जीत के बाद मैदान के बाहर भी जश्न का माहौल रहा और प्रशंसकों ने टीम की जीत पर खुशी जताई। इस जीत को प्रतियोगिता में भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

विदेश में फंसे भारतीय यात्रियों की वापसी शुरू, सरकार की व्यवस्थाओं की सराहना

हैदराबाद। विदेश में फंसे भारतीय यात्रियों की स्वदेश वापसी शुरू हो गई है। हैदराबाद पहुंचे एक यात्री प्रतीक जोशी ने बताया कि कुछ समय के लिए हालात तनावपूर्ण थे, लेकिन अब स्थिति सामान्य होती जा रही है और उड़ान सेवाएं भी फिर से शुरू हो गई हैं।
प्रतीक जोशी ने बताया कि वहां कई बार सुरक्षा अलर्ट मिले थे और बीच-बीच में हमलों की खबरें भी आई थीं, जिससे यात्री कुछ समय के लिए फंस गए थे। उन्होंने कहा कि वे लगभग चार दिनों तक वहीं रुके रहे, लेकिन अब उड़ान सेवाएं शुरू होने से यात्रियों को राहत मिली है।
उन्होंने कहा कि भारतीय सरकार की ओर से यात्रियों को अच्छा सहयोग मिला। सरकार ने भोजन और ठहरने की व्यवस्था कराई, जिससे कठिन परिस्थिति में यात्रियों को काफी मदद मिली। यात्रियों का कहना है कि स-रकार की मदद और उड़ानों के दोबारा शुरू होने से अब सभी लोग सुरक्षित अपने घर लौट पा रहे हैं।

गृह क्लेश के चलते महिला ने की आत्महत्या

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर बढ़ापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने कर अपनी जीवन लीला को समाप्त कर लिया गया। घटना की सूचना वाले एक गांव में गृह क्लेश के चलते हुए एक महिला द्वारा फंदे पर लटक पुलिस को मिलने के बाद मौके पर पहुंचीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भिजवाया है बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम शाह अलीपुर कोटरा में होली के त्यौहार के दिन एक महिला के आत्महत्या कर लेने की सूचना पर पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। एक और जहां स्थानीय पुलिस होली के त्यौहार को शांतिपूर्वक संपन्न करने के लिए लगातार भाग दौड़ कर रही थी वहीं दूसरी ओर शाहअलीपुर कोटरा से आई सूचना ने पुलिस के हाथ पांव फुला दिए। स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचने पर पता चला कि सलोनी 22 वर्ष पत्नी अमित कुमार की शादी अभी डेढ़ वर्ष पहले ही हुई थी। सलोनी की मौत से परिजनों में हड़कंप मचा हुआ था। डेढ़ वर्ष पहले शादी होने के कारण न्यायीक तहसीलदार की मौजूदगी में शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भिजवाया गया। इस संबंध में सीओ नगीना अंजनी कुमार चतुर्वेदी द्वारा वीडियो जारी कर बताया गया कि अभी तक मृतका के परिजनों की और से तहरीर प्राप्त नही हो पाई। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

विवेक आयुर्वेद कॉलेज की छात्रा का शोध सीसीआरएएस में चयनित

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर। विवेक आयुर्वेद कॉलेज की छात्रा सुमय्या तेहरीम शोध प्रस्ताव - सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद सिद्धान्त एण्ड (सीसीआरएएस) नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'स्पार्क- 4.0 के लिए - राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुआ है सीसीआरएएस आयुष मंत्रालय की अनुसंधान संस्था है। देशभर से प्राप्त प्रस्तावों में सुमय्या तेहरीम चयनित शोध में शामिल है। यह शोध द्रव्यगुण विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. शम्भू पटेल के मार्गदर्शन में तैयार किया गया है, जो आयुर्वेद उपचार पद्धतियों के प्रभाव पर है केंद्रितआयुर्वेदिक उपचार पद्धतियों की प्रभावशीलता पर केन्द्रित है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. देवाशीष पाणीग्रही ने छात्रा को बधाई दी। विवेक विश्वविद्यालय के अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि यह सफलता छात्रा की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्थान के उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है। विवेक विश्वविद्यालय को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

घायल अवस्था में गुलदार मिलने से गांव में मची हलचल

घायल गुलदार को खींचते नजर आये ग्रामीण, वीडियो वायरल

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर शेरकोट थाना क्षेत्र के ग्राम जमनीभान उर्फ भनोटी में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब खेतों के पास एक घायल गुलदार पड़ा मिला। गुलदार को देखते ही गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

घायल गुलदार को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। इस दौरान कुछ युवकों ने लापरवाही व जान जोखिम मे डालते हुए गुलदार की पूंछ पकड़कर उसे खींचने का प्रयास किया, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में और अधिक हलचल मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को हटाकर स्थिति को नियंत्रित किया। साथ ही घटना की सूचना वन विभाग को दी गई मौके पर पहुंचे वन विभाग रेंजर हरदीप सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि गुलदार किसी अन्य जंगली जानवर से संघर्ष के दौरान घायल हुआ है। तथा गुलदार की उम्र लगभग एक वर्ष के आसपास लग रही है। वन विभाग की टीम आगे की कार्रवाई और उपचार की व्यवस्था करने में जुटी हुई है। स्पष्ट कारणो का जांच के बाद ही पता लगेगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से छात्र की मौत

समाज जागरण

असमोली।असमोली थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बीए के छात्र की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम मतवाली पत्ती निवासी सुधांशु पुत्र

बबलू उर्फ शिवपाल घर से खेत की ओर जा रहा था। जैसे ही वह गांव के कच्चे रास्ते से मुख्य सड़क पर पहुंचा, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुधांशु की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक सुधांशु रोशन सिंह चौहान डिग्री कॉलेज में बीए तृतीय वर्ष का छात्र था। वह अपने परिवार में तीन भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटा था। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया और गांव में मातम का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

13 साल के मासूम मोहम्मद सुबहान ने रखा पहला रोजा

दैनिक समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नजीबाबाद जनपद बिजनौर के नजीबाबाद के मोहल्ला मूगलुशाह के निवासी दैनिक समाज जागरण अखबार के जिला प्रभारी शमीम सिद्दीकी के 13 वर्षीय मासूम पुत्र मोहम्मद सुबहान ने पहला रोजा रखा मोहम्मद सुबहान ने सुबह सवेरे सेहरी खाकर शाम का रोजा इफ्तार किया रोजे के साथ-साथ मोहम्मद सुबहान ने पांच वक्त की नमाज पढ़कर अपने वालिद वालदेन और अपनी इकलौती बहन नूर फातिमा की सेहत और सलामती के लिए दुआएं मांगी मोहम्मद सुबहान के वालिद वालदेन ने मोहम्मद सुबहान को अपनी दुआओं से नवाजा आपको बता दे रमजान मुबारक का महीना रहमते और बरकते लेकर आता है।इस से नौजवान बुजुर्ग और बच्चे सभी के इमान मे ताजगी पैदा होती है।जब माहौल दिनदारी का होता है तो बच्चो पर भी असर देखने को मिलता है नजीबाबाद के मोहल्ला मूगलुशाह के निवासी शमीम सिद्दीकी के 13 वर्षीय मासूम पुत्र मोहम्मद सुबहान ने चोदवेह रोजे को पहले रोजा रखकर यह साबित कर दिया।कि रोजा रखने के लिए हौसले और हिम्मत की जरूरत है।उम्र की नही। इस बच्चे की हिम्मत से उन लोगो को सबक हासिल करने की जरूरत है। जो रमजान के महीने मे रोजा न रखने का बहाना तलाश करते है।इस कम उम्र मे रोजा रखने वाले मासूम बच्चे को सभी ने दुआएं देकर हौसला अफजाई की।अल्लाह हम सब को भी रमजान की कदर करने की तौफीक अता फरमाए और इस बच्चे का मुस्तकबिल रौशन करे।

दो बाइकों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में युवक की मौत

समाज जागरण अजमल अंसारी

जनपद बिजनौर किरतपुर कल शाम लगभग 5:00 बजे निकटवर्ती गांव बहादरपुर के रहने वाले रविशु पुत्र मानसिंह (26 वर्ष) जो अपने एक रिश्तेदार को किरतपुर रेलवे स्टेशन पर छोड़कर वापस अपने घर जा रहा था जैसे ही वह अ पनी मोटरसाइकिल से मंडावर रोड पर स्थित मालन के पुल के पास पहुंचा तभी सामने से आ रही एक तेज स्पीड बाइक जिस पर एक दंपति सवार थे दोनों मोटरसाइकिल आमने-सामने से टकरा गई जिस पर दोनों मोटरसाइकिल पर बैठे तीनों सवारी गंभीर रूप से घायल हो गई जिसकी सूचना जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची 8- मृतक रिलायंस जिओ में करता था नौकरी और गंभीर रूप से घायल रवीशु को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां से उसकी स्थिति को देखते हुए उसे बिजनौर के लिए रेफर कर दिया गया रास्ते में जाते हुए उसकी मौत हो गई उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया मृतक के परिवार वालों ने बताया कि रविशु का विवाह लगभग 4 वर्ष पूर्व हुआ था एवं उसके एक छोटा बेटा है मृतक नजीबाबाद में रिलायंस जिओ में कार्यरत था मृतक के परिवार वालों द्वारा समाचार लिखे जाने तक कोई भी कार्यवाही हेतु प्रार्थना पत्र थाने में नहीं दिया गया रविशु के परिवार वालों ने बताया कि उसका पोस्टमार्टम करा अंतिम संस्कार बालावाली घाट पर किया गया।

होली पर रही सख्ती: बिजनौर में सघन वाहन चैकिंग, कई बाइकें सीज

दैनिक समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर। होली पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से बिजनौर पुलिस ने मंगलवार देर शाम जिलेभर में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। शहर कोतवाली क्षेत्र में अभियान का नेतृत्व सीओ सिटी संग्राम सिंह और शहर कोतवाल राम प्रताप सिंह ने किया दो युवकों की नशे की जांच के बाद वाहन को सीज कर दिया गया। अभियान के दौरान कुछ युवक पुलिस चेकिंग से बचने के लिए मुख्य मार्गों के बजाय गलियों से निकलते दिखाई दिए। वहीं ट्रिपल राइडिंग और बिना हेलमेट चलने मुख्य चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती कर ब्रेथ एनालाइजर मशीन से वाहन चालकों की जांच की गई। इस दौरान शराब के प्रभाव में वाहन चलाते पाए गए कई लोगों के मौके पर ही चालान किए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहार के नाम पर नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। चेकिंग के दौरान तेज आवाज वाले साइलेंसर लगाकर चल रही कई बाइकों पर कार्रवाई की गई। कुछ बाइकों का चालान काटा गया, जबकि गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर कई वाहनों को सीज भी कर दिया गया। एसआरएस चौक पर पटाखे जैसी आवाज कर रही एक बुलेट बाइक को रोककर जांच की गई। बाइक पर सवार वालों को भी रोका गया। कई मामलों में चालान किए गए, जबकि कुछ युवकों को कड़ी चेतावनी देकर छोड़ा गया। सीओ सिटी संग्राम सिंह के अनुसार, बिजनौर में तीन और मंडावर क्षेत्र में चार बाइकों को सीज किया गया है। इसके अलावा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि होली का पर्व सौहार्द और जिम्मेदारी के साथ मनाएं तथा यातायात नियमों का पालन कर स्वयं और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

छिनैती व चोरी की घटनाओं का पुलिस ने किया खुलासा, मुठभेड़ में एक बदमाश घायल

दैनिक समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर अफजलगढ़। थाना अफजलगढ़ पुलिस ने क्षेत्र में हुई छिनैती और चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से छीनी गई नकदी, चोरी की बाइक, मोबाइल फोन तथा अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। कोतवाली प्रांगण में प्रेस वार्ता के दौरान थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी ने बताया कि थाना क्षेत्र के गांव महसनपुर तिराहे के पास स्थित सिंह फिलिंग स्टेशन पेट्रोल पंप से पांच दिन पूर्व बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने सेल्समैन से करीब 25 हजार रुपये की छिनैती की थी। इसके अलावा 27 फरवरी की रात सुआवाला रोड स्थित एक स्टोन क्रेशर के पास से एक व्यक्ति का मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया था। दोनों घटनाओं के संबंध में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीमों का गठन किया गया था। उन्होंने बताया कि तीन मार्च की रात पड़ाव चौराहे से हरपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार युवक पुलिस को देखकर भागने लगा, लेकिन बाइक फिसल जाने से वह गिर पड़ा और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम निखिल पुत्र राजपाल उर्फ झबरे निवासी ग्राम आलमपुर गांवड़ी थाना अफजलगढ़ बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से 500 रुपये के 18 नोट यानी कुल नौ हजार रुपये बरामद हुए। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने अपने साथी शरद कुमार गौतम पुत्र संजय कुमार निवासी ग्राम आलमपुर गांवड़ी के साथ मिलकर 28 फरवरी को भूतपुरी-सुआवाला रोड स्थित भारत पेट्रोल पंप के सेल्समैन से करीब 25 हजार रुपये की छिनैती की थी। घटना के समय दोनों ने अपने चेहरे गमछे से ढक रखे थे। पुलिस ने जब मोटरसाइकिल के कागजात जांचे तो वह संदिग्ध पाए गए। ई-चालान एप से जांच करने पर बाइक का वास्तविक नंबर यूके18 पी 7009 निकला, जो उत्तराखंड के काशीपुर निवासी व्यक्ति के नाम पंजीकृत है। वाहन स्वामी से जानकारी करने पर पता चला कि उक्त बाइक 24 फरवरी को काशीपुर से चोरी हो गई थी, जिसके संबंध में वहां मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने निखिल की निशानदेही पर उसके साथी शरद कुमार गौतम को गिरफ्तार किया। बरामदगी के लिए ले जाते समय ग्राम बैरागी टांडा मार्ग पर आम के बाग में छिपाए गए तमंचे को निकालकर शरद ने पुलिस पार्टी पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके बाएं पैर में लग गई, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर जिला अस्पताल बिजनौर में भर्ती कराया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से छिनैती की 19 हजार रुपये नकदी, चोरी की मोटरसाइकिल, एक मोबाइल फोन, एक तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस तथा एक खोखा कारतूस बरामद किया है। पुलिस मुठभेड़ के संबंध में भी मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस अवसर पर गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी के अलावा उपनिरीक्षक राजीव कुमार, उपनिरीक्षक शिवम तायल,हेड कांस्टेबल विपिन मान, कांस्टेबल देवकरण, विजय राणा, मोनू कुमार, कांस्टेबल विपिन तथा कांस्टेबल राजीव कुमार आदि उपस्थित रहे।

रेलवे ट्रैक पार करते समय पुरोहित की दुखद मौत

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर। बुधवार को एक दुखद हादसे में रेलवे ट्रैक पार करते समय एक व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा मृतक की पहचान 40 वर्षीय कौशल शर्मा निवासी बुद्धमल बिहार शुगर मिल कॉलोनी, थाना कोतवाली शहर के रूप में हुई है। मृतक पंडिताई का कार्य करता है और रानू पंडित का बड़ा भाई था। प्राप्त जानकारी के अनुसार कौशल शर्मा अपने घर से हल्दौर वालों की धर्मशाला की ओर जा रहे थे। इसी घर से धर्मशाला जा जाते समय हुआ हादसा दौरान रेलवे ट्रैक पार करते समय अचानक ट्रेन आ गई और वह उसकी चपेट में आ गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि मृतक अपने पीछे दो बच्चों का परिवार छोड़ गए हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

डीजे पर गाना बजाने को लेकर काजीपाड़ा में बवाल, वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस कार्रवाई

दैनिक समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर कोतवाली शहर क्षेत्र स्थित काजीपाड़ा मोहल्ले में होली के दिन डीजे पर गाना बजाने को लेकर दो पड़ोसियों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो बाद में गाली-गलौज और मारपीट तक पहुंच गई। घटना में तीन लोग घायल हो गए मिली जानकारी के अनुसार, एक ही समुदाय के दो पड़ोसी परिवारों के बीच तेज आवाज में गाना बजाने को लेकर तनाव पैदा हुआ। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के घर में घुसकर मारपीट की। झड़प में आकाश पुत्र कुमारपाल, ऋतिक पुत्र कुमारपाल और भगवत पुत्र कुलवा सिंह घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनका मेडिकल परीक्षण भी कराया गया। घटना के दो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहे हैं। एक वीडियो में दोनों पक्षों के बीच मारपीट और हंगामा स्पष्ट दिखाई दे रहा है, जबकि दूसरे वीडियो में एक युवक छत पर खड़ा होकर तमंचा लहराते नजर आ रहा है आसपास मौजूद कुछ लोग बीच-बचाव करते भी दिखाई देते हैं। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। सीओ सिटी संग्राम सिंह के अनुसार, गाना बजाने को लेकर दो पड़ोसियों के बीच विवाद हुआ था, जिसमें मारपीट की घटना सामने आई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक पक्ष की तहरीर पर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है और प्रकरण में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नजीबाबाद की कमल वाटिका कॉलोनी में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई रंगों की होली

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नजीबाबाद बुन्दकी मार्ग स्थित कमल वाटिका कॉलोनी में रंगों का रंग होली का पर्व बहुत ही धूम धाम व हर्षोल्लास से मनाया गया।

कार्यकम में कॉलोनी के सभी परिवारों ने एक दूसरे को गले लगाकर और गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। महिलाओं ने भी पूर्ण उमंग और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। बच्चों ने भी खुल कर अबीर गुलाल और रंग बरसा कर होली को आनंदमय बना दिया।कार्यक्रम मंगलेश शर्मा और अश्वनी सरीन के दिशा निदेर्शों के साथ कवि कपिल जैन के सुंदर संचालन में तथा अमित शर्मा की व्यस्था में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कवि कपिल जैन ने कहा कि होली का पर्व न केवल रंगों का त्यौहार है अपितु यह हमारी संस्कृति को बल प्रदान करने वाला एक त्यौहार है जिससे लोगों में सौहार्द और आपसी प्रेम और भाईचारा बढ़ता है।

मंगलेश शर्मा ने कहा कि होली का त्यौहार हमारी संस्कृति को बल प्रदान कार्य है जितेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहां की ये त्यौहार हमारी धरोहर हैं तथा विश्वास और आस्था के प्रतीक हैं कार्यक्रम को रतेंद्र सचान, नीरज वर्मा ने संबोधित करते हुए आगे कहा कि सभी लोग यह त्यौहार मंगलमय और शुभ हो ईश्वर सभी लोगों को स्वस्थ रखें इसके अतिरिक्त जितेंद्र सिंह, सोहित वर्मा,नीरज वर्मा, रत्तींद्र सचान,गेंदा लाल,सुमित विश्नोई, रेयांश जैन,आरुष जैन, अरुणव शर्मा,अक्षत वर्मा तथा महिलाओं में मालिनी सरीन,रिंकी सिंह,प्रीति जैन,रचना वर्मा,प्रीति वर्मा,बबीता शर्मा, स्मृता सचान,मुनेश देवी, मीनाक्षी शर्मा,श्रीमती गेंदा सिंह, आराध्या वर्मा, सहाना सचान,नंदिनी शर्मा उपस्थित रहे

सौधन सिहावली ध्वजा मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

प्रवेश यादव / समाज जागरण

पबांसा/असमोली। असमोली क्षेत्र के गांव सौधन सिहावली स्थित बाबरे बाबा गोपाल धाम पर होली मिलन के दूसरे दिन आयोजित ऐतिहासिक ध्वजा मेले में लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हजारों महिलाओं और पुरुषों ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना और कीर्तन कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं ने मेले में जमकर खरीदारी की, जबकि बच्चों ने झूलों का आनंद लिया और राजस्थान से आए ऊंटों की सवारी कर उत्साह का प्रदर्शन किया। मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। सम्भल पुलिस के साथ ट्रैफिक पुलिस, पीएसी बल एवं थाना कैला देवी पुलिस ने मोर्चा संभाला। मेले में आने वाले प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग कर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाया गया तथा वाहनों के लिए अलग पार्किंग की व्यवस्था की गई।

मंदिर परिसर में महिलाओं और पुरुषों के प्रवेश की अलग-अलग व्यवस्था रही। महिला पुलिसकर्मियों की विशेष तैनाती मीना बाजार एवं मंदिर क्षेत्र में की गई। मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी गई। पीएसी जवानों के साथ फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी पूरे समय मौजूद रही। स्वास्थ्य विभाग की ओर से चिकित्सा शिविर लगाया गया, जबकि सामाजिक कार्यकताओं द्वारा विभिन्न स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था की गई।

मेले में पहुंचे भाजपा जिला अध्यक्ष हरेंद्र उर्फ रिंकू भैया, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी परमेश्वर लाल सैनी, ब्लॉक प्रमुख हृदेश यादव, भाजपा नेता राजेश सिंघल एवं उदयवीर सिंह यादव ने मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और श्रद्धालुओं को होली की शुभकामनाएं दीं।

थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा ने पूर्व में मेला कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की थी और सहयोग की अपील की थी। साउंड सिस्टम के माध्यम से मेले का संचालन किया गया तथा लगातार शांति और भाईचारे की अपील की जाती रही।

मंदिर महंत बालक दास महाराज, ग्राम प्रधान रूप किशोर यादव, सत्येंद्र यादव, सोनू यादव, पूर्व प्रधान ओमकार सिंह यादव सहित मेला कमेटी के सभी सदस्य आयोजन को सफल बनाने में जुटे रहे।

आस्था, संस्कृति और परंपरा के संगम बने इस ऐतिहासिक ध्वजा मेले में श्रद्धालुओं का उत्साह देर शाम तक देखने को मिला।

नहर के पुल के नीचे युवक का शव मिलने से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

समाज जागरण

संभल (असमोली)। असमोली थाना क्षेत्र के ग्राम नगरला नीडर में गुरुवार को नहर के पुल के नीचे एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई।

मृतक की पहचान शिवा उर्फ मुलायम सिंह (पुत्र कल्याण सिंह) निवासी ग्राम खेमपुर के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार शिवा बुधवार सुबह होली खेलने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिवार के लोग रातभर उसकी तलाश करते रहे, मगर कोई सुराग नहीं मिला।

गुरुवार दोपहर कुछ ग्रामीण जब जंगल की ओर जा रहे थे, तभी उन्होंने नहर के पास पुल के नीचे एक युवक का शव पड़ा देखा। पास जाकर पहचान करने पर वह शिवा निकला। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही असमोली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना प्रभारी मोहित कुमार चौधरी ने बताया कि प्रथम दृष्टया आशंका है कि युवक की मौत अत्यधिक शराब सेवन के कारण हुई हो सकती है। हालांकि, मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

मृतक अपने पीछे पत्नी देविका और चार बच्चों को छोड़ गया है। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी देविका का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

चर्चा का केंद्र भूजल पुनर्भरण, नदी पुनर्जीवन और जल संरक्षण में जन भागीदारी को सशक्त करना रहा

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव तथा मध्य प्रदेश सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के साथ राज्य के सभी जिला कलेक्टरों और संभागीय आयुक्तों के साथ जल संचय जन भागीदारी (JSJB) 2.0 की व्यापक समीक्षा बैठक की। यह बैठक जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग के राष्ट्रीय जल मिशन द्वारा मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित की गई। बैठक में जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग के सचिव श्री वी. एल. कंथा राव; राष्ट्रीय जल मिशन की अतिरिक्त सचिव एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती अर्चना वर्मा; मध्य प्रदेश शासन के जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजेश कुमार राजौरा; पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी; नगरीय विकास एवं आवास विभाग के श्री संजय दुबे; तथा लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री पी. नरहरि सहित राज्य और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान खंडवा (पूर्व निमाड़), राजगढ़ और इंदौर जिलों के जिला कलेक्टरों ने विस्तृत प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें खरखइ 2.0 के क्रियान्वयन की जिला स्तरीय प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। प्रस्तुतियों में भूजल पुनर्भरण, नदी पुनर्जीवन तथा जल संरक्षण गतिविधियों में सामुदायिक सहभागिता को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। JSJB 1.0 के अंतर्गत मध्य प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर चौथा स्थान प्राप्त किया था। विशेष रूप से खंडवा (पूर्व निमाड़) जिला देशभर के जिलों में प्रथम स्थान पर रहा, जो जल संरक्षण के क्षेत्र में प्रभावी जिला नेतृत्व और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।

समीक्षा के दौरान मध्य प्रदेश की प्रमुख पहलों का भी उल्लेख किया गया, जिनमें वन क्षेत्रों में बड़े स्तर पर किए जा रहे जल संरक्षण कार्य तथा राज्य सरकार का जल गंगा संवर्धन अभियानह्व शामिल है। इस अभियान के माध्यम से पूरे राज्य में जल स्रोतों के संरक्षण, नदियों के पुनर्जीवन तथा स्थानीय जल स्रोतों को सशक्त बनाने के लिए व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। ये पहलें यह दशार्ती हैं कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अपनाए गए उपाय और सामुदायिक सहभागिता भूजल पुनर्भरण और सतत जल प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

हाईवे पर गोवंश आने से भिड़े ट्रक और कैंटर, क्षतिग्रस्त

समाज जागरण
झिंझाना। (फुरकान जंग)

मेरठ-करनाल हाईवे पर गाड़ीवाला चौक के निकट बुधवार देर रात सड़क पर अचानक आए बेसहारा गोवंश के कारण ट्रक और कैंटर की टक्कर हो गई। हादसे में कैंटर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

बुधवार की देर रात हापुड़ से दूध भरकर पंजाब जा रहा एक कैंटर मेरठ-करनाल हाईवे से जा रहा था। इसी दौरान उसके आगे एक ट्रक चल रहा था। गाड़ीवाला चौक के पास अचानक सड़क पर गोवंश आ जाने से ट्रक चालक ने वाहन को बचाने के लिए अचानक ब्रेक लगा दिए। अचानक ब्रेक लगने से पीछे आ रहा कैंटर चालक वाहन को समय रहते नियंत्रित नहीं कर पाया और कैंटर ट्रक के पीछे जा टकराया। टक्कर इतनी तेज थी कि कैंटर का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।कैंटर चालक ने बताया कि वह हापुड़ से दूध लेकर पंजाब की ओर जा रहा था। उसके आगे चल रहे ट्रक के सामने अचानक गोवंश आ गया था, जिसे बचाने के प्रयास में ट्रक चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए

और इसी कारण पीछे से उसकी गाड़ी ट्रक में जा लगी। हादसे के बाद कुछ देर तक हाईवे पर वाहनों की आवाजाही धीमी हो गई। बाद में क्षतिग्रस्त वाहन को किनारे कर यातायात सुचारु कराया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे पर बेसहारा गोवंश का घूमना लगातार दुर्घटनाओं की वजह बन रहा है, जिसे लेकर कई बार शिका यत भी की जा चुकी है।

विकास भवन में तैनात संविदा कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

विकास भवन में तैनात संविदाकर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने युवक को शामली के जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

बाबरी क्षेत्र के गांव बुटराडी निवासी 35 वर्षीय सम्राट मलिक पुत्र यशपाल मलिक विकास भवन में संविदा कर्मचारी के रूप में तैनात था। बताया जाता है कि गत बुधवार दुल्हैंडी के दिन घर से अपने दोस्तों के मिलने के लिए गया था। आरोप है कि गांव के दो युवक उसको देर शाम घर छोडने के लिए आये, लेकिन वह नशे में धुत था और चेहरे पर चोट के निशान भी थे। परिजनों ने बताया कि त्यौहार के दिन अधिक नशे की बात सोचकर उसको सुला दिया था, लेकिन गुरूवार को भी वह नही जागा। जिसको काफी जगाने का प्रयास किया तो परिजनों को स्थिति पर शक हुआ, जिस पर परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर बाबरी पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले में जांच कर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। मृतक युवक अपने पीछे एक छोटे बेटे को छोड गया है।

जिले भर में धूमधाम के साथ मनाया गया होली का त्यौहार

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) रंगों का त्योहार दुल्हैंडी जिलेभर में बुधवार को धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर और गांवों में लोग रंग-गुलाल में सराबोर दिखाई दिए। बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभ कामनाएं दीं और प्रेम व भाईचारे के साथ पर्व का आनंद लिया।

होली का आगाज गत सोमवार शाम छोटी होली के साथ हो गया था। रात में होलिका दहन के बाद युवाओं की टोलियां ढोल-नगाड़ों के साथ सड़कों पर निकल पड़ी थीं, लेकिन मंगलवार को चंद्रग्रहण होने के कारण अधिकांश लोगों ने दुल्हैंडी का पर्व बुधवार को मनाया।

दुल्हैंडी के दिन सुबह से ही होली खेलने वालों की टोलियां घरों से निकल पड़ीं। लोगों ने अपने परिचितों, मित्रों और रिश्तेदारों के घर जाकर रंग-गुलाल लगाया और होली की बधाई दी। बच्चे छतों से आने-जाने वालों पर पिचकारी और रंगीन गुब्बारे फेंकते नजर आए, जबकि युवाओं की टोलियां सड़कों और मोहल्लों में रंगों के साथ मस्ती करती दिखीं। मोहल्लों और चौक-चौराहों पर डीजे और ढोल की थाप पर युवाओं ने जमकर नृत्य किया। होली खेले रघुवीरा, होली आई होली आईह्व और हमें ऐसे रंग लगाना जैसे गीतों पर दिनभर लोग झूमते रहे। कई स्थानों पर युवाओं ने विशेष कार्यक्रमों का आयोजन भी किया, जिसमें लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर गले मिलते हुए शुभकामनाएं दीं। होली के अवसर पर घरों में तरह-तरह के व्यंजन बनाए गए और लोगों ने उनका आनंद लिया। वहीं सोशल मीडिया के माध्यम से भी एक-दूसरे को होली की बधाइयां दी गईं। देर शाम कई परिवारों ने होली मनाने के बाद होटलों और रेस्टोरेंट में जाकर भोजन किया, जिससे शहर के रेस्टोरेंटों में भी अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। पूरे जनपद में होली का त्योहार आपसी प्रेम, भाईचारे और उत्साह के साथ मनाया गया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) थाना आदर्श मंडी पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ करते हुए जेल भेज दिया गया। थाना आदर्श मंडी क्षेत्र के गांव टिटौली निवासी सुमित पुत्र चंद्रपाल के खिलाफ पीड़िता की मां द्वारा गत 2 मार्च को तहरीर दी गई थी। परिजनों ने आरोपी पर नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म करने और धमकी देने का आरोप लगाया था। तहरीर के आधार पर थाना आदर्श मंडी पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी एनपी सिंह ने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। गुरूवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सुमित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिसकर्मियों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया होली का त्यौहार

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) जनपद में तिल्हैंडी का पर्व पुलिसकर्मियों ने भी हर्षोल्लास के साथ मनाया। पुलिस लाइन शामली में पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के साथ अधिकारियों व पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभ कामनाएं दीं और पर्व की खुशियां साझा कीं। इस दौरान पुलिसकर्मी रंगों में सराबोर दिखाई दिए और पूरे परिसर में उत्साह का माहौल बना रहा। पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक पर्व है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से आपसी समन्वय और सद्भाव के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर गले मिलते हुए होली की बधाई दी। वहीं कई स्थानों पर ढोल की थाप पर पुलिसकर्मी होली के गीतों पर झूमते भी नजर आए। इसके अलावा शहर कोतवाली, थाना आदर्श मंडी, फायर ब्रिगेड कार्यालय तथा महिला थाना में भी पुलिस कर्मियों ने तिल्हैंडी का पर्व उत्साह पूर्वक मनाया। इन स्थानों पर भी पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभ कामनाएं दीं और मिठाई बांटकर पर्व की खुशियां साझा कीं। तिल्हैंडी के इस आयोजन के दौरान पुलिस कर्मियों में खासा उत्साह देखने को मिला और पूरे जनपद में पुलिस परिवार ने रंगों के इस पर्व को आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मनाया।

पश्चिमी बंगाल की युवती का शारीरिक शोषण

—शादी का झांसा देकर कई बार बनाया हवस का शिकार

—पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग

समाज जागरण

कैराना। शादी का झांसा देकर कैराना के युवक द्वारा पश्चिमी बंगाल की युवती का शारीरिक शोषण किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी और उसके परिवार के लोगों ने जान से मारने की धमकी भी दी है। मामले में पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

पश्चिमी बंगाल की रहने वाली एक युवती ने गुरुवार को कैराना कोतवाली में पहुंचकर तहरीर दी है। पीड़िता ने बताया कि वह और कैराना का एक युवक बंगाल में एक ही जगह नौकरी करते थे। आरोप है कि युवक ने उसे अपने जाल में फंसाया। इसके बाद उसे लगभग पांच सालों तक रिलेशनशिप में रखा गया। शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया गया और फिर शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद उसने बंगाल में ही मुकदमा दर्ज कराया, तो आरोपी के परिजन वहां पहुंचे और शादी कराने का आश्वासन देते हुए मामले में समझौता करा लिया। इसके बाद फिर से आरोपी युवक से उसका संपर्क हुआ, जिसने उसका नोएडा और कैराना में शारीरिक शोषण किया। अब आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया है। शादी की बात पर आरोपी गाली–गलौज और धमकी देता है। पीड़िता ने बताया कि वह आरोपी के भाई की दुकान पर पुराना बाजार में गई, तो उन्होंने भी दुकान का शटर बंद करके धमकी दी। उसे कहा गया कि यह अपना क्षेत्र है, यहां कुछ नहीं बिगड़ पाएगा। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उससे अलग–अलग खातों में रुपये भी लिए हुए हैं। उसके पास रिकॉर्डिंग, वाट्सऐप चैटिंग और ट्रांसजेक्शन के स्क्रीन शार्ट मौजूद हैं। मामले में पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई गई है।

जलभराव से परेशान व्यापारियों ने नगर पंचायत के खिलाफ किया प्रदर्शन

समाज जागरण
झिंझाना। (फुरकान जंग)

नगर पंचायत की कार्यशैली पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। कस्बे में में बाजार में देवी मंदिर के सामने चल रहे पुराने नाले के पुनर्निर्माण कार्य के चलते मुख्य मार्ग पर गंदा पानी भर गया है, जिससे त्योहार के अवसर पर लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बृहस्पतिवार को गंदगी और जलभराव से परेशान व्यापारियों ने नगर पंचायत के खिलाफ आक्रोश जताते हुए प्रदर्शन भी किया।

कस्बे के मेंन बाजार में स्थित देवी मंदिर के सामने नगर पंचायत द्वारा पुराने नाले का पुनर्निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान पानी की निकासी की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की। नतीजतन नाले का पानी रुककर सड़क पर फैल गया और पूरा मार्ग कीचड़ व बदबू से भर गया, जिससे सड़क किसी गंदे तालाब जैसी दिखाई देने लगी।त्योहार के चलते मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ी हुई है। ऐसे में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य कराना ही था तो पहले पानी की निकासी की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए थी। गंदे पानी के कारण संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी हुई है। व्यापारियों का कहना है कि इस समय ईद का त्योहार भी नजदीक है, जिसके चलते बाजार में भीड़ बढ़ रही। गुरुवार को बाजार के व्यापारियों ने देवी मंदिर के सामने नगर पंचायत के खिलाफ प्रदर्शन किया और जल्द समस्या का समाधान कराने की मांग की। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारों के समय इस प्रकार की अव्यवस्था प्रशासनिक लापरवाही को दशार्ती है।प्रदर्शन करने वालों में नवीन गर्ग,हितकर मित्तल,हंस गर्ग, अशोक कश्यप,पंकज गर्ग,अमित कुमार,अर्जुन पंडित, कमलपाल, आसिफ राघव समेत अन्य व्यापारी मौजूद रहे। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने को मजबूर होंगे। नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेशपाल ने बताया कि बाजार में भरे पानी को निकालने के लिए टुल्लू पंप लगाया गया था, लेकिन पानी अधिक होने के कारण उससे पूरी तरह निकासी नहीं हो सकी। जल्द ही पानी की निकासी की व्यवस्था की जाएगी।

बाइक से गिरने पर हादसे में महिला की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

समाज जागरण
झिंझाना। (फुरकान जंग)

कस्बे के गाड़ीवाला चौराहे के पास गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा में बाइक से गिरने पर महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बाइक पर जाते समय महिला को अचानक दौरा पड़ गया, जिससे वह असंतुलित होकर सड़क पर गिर पड़ी और घायल हो गई। पुलिस उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंची, लेकिन डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से इंकार कर दिया है। बृहस्पतिवार को सहारनपुर जनपद के नकुड़ क्षेत्र निवासी रानी (28) पत्नी शावेज अपने जेठ सादिक के साथ अपनी दो बच्चियों के साथ बाइक पर सवार होकर कैराना दवाई लेने के लिए घर से निकली थी। बताया जा रहा है कि गाड़ीवाला चौराहे के आगे अचानक महिला की तबीयत बिगड़ गई और उसे दौरा पड़ गया। इससे वह बाइक से नीचे गिर गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को तत्काल शामली के जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी मिलने पर महिला के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि रानी को पहले भी कई बार दौरे पड़ चुके थे। उन्होंने पुलिस को लिखित रूप से बताया कि वे किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं चाहते और पोस्टमार्टम कराने से भी मना कर दिया।घटना के दौरान महिला के साथ मौजूद दोनों बच्चियां सुरक्षित रहीं और उन्हें कोई चोट नहीं आई। हादसे के बाद परिवार में शोक की लहर है।

उपनिरीक्षक पवन कुमार ने बताया हादसे में महिला बाइक से गिरने पर सिर में चोट लगने से घायल हो गई थी। जिसको उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया था। जहां पर उसकी मौत हो गई। परिजनों ने कार्रवाई से इंकार कर दिया है।

अलग-अलग सड़क हादसों में आधा दर्जन से अधिक घायल

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) जनपद में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया, जबकि अन्य घायलों का उपचार जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया जा रहा है। घायलों की संख्या अधिक होने के कारण जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भी काफी भीड़ रही।

शहर के गांव खेड़ीकरमू निवासी हेमंत पुत्र राजेश कुमार बाइक से किसी कार्य से गांव बंतीखेड़ा जा रहा था। गांव के निकट पहुंचने पर सामने से आ रहे वाहन से बचने के प्रयास में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं शहर के मोहल्ला सती मंदिर रोड निवासी अनुज पुत्र शिवकुमार की बाइक फिसलने से वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामली में भर्ती कराया गया है। एक अन्य हादसा थानाभवन क्षेत्र में हुआ। गांव खेड़ा गदाई निवासी गुलफाम पुत्र यासीन एक फैक्ट्री में काम करता है। वह गुरुवार को बाइक से गांव से थानाभवन जा रहा था। रास्ते में गांव की ही दो बहनें सोनिया और रूकमणी पुत्री धर्मपाल भी मिल गईं, जो उसी फैक्ट्री में कार्य करती हैं। गुलफाम दोनों को बाइक पर बैठाकर थानाभवन जा रहा था, तभी थानाभवन हाईवे पर एक कार सवार महिला ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां गुलफाम और सोनिया की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इसके अलावा सहारनपुर जनपद के नकुड़ क्षेत्र निवासी रानी पत्नी सावेज अपने जेठ सादिक के साथ बाइक से दवा लेने झिंझाना जा रही थी। झिंझाना हाईवे पर अचानक रानी को दौरा पड़ गया, जिससे वह चलती बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार घायलों का उपचार जारी है और कुछ की हालत में सुधार बताया जा रहा है।

छात्रा निविका चौहान ने किया ओलंपियाड प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)शहर के बीएसएम स्कूल की कक्षा तीन की छात्रा निविका चौहान ने लायंस ओलंपियाड फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा आयोजित ओलंपियाड प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के लिए चयन प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता देशभर में विभिन्न विषयों के आधार पर चरणबद्ध तरीके से आयोजित की गई थी। प्रत्येक चरण में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया। प्रतियोगिता में निविका चौहान ने नॉर्दर्न इंडिया रीजन में इंग्लिश विषय में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। ओलंपियाड कोऑर्डिनेटर गुलशन सैनी ने बताया कि छात्रा का राष्ट्रीय स्तर पर चयन विद्यालय के लिए गौरव की बात है और यह सफलता विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुदृढ़ शैक्षिक वातावरण तथा शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है।

मौके पर प्रधानाचार्य राहुल चौधरी, मैनेजर छाया सिंह, चेयरमैन सूर्यवीर सिंह, उप-प्रधानाचार्या आशु पंडित मौजूद रहे।

आबादी की आरक्षित भूमि पर पानी की टंकी के निर्माण को लेकर रोष

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)नगर पालिका द्वारा क्षेत्र के गांव खेडीकरमू में हरिजन आबादी की आरक्षित भूमि पर पानी की टंकी का निर्माण कराये जाने से समाज के लोगों ने ग्राम पंचायत और नगर पालिका पर सांठगांठ करने का आरोप लगाया। उन्होने मामला न्यायालय में विचाराधीन होने पर बोर्ड लगाते हुए निर्माण कार्य न करने की मांग की है।

गुरूवार को क्षेत्र के गांव खेडीकरमू में दर्जनों की संख्या में अनुसूचित जाति जनजाति के महिला पुरूष एकत्रित हुए, जहां उन्होने अपना विरोध प्रकट करते हुए बताया कि गांव खेडीकरमू में हरिजन आबादी के लिए जमीन आरक्षित है। आरोप है कि ग्राम प्रधान द्वारा नगर पालिका को हरिजन आबादी की यह जमीन टंकी बनाने के लिए दे दी गई है। जिसको लेकर गांव में दलित समाज में आक्रोश व्याप्त है। उन्होने बताया कि दलित समाज के लोगों ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में याचिता भी डाल रखी, जहां मामला विचाराधीन है। उन्होने कोर्ट में चल रहे वाद का हवाला देते हुए बोर्ड भी लगवा दिया है। जिस पर कोई निर्माण कार्य न कराने की हिदायत दी गई है। इस दौरान उन्होने बताया कि कई बार अधिकारियों को भी शिकायत की गई, लेकिन उन्होने शिकायत को तथ्यहीन बताते हुए कोई कार्यवाही नही की। उन्होने जिला प्रशासन से मांग की कि जब तक कोर्ट का कोई फैसला नही आ जाता है तब तक वहा चल रहे निर्माण कार्य को रूकवाया जाये। इस अवसर पर बीसैन, ईश्वर शरण, रामशरण, कुलदीप, हरपाल, सिब्बल, मोनू, राधेश्याम, किरणपाल, नरेश, लोकेश , राहुल, सोनू, श्यामा, ओमप्रकाश, लालदास, बबलू, मुकेश आदि मौजूद रहे।

थाना परिसर में पुलिसकर्मियों ने मनाई होली, डीजे की धुन पर जमकर झूमे जवान

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

नगर के थाना प्रांगण में गुरुवार को पुलिसकर्मियों ने आपसी भाईचारे और उत्साह के साथ होली का पर्व मनाया। इस दौरान थाना परिसर का माहौल रंगों और खुशियों से सराबोर नजर आया। पुलिसकर्मी एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देते हुए दिखाई दिए। साथ ही डीजे की धुन पर पुलिस जवान जमकर झूमे और नाचते-गाते हुए त्योहार की खुशियां साझा कीं।इस मौके पर पुलिसकर्मियों ने मिलकर एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और रंग-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। पूरे थाना परिसर में हंसी-खुशी और उत्सव का माहौल बना रहा।

थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि होली के दिन कानून-व्यवस्था बनाए रखने और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। इसी कारण हर वर्ष पुलिसकर्मी एक दिन बाद आपस में मिलकर होली का त्योहार मनाते हैं।

उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान पुलिस की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, लेकिन इसके बावजूद पुलिसकर्मी आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार की खुशियां साझा करते हैं। इस अवसर पर थाना के समस्त पुलिसकर्मी और स्टाफ मौजूद रहे तथा सभी ने मिलकर होली के पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया।

सर्प दंश से किसान की हालत बिगड़ी

समाज जागरण शामली।(फुरकान जंग)

झिंझाना क्षेत्र के गांव लपराना निवासी एक किसान को खेत में कार्य करते समय सांप द्वारा काट लिए जाने से उसकी हालत बिगड गया। किसान को शामली सीएचसी से जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। गत बुधवार को गांव लपराना निवासी गुलाब पुत्र सतपाल सिंह अपने खेतों में गन्ने की फसल काट रहा था। बताया जाता है कि इसी दौरान खेत में पहले से ही बैठे एक सांप ने उसके हाथ में काट लिया। सांप द्वारा किसान के काटे जाने के बाद किसान ने शोर शराबा किया और आसपास मौजूद लोगों ने उसको शामली सीएचसी में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक होने के कारण जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

ब्याज पर दिए रुपए न लौटाने पर मारपीट का आरोप

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नंदूप्रसाद निवासी एक व्यक्ति ने दो युवकों पर ब्याज का पैसा न दिए जाने पर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। पीडित ने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

गुरूवार को मोहल्ला नंदूप्रसाद निवासी नीरज पुत्र ब्रजपाल ने बताया कि उसने मोहल्ले के ही जीता से तीन हजार रुपए ब्याज पर लिए थे। आरोप है कि वह मूल और ब्याज दोनो दे चुका है, लेकिन उक्त व्यक्ति अभी भी ब्याज का रूपया निकाल रहा है। आरोप है कि गुरूवार को जब वह बडी माता पूजने के बाद वापस लौट रहा था तो जीता, कालू व उसके अन्य साथियों ने हमला बोल दिया। सिर में लोहे की रॉड मारकर घायल कर दिया गया। पीडित ने अपना मेडिकल परीक्षण कराने के बाद कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर मामले में जांच कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

मुकदमे की रंजिश में सभासद के साथ मारपीट

समाज जागरण

कैराना। मुकदमे की रंजिश में वार्ड सभासद के साथ मारपीट की गई। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मोहल्ला इकरामपुरा आलदरम्यान निवासी वार्ड 12 के सभासद मोहम्मद फुरकान ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। बताया है कि आर्यपुरी में उसके रिश्तेदार के मकान की दीवार को लेकर मारपीट की गई थी, जिसमें उन्होंने नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष हाजी अनवर हसन तथा फरमान समेत चार नामजद और 10–15 अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। इसी को लेकर फरमान निवासी बिसातियान रंजिश रखता है। मंगलवार शाम करीब साढ़े पांच बजे वह बाइक द्वारा अपने परिचित हारून ठेकेदार के परिवार में हुई मौत में शामिल होने के लिए जा रहे थे। तभी फरमान ने अपनी बाइक से ओवरटेक करते हुए उनकी बाइक रोक ली तथा मुकदमे का जिक्र करते हुए गाली–गलौज और मारपीट की। अन्य लोगों के आ जाने पर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

कच्ची शराब के साथ दो गिरफ्तार

समाज जागरण

कैराना। गंदराऊ तिराहे के निकट से पुलिस ने सुमित निवासी गांव अकबरपुर सुन्हेटी को पांच लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। इसके अलावा पुलिस ने तितरवाड़ा रोड से सचिन निवासी डुंडूखेड़ा को गिरफ्तार कर लिया, जिसके कब्जे से पांच लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया है।

जानलेवा हमले के मामले में एक गिरफ्तार

समाज जागरण

कैराना। जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गंडासी व डंडे के साथ गिरफ्तार किया। ग्राम ऊंचागांव में बुधवार को वीरसैन व उसके पुत्र निखिल के साथ गाली–गलौज करते हुए मारपीट की गई थी। आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार से हमला किया था। घटना के संबंध में प्रियांशु की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने घटना में ऊंचागांव के ही रहने वाले अवनीश को गिरफ्तार कर लिया, जिसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक धारदार गंडासी व डंडा बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी का चालान कर दिया है।

रमजान में जरूरतमंद परिवारों को इफ्तार किट देकर इंसानियत का दिया पैगाम

समाज जागरण

बागपत। पवित्र रमजान माह में रोजेदार जरूरतमंद परिवारों की मदद के उद्देश्य से बुधवार को ईदगाह परिसर में इफ्तार किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आदर्श राहत ट्रस्ट की ओर से आयोजित किया गया, जबकि इसके संचालन की जिम्मेदारी कोहिनूर (जेआईएच) ने निभाई। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को इफ्तार किट वितरित कर उन्हें राहत पहुंचाई गई। रमजान को रहमत बरकत और इंसानियत की सेवा का महीना बताया जाता है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए ट्रस्ट ने ऐसे परिवारों तक मदद पहुंचाने का प्रयास किया जो आर्थिक तंगी के कारण इफ्तार की व्यवस्था करने में कठिनाई महसूस करते हैं। वितरण की गई किट में खजूर शरबत चना आटा तथा अन्य आवश्यक राशन सामग्री

शामिल थी ताकि रोजेदार परिवार सम्मान के साथ अपना इफ्तार कर सकें। इस अवसर पर इकबाल खान ने कहा कि समाज में ऐसे सेवा कार्य आपसी भाईचारे करुणा और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। एडवोकेट नईम राजपूत ने कहा कि रमजान का असली संदेश यही है कि इंसान जरूरतमंदों की मदद करे और समाज में हमदर्दी का माहौल कायम रखे। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद परिवारों ने भी इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे सहयोग से उन्हें रमजान के दिनों में बड़ी राहत मिलती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वयंसेवकों पूर्व सदर इरशाद खान, एडवोकेट आरिफ बेग, शकील राजपूत, ओवेस, माज आदि ने विशेष सहयोग देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सर्व खाप 360 ब्राह्मण समाज ने किया मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

समाज जागरण बागपत।

नगर खेकड़ा में सर्व खाप 360 ब्राह्मण समाज द्वारा मेधावी विद्या र्थियों के सम्मान में एक अत्यंत भव्य एवं प्रेरणादायक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खेकड़ा की होनहार बेटी अनुष्का शर्मा, सुपुत्री संजय शर्मा को यू जी सी नेट परीक्षा 2025 में 15वीं रैंक प्राप्त करने की शानदार उपलब्धि पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वहीं नगर के प्रतिभाशाली छात्र सागर कौशिक सुपुत्र विजय कौशिक, को

सी ए परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नरेश शर्मा (सर्व खाप चौधरी 360), अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश कौशिक तथा अखिल भारतीयवर्षीय ब्राह्मण महासभा के नगर अध्यक्ष पंडित जयकिशन बक्शी ने दोनों विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभ कामनाएं दी। पंडित नरेश शर्मा सर्व खाप चौधरी 360 ने कहा कि शिक्षा ही समाज की सच्ची पूंजी है। पंडित सुरेश चंद कौशिक राष्ट्रीय अध्यक्ष (अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण समाज ने कहा कि अनुशासन, परिश्रम और संस्कार यही सफलता की कुंजी है। पंडित जयकिशन बक्शी नगर अध्यक्ष (अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महा सभा)ने कहा कि बेटियां और बेटे जब शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हैं, तो समाज सशक्त होता है। इस अवसर पर पंडित योगेश शर्मा रिटायर्ड अनुज शर्मा गुरुदत्त शर्मा अश्वनी कौशिक थाम्बा चौधरी सर्व खाप खेकड़ा योगेश कौशिक पुनीत शर्मा थाम्बा चौधरी देश खाप पट्टी रामपुर मुकेश शर्मा राष्ट्रीय प्रवक्ता परशुराम रक्षा दल मनीष शर्मा अम्बे प्रसाद अरविंद शर्मा दीपक शर्मा विपिन शर्मा पंकज शर्मा ललित शर्मा पवन गौड़ प्रवीण शर्मा एडवोकेट जगत कौशिक शरद कौशिक पंडित फेरू सिंह विशंबर शर्मा ललित पांडे पृथ्वी कौशिक सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सांसद के जन्मदिन पर नेत्र जांच शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों को राहत

समाज जागरण बागपत।

ग्राम पंचायत फैजपुर निनाणा में सांसद डॉ राजकुमार सांगवान के जन्मदिवस के अवसर पर गुरुवार को विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर शार्प हॉस्पिटल के तत्वावधान में कश्यप चौपाल पर आयोजित हुआ, जिसमें आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर लाभ उठाया। शिविर में सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें लग गईं। अस्पताल से आई विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अत्याधुनिक मशीनों की सहायता से कुल 246

मरीजों की आंखों की विस्तृत जांच की। जांच के बाद 21 मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। चयनित मरीजों के ऑपरेशन की व्यवस्था अस्पताल द्वारा की जाएगी। इसके अलावा सभी मरीजों को निशुल्क दवाइयां और आंखों की देखभाल से संबंधित आवश्यक परामर्श भी दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक सुरेश कश्यप दिल्ली के डिप्टी मेयर हरि प्रकाश तथा बहादुर कश्यप उपस्थित रहे। कार्य क्रम के दौरान डॉ राजकुमार सांगवान का जन्मदिवस केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और उनके दीघार्यु व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई।

कार्यक्रम में सतीश चौधरी, डॉ राजीव बालियान, अरविंद तोमर, ग्राम प्रधान रमेश कश्यप, रोहित धनकड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से जरूरतमंद लोगों को बड़ी राहत मिलती है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गिडकरी ने दी बधाई

गुरुवार को सांसद डॉ राजकुमार सांगवान के जन्मदिन के मौके पर उनके चाहने वाला ने ढेरों बधाई संदेश भेजे। सोशल मीडिया सांसद को बधाई देने वाले संदेश से लबरेज रहा। आमजन से लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट से उन्हें जन्मदिन पर बधाई संदेश भेजा है।

सामान्य जाति संघर्ष समिति का गठन

यूजीसी एक्ट के खिलाफ दीपक शर्मा एडवोकेट ने संभाला मोर्चा

समाज जागरण

बड़ौत। सामान्य जाति संघर्ष समिति के तत्वाधान में यूजीसी एक्ट इक्विटी ग्रैन के खिलाफ सभा आयोजित की गई। इस सभा में दीपक शर्मा एडवोकेट को अध्यक्ष बनाया गया। उन्होंने कहा कि जब तक काले कानून को वापस नहीं लिया जाता, उनका संघर्ष जारी रहेगा।

बड़ौत के कोताना रोड स्थित नव निर्मित फार्म हाउस कार्यालय पर आयोजित सभा में सैकड़ों लोगों ने शिरकत की। इस अवसर पर एक अध्यक्ष कमेटी का गठन किया गया, जिसमें राजेंद्र जैन, सुरेंद्र मोगा, सतीश त्यागी, आदित्य भारद्वाज, और वीरेंद्र स्वामी शामिल है। सभा को संबोधित

करते हुए ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ नेता राधेश्याम शर्मा एडवोकेट ने कहा कि जब तक भाजपा सरकार काले कानून को वापस नहीं लेती, उनका संघर्ष जारी रहेगा।इस अवसर पर दिल्ली पुलिस से रिटायर उप निरीक्षक राधेश्याम शर्मा दरोगा, वरिष्ठ समाजसेवी विनीत शर्मा, सक्षम पंडित नांगल, राजकुमार शर्मा, बबलू स्वामी, हरिओम शर्मा, रविन्द्र, लकी जैन, अंकुश अग्रवाल, मनोज जैन, मनीष शर्मा, मलूक चंद शर्मा, पंकज शर्मा, विपिन स्वामी, आदित्य भार द्वाज, और वीरेंद्र शर्मा आदि ने भाग लिया।दीपक शर्मा के नेतृत्व में 9 मार्च 2026 को बडोत तहसील में प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया जाएगा।

भाजपा में संगठन विस्तार को लेकर नए पदाधिकारियों के नामों का चयन पूरा

समाज जागरण

बागपत। भाजपा के जिलाध्यक्ष की घोषणा के बाद अब संगठन विस्तार को लेकर नए पदाधिकारियों के नामों के चयन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जिले की कोर कमेटी ने नए पदाधिकारियों की सूची तैयार कर उसे लिफाफे में बंद कर दिया है, जिसे जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा। शहर के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बृहस्पतिवार को जिले की कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पार्टी के पर्यवेक्षक काशी क्षेत्र के निवर्तमान क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश मंत्री महेश श्रीवास्तव ने जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा, जिला प्रभारी डॉ. चन्द्रमोहन,

निवर्तमान जिलाध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय, छपरौली विधानसभा प्रत्याशी सहेन्द्र सिंह रमाला, राज्यमंत्री केपी मलिक के प्रतिनिधि पंकज मलिक आदि प्रमुख नेताओं के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक के बाद पर्यवेक्षक महेश श्रीवास्तव ने मौजूद कार्यकताओं से एक-एक कर मुलाकात की और उनके सुझावों पर चर्चा की। नए पदाधिकारियों की सूची में महिला आरक्षण और जातिगत प्रतिनिधित्व का विशेष ध्यान रखा जायेगा। जल्द ही नई कार्य कारिणी की घोषणा की जा सकती है।

लुहारी गांव में धूमधाम से मनाई गई होली ,

सुधीर डांगी ने गांव के साथ मनाया त्योहार

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत तहसील के लुहारी गांव में वार्ड नंबर 10 जिला पंचायत सदस्य पद के भावी प्रत्याशी सुधीर डांगी ने गांव के लोगों के साथ होली मिलन समारोह

का आयोजन किया। इस अवसर पर सुधीर डांगी ने गांव के युवाओं के साथ रागनियों की धुन पर नृत्य किया और गुलाल खेलते हुए होली का आनंद लिया। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में गांव के गणमान्य लोगों और युवाओं ने भाग लिया। सुधीर डांगी ने कहा कि वे गांव के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे और गांव के लोगों के साथ मिलकर काम करेंगे। कार्यक्रम का समापन होली मिलन समारोह के साथ हुआ, जिसमें सभी ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी।

होली मिलन समारोह में अग्र गौरव सम्मान समारोह का आयोजन

समाज जागरण बड़ौत।

नगर के कोताना रोड स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में होली मिलन समारोह और अग्र गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर समाज के कई प्रतिष्ठित लोगों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित करके हुई, जहां सभी ने माल्यार्पण किया और सम्मानित लोगों को प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला अध्यक्ष हंसराज गुप्ता ने कहा कि हमें महाराजा अग्रसेन के आदर्शों पर चलकर

समाज को मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि हम सब लोगों को एकजुट होकर समाज की ताकत को बढ़ाना है। कार्यक्रम में युगल किशोर गर्ग, सचिन गुप्ता, दीपक कुमार गुप्ता, वरुण अग्रवाल, संजय गुप्ता, अर्चित गुप्ता, योगेश जिदल, ब्रह्म सिंह गोयल, दिनेश गुप्ता, और प्रदीप गुप्ता सहित कई समाजसेवियों को सम्मानित किया गया।

भाजपा कार्यकताओं का उत्साह, नीरज शर्मा का भव्य स्वागत

समाज जागरण बागपत।

बड़ौत में भाजपा के नवनियुक्त जिला ध्यक्ष नीरज शर्मा का कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। दिल्ली सहारनपुर रोड स्थित भाजपा नेता रविंद्र आर्य के आवास पर हुए इस कार्यक्रम में कार्यकताओं ने भारत माता की जय और भाजपा जिंदाबाद के नारे लगाए। नीरज शर्मा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की केंद्र और प्रदेश में सरकार कार्यकताओं की मेहनत का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है, और पार्टी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, कश्मीर में धारा 370 हटाने, मेक इन इंडिया योजना और जन धन योजना जैसे ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।

भाजपा नेता रविंद्र आर्य ने सभी कार्य कताओं को होली की शुभकामनाएं

देते हुए कहा कि वे जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा के साथ मिलकर पार्टी को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे। इस अवसर पर जिला महामंत्री एडवोकेट बिजेंद्र शर्मा, पूर्व नपाध्यक्ष अमित राणा, रामनिवास आर्य, पवन प्रधान, संत कुमार प्रधान, महिपाल प्रधान, सौरभ जैन आदि मौजूद रहे।

युवक की चाकू से गोदकर हत्या, परिजनों में मचा कोहराम, दोस्त के बुलाने पर गया था गांव

समाज जागरण

बागपत। सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के तितरोदा गांव में बुधवार रात 18 वर्षीय युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

दोस्त के बुलाने पर गया था गांव

मृतक की पहचान बड़ावद गांव निवासी अमृत शर्मा (18) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपने दोस्त के बुलाने पर अपने बड़े भाई और कुछ दोस्तों के साथ तितरोदा गांव गया था। इसी दौरान उसकी चाकुओं से हमला कर हत्या कर दी गई।

सूचना मिलते ही पहुंचे पुलिस अधिकारी

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। रात में एसपी, एएसपी, सीओ सिंघावली अहीर और बिनौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के पीछे की वजह और हमलावरों की पहचान करने के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

दो सड़क हादसे, महिला समेत चार लोग घायल

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

नगर के गंगेरू मार्ग पर अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला सहित तीन पुरुष घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से एक घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। समाचार लिखे जाने तक किसी भी पक्ष की ओर से थाने पर तहरीर नहीं दी गई थी।गुरुवार को गंगेरू निवासी साहिल अपनी रिक्शा से गांव की महिला शहिरा को लेकर कस्बे से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से एक बाइक चालक अजमूदीन रेहड़े में चारा भरकर आ रहा था। जैसे ही दोनों वाहन अलफलाहा फैक्ट्री के पास पहुंचे तो आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में साहिल, शहिरा समेत तीन लोग घायल हो गए।वहीं दूसरी और गांव खेड़ा कुर्तान निवासी सन्नी बाइक से कस्बे की ओर आ रहा था। जैसे ही वह गांव गढ़ी दौलत के समीप रजवाहे के पास पहुंचा तो बाइक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। समाचार लिखे जाने तक दोनों घटनाओं में किसी भी पक्ष की ओर से थाने में तहरीर नहीं दी गई थी।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार अमेरिका ने टॉरपीडो से युद्धपोत डुबोया, जहाज पर सवार थे 180 ईरानी नाविक

श्रीलंका के पास हिंद महासागर में अमेरिकी पनडुब्बी ने टॉरपीडो से किया हमला, 1945 के बाद पहली बार युद्ध में जहाज डूबा

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार समुद्र में ऐसा हमला हुआ है जिसने दुनिया का ध्यान खींच लिया है। अमेरिकी नौसेना की एक पनडुब्बी से छोड़ा गया टॉरपीडो सीधे ईरान के युद्धपोत आइरिस देना से टकराया और कुछ ही पलों में यह बड़ा जहाज हिंद महासागर की गहराइयों में समा गया। यह घटना श्रीलंका के पास समुद्र में हुई, जहां अचानक हुए इस धमाके ने पूरे इलाके को हिला दिया।

टॉरपीडो का जबरदस्त धमाका

पेंटागन के मुताबिक यह हमला बुधवार को किया गया। बाद में अमेरिकी रक्षा विभाग ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें साफ दिखाई देता है कि एक टॉरपीडो जहाज के पिछले हिस्से के नीचे जाकर फटता है। विस्फोट होते ही समुद्र से पानी का विशाल गुबार आसमान की ओर उठता है और जहाज का ढांचा बुरी तरह फटने लगता है। कुछ ही देर में युद्धपोत टूटता हुआ नजर आता है और धीरे-धीरे समुद्र में डूब जाता है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस हमले को शांत लेकिन घातक मौत बताया। वहीं अमेरिकी सेना के संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने कहा कि टॉरपीडो ने अपने लक्ष्य पर तुरंत असर किया और जहाज को भारी नुकसान पहुंचाया।

समुद्र से बचाए गए नाविक

हमले के बाद समुद्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। श्रीलंका के अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने समुद्र में डूबते जहाज से 32 ईरानी नाविकों को बचाया। माना जा रहा है कि इस युद्धपोत पर करीब 180 लोग सवार थे। बाकी नाविकों के बारे में फिलहाल साफ जानकारी नहीं मिल पाई है।

अमेरिकी नौसेना ने इस हमले से जुड़े सवालों को अमेरिकी सेंट्रल कमान के पास भेज दिया है और हमले में इस्तेमाल की गई पनडुब्बी की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

1945 के बाद पहली बार हुआ ऐसा हमला

इतिहास में झांकें तो इससे पहले अमेरिकी पनडुब्बी ने आखिरी बार 14 अगस्त 1945 को टॉरपीडो से किसी जहाज को डुबोया था। उस समय अमेरिकी पनडुब्बी यूएसएस टॉर्स्क ने जापान के एक जहाज सीडी-13 को निशाना बनाया था। उस हमले में जापानी जहाज के 28 नाविकों की मौत हो गई थी।

इसके बाद से अमेरिकी पनडुब्बियां मुख्य रूप से खुफिया मिशन और जमीन पर मिसाइल हमलों के लिए इस्तेमाल होती रही हैं, लेकिन सीधे टॉरपीडो से किसी जहाज को डुबाने की घटना अब तक दोबारा नहीं हुई थी।

खतरनाक हथियार: मार्क-48 टॉरपीडो

जनरल डैन केन के अनुसार ईरानी युद्धपोत को डुबाने के लिए मार्क-48 भारी टॉरपीडो का इस्तेमाल किया गया। यह अमेरिकी नौसेना का प्रमुख हथियार माना जाता है, जो खास तौर पर दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों को नष्ट करने के लिए बनाया गया है।

इस टॉरपीडो को पहली बार 1972 में सेवा में शामिल किया गया था और समय के साथ इसमें कई आधुनिक सुधार किए गए। इसका वजन लगभग 3800 पाउंड होता है और यह सोनार तकनीक की मदद से अपने लक्ष्य को ढूंढता है।

जब यह टॉरपीडो जहाज के नीचे जाकर फटता है तो लगभग 500 पाउंड टीएनटी के बराबर विस्फोट होता है।

घरेलू म्युचुअल फंड्स की शेयर खरीद तीन साल के निचले स्तर पर, गिरावट के बाद बढ़ सकती है खरीदारी

फरवरी में म्युचुअल फंडों की शुद्ध इक्विटी खरीद मासिक आधार पर 75 फीसदी घटी। बाजार में गिरावट के बाद नई खरीद की संभावना

भारतीय शेयरों में घरेलू म्युचुअल फंडों की खरीद बीती फरवरी में तीन साल के निचले स्तर 10,381 करोड़ रुपये पर आ गई। यह जनवरी के 42,355 करोड़ रुपये की तुलना में काफी कम है। गिरावट का कारण इक्विटी योजनाओं में घटता निवेश और बाजार में बढ़ता उतार-चढ़ाव है। लेकिन फंड मैनेजरों का मानना है कि बाजार में हाल में आई तेज गिरावट से उन्हें आने वाले महीनों में खरीद बढ़ाने का मौका मिल सकता है क्योंकि शेयरों का मूल्यांकन ज्यादा आकर्षक हो गया है।

शेयरों में म्युचुअल फंडों के निवेश पर इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं में आने वाले शुद्ध निवेश, नकदी की स्थिति में बदलाव और हाइब्रिड फंडों के इक्विटी आवंटन में परिवर्तन का असर होता है। जनवरी में इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश सात महीने के निचले स्तर 24,029 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। बाजार के जानकारों का कहना है कि इक्विटी योजनाओं के कमजोर अल्पकालिक प्रदर्शन के कारण निवेशकों का मनोबल सुस्त हुआ है। भू-राजनीतिक तनाव में इजाफे और बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच गोल्ड ईटीएफ जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेशों की ओर निवेशकों

का आवंटन बढ़ा है।

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये ऐक्टिव इक्विटी योजनाओं में आने वाला निवेश 2025 के अधिकांश समय स्थिर बना रहा लेकिन इस महीने इसमें मामूली गिरावट देखी गई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का निवेश पिछले महीने सकारात्मक हो गया, जबकि पिछले दो महीनों से उनकी शुद्ध बिकवाली हो रही थी। इससे कुछ घरेलू फंड प्रबंधकों को मुनाफा कमाने का मौका मिला। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बीच कुछ फंडों ने आकर्षक भावों पर निवेश करने के लिए नकदी का अपना स्तर बढ़ाया। क्वांट एमएफ ने अपने मार्च के इक्विटी आउटलुक में कहा, हमने हाल में निचले स्तर पर इक्विटी निवेश को फिर से मजबूत करने के मकसद से नकदी बढ़ाई है। उसने यह भी कहा कि घटते मूल्यांकन और वृद्धि की उम्मीदों से भारत एक आकर्षक बाजार बन रहा है। इसमें कहा गया है, हालिया सुधार और मजबूती के दौर में भारत के सापेक्ष पीई गुणक ऐतिहासिक औसत और व्यापक आर्थिक फंडामेंटल के अनुरूप हो गए हैं। हमारा मानना है कि संरचनात्मक सुधारों के बाद आय संशोधन चक्र में सुधार से भारत के तेजी के अगले दौर को सहारा मिलेगा।

भारतीय शेयरों के भविष्य को लेकर ऐसेट मैनेजरों और ब्रोकरेज फर्मों के विचार बंटे हुए हैं। मॉर्गन स्टैनली के अनुसार हाल की अस्थिरता ने खरीदारी के अवसर पैदा किए हैं। ब्रोकरेज फर्म ने हाल में जारी एक नोट में कहा, भारतीय शेयर बाजार अच्छी खबरों की तुलना में बुरी खबरों पर ज्यादा प्रतिक्रिया दे रहे हैं, जिससे यह संदेह पैदा हो रहा है कि भारत में संरचनात्मक समस्याएं उभर रही हैं। हमारा मानना है कि इससे बाजार की प्रतिकूल स्थिति का पता चलता है और निकट भविष्य में अस्थिरता की संभावना के बावजूद उचित कीमतों पर ऊंची गुणवत्ता वाले शेयर खरीदने का मौका मिलता है।

लेकिन कोटक इंस्टिट्यूशनल इक्विटीज ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव का बाजार की धारणा पर दबाव जारी रह सकता है। अमेरिका-ईरान संघर्ष पर जारी रिपोर्ट में उसने कहा, जब तक यह मसला हल नहीं हो जाता, तब तक इस संघर्ष के कारण जोखिम से बचने की धारणा बनी रहेगी।

इसकी अवधि, तीव्रता और परिणाम ज्यादा अनिश्चित हैं और कच्चे तेल व गैस की ऊंची कीमतों के कारण भारत के आर्थिक माहौल पर और दबाव पड़ सकता है। भारतीय बाजार पहले से ही ऊंचे मूल्यांकन और आईटी सेवा क्षेत्र पर एआई के संभावित असर की चिंताओं से जूझ रहा है।

निवेश आवक में कमी और नकदी भंडार में वृद्धि के कारण फंड प्रबंधकों की इक्विटी खरीदने की क्षमता सीमित हो गई है, लेकिन हाइब्रिड फंडों द्वारा इक्विटी आवंटन में वृद्धि से कुछ हद तक मदद मिल सकती है।

ताजा गिरावट के बाद मूल्यांकन में सुधार होने से अधिकांश बैलेंस्ड एडवांटेज फंड (बीएएफ) और मल्टी-ऐसेट स्कीम इक्विटी में धीरे-धीरे अपना निवेश बढ़ा रही हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड ने बीएएफ पोर्टफोलियो का विश्लेषण किया है जिससे पता चलता है कि पांच अग्रणी योजनाओं का औसत इक्विटी आवंटन सितंबर 2024 के 46.4 फीसदी से बढ़कर जनवरी 2026 में 54.9 फीसदी पर पहुंच गया।

अखिल भारतीय सेवा संघ कालांवाली की जनरल बैठक सम्पन्न

- सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन
- डॉ राजेश दीप गोयल अध्यक्ष व प्रदीप गुप्ता महासचिव चुने गए

समाज जागरण

कालांवाली 5 मार्च (सुरेश जोरासिया) कालांवाली में अखिल भारतीय सेवा संघ की जनरल बैठक आज प्रदीप गुप्ता उर्फ दीपू सीमेंट वाले के कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में आगामी वर्ष की कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया और संगठन की आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया।

चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। सर्वसम्मति से नरेश गर्ग को संरक्षक, डॉ. राजेश दीप गोयल को अध्यक्ष तथा प्रदीप गुप्ता को महासचिव चुना गया। इसके अतिरिक्त हर विलास राय गोयल को कोषाध्यक्ष, दीपक मकानी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नरेश गोयल टिंकू को शाखा उपाध्यक्ष, दविंदर गुप्ता को शाखा सलाहकार तथा श्री नितिन गर्ग धर्मपुरा पार्षद को शाखा सचिव, राधे बंसल को सहकोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

होली पर्व के पावन अवसर पर सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी गई। शाखा द्वारा शीघ्र ही खून जांच एवं स्वास्थ्य चेकअप कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कैंप में क्षेत्र के मरीजों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया जाएगा। पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा है और स्वास्थ्य शिविर जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जाएगी। अंत में बैठक का समापन संगठन के प्रति समर्पण और समाज सेवा के संकल्प के साथ किया गया। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा क्षेत्र में जनहितकारी कार्यों को निरंतर

एमवाई भारत बजट क्वेस्ट 2026 के विजेता 15 मार्च से प्रधानमंत्री को अपने बजट संबंधी विचार प्रस्तुत करेंगे

समाज जागरण

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तहत मेरा युवा भारत द्वारा आयोजित 'एमवाई भारत बजट क्वेस्ट 2026' को देश भर के युवाओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जिसके दूसरे चरण में रिकॉर्ड तोड़ लगभग 47,000 निबंध प्रस्तुतियां दर्ज की गई हैं, जो केंद्रीय बजट के साथ जुड़ने और विकसित भारत@2047 की परिकल्पना के लिए विचार प्रस्तुत करने के लिए भारत के युवा नागरिकों के बढ़ते उत्साह को दशार्ती हैं।

केंद्रीय बजट 2026 को व्यापक रूप से युवा शक्ति-संचालित बजट के रूप में मान्यता दी गई है, जो शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता, नवाचार और भविष्य के लिए तैयार विकास के अवसरों में निवेश के माध्यम से भारत के युवाओं को सशक्त बनाने पर जोर देता है।

इस संदर्भ में, एमवाई भारत प्लेटफॉर्म पर आयोजित एमवाई भारत बजट क्वेस्ट 2026 एक अनूठी पहल के रूप में उभरी है जो केंद्रीय बजट को देश के युवाओं के करीब लाती है, जिससे वे इसकी प्राथमिकताओं को समझ सकें, इसके दृष्टिकोण पर विचार कर सकें और भारत की विकास यात्रा के लिए सक्रिय रूप से अपने विचार दे सकें।

पहले चरण के उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए, जिसका लक्ष्य राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी के माध्यम से युवाओं में केंद्रीय बजट के प्रति जागरूकता और समझ को मजबूत करना था, 'एमवाई भारत बजट क्वेस्ट 2026' में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 12,00,000 से अधिक युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें से उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल सबसे अधिक भागीदारी वाले शीर्ष तीन राज्य बनकर उभरे।

प्रश्नोत्तरी के बाद, प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को निबंध दौर के लिए चुना गया, जहां उन्होंने भारत की विकास यात्रा से संबंधित विषयों पर अपने विचार और नीतिगत दृष्टिकोण प्रस्तुत किए।

इस पहल को एक कदम और आगे बढ़ाते हुए, राज्य और केंद्र शासित प्रदेश स्तर के विजेताओं को 15 मार्च 2026 से शुरू होने वाले सत्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ सीधे संवाद करने का अवसर मिलेगा, जहां वे केंद्रीय बजट और विकसित भारत की दिशा में इसके प्रभावों पर चर्चा करेंगे।

सी एम विंडो एमिनेंट पर्सन ने शिकायते सुनी

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) आज स्थानीय मार्किट कमेटी कार्यालय में सी एम विंडो एमिनेंट पर्सन श्री घनश्याम जी शर्मा एडवोकेट जी के नेतृत्व में शिकायतों की सुनवाई की गई और निवारण किया गया' इस मौके पर नछतर

सिंह झोरड़रोही (सी एम विंडो एमिनेंट पर्सन), सतपाल शर्मा जी पिपली (चेयरमैन मार्किट कमेटी, कालावाली)महेश आजाद (मंडल महामंत्री एवं मार्किट कमेटी सदस्य), सन्नी निनानिया (मार्किट कमेटी सदस्य)और विकास सरपंच आनंदगढ़,गगनदीप सिंह विशेष तौर पर मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे 6 और 7 मार्च को बेंगलुरु में आयोजित मेरा युवा भारत - एनएसएस चिंतन शिविर में शामिल होंगे

समाज जागरण

युवा कार्यक्रम विभाग अमृत पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार के रूप में सशक्त बनाने और मेरा युवा भारत तथा एनएसएस के माध्यम से वर्ष 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन करेगा

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय का युवा कार्यक्रम विभाग 6 और 7 मार्च 2026 को कर्नाटक के बेंगलुरु, में स्टेम सेल विज्ञान एवं पुनर्योजी चिकित्सा संस्थान (इनस्टेम) में मेरा युवा भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अधिकारियों के साथ दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन कर रहा है। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी और पदाधिकारी एक साथ मिलकर युवा सहभागिता ढांचे को मजबूत करने और विभिन्न राज्यों में इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन को बेहतर बनाने पर विचार-विमर्श करेंगे।

तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के प्रतिनिधि इस विचार-विमर्श में भाग लेंगे। चिंतन शिविर का उद्देश्य ज्ञानवर्धन, अनुभव साझा करने और रणनीतिक नीतिगत चचाओं के लिए एक सहयोगात्मक मंच प्रदान करना है , ताकि मेरा युवा भारत और एनएसएस के माध्यम से देश भर में चल रहे युवा कार्यक्रमों को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

चिंतन शिविर में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया , युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, युवा कार्यक्रम विभाग की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल, युवा कार्यक्रम विभाग के अपर सचिव श्री नितेश कुमार मिश्रा और मेरा युवा भारत एवं एनएसएस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

चिंतन शिविर के पहले दिन के मुख्य विषय "संवाद से समाधान" में भाग लेने वाले राज्यों के बीच संवाद, नीतिगत समन्वय और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर जोर दिया जाएगा। चिंतन शिविर के दौरान आयोजित सत्रों में 'मेरा युवा भारत' पोर्टल के माध्यम से डिजिटल युवा सहभागिता, वर्ष 2026 की वार्षिक कार्य योजना का कार्यान्वयन और युवा सशक्तिकरण के लिए संसाधनों के अधिकतम उपयोग हेतु अंतर-मंत्रालयी समन्वय पर चर्चा शामिल होगी।

चिंतन शिविर के दूसरे दिन का मुख्य विषय "समाधान से संकल्प" होगा , जिसमें विचारों को व्यावहारिक रणनीतियों में बदलने के लिए विषयगत सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रतिभागी सहयोगी नीति प्रयोगशालाओं, समाधान डिजाइन अभ्यासों और कार्य योजना सत्रों में भाग लेंगे, जिनका उद्देश्य कार्यक्रम कार्यान्वयन को मजबूत करना और राज्यों के बीच समन्वय में सुधार करना है। कार्यक्रम में फिट इंडिया पर एक सत्र और विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 की रूपरेखा पर चर्चा भी शामिल होगी ।

चिंतन शिविर के समापन सत्र में अनुकरणीय पहलों को मान्यता दी जाएगी और विचार-विमर्श से प्राप्त प्रमुख निष्कर्षों का सारांश प्रस्तुत किया जाएगा। इस दो दिवसीय चिंतन शिविर के परिणाम युवा भागीदारी, स्वयंसेवा और 'मेरा युवा भारत' तथा 'एनएसएस' के माध्यम से कार्यक्रम संचालन को सुदृढ़ करने के लिए भविष्य की रणनीतियों को आकार देने में सहायक होंगे। यह पहल राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार के रूप में अमृत पीढ़ी को सशक्त बनाने और ' विकसित भारत@2047' के सामूहिक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के प्रति सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

रायसीना विज्ञान कूटनीति पहल (एसडीआई) के पहले संस्करण ने 'रणनीतिक स्वायत्तता' और 'परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों' पर मुख्य ध्यान दिया

समाज जागरण

रायसीना विज्ञान कूटनीति पहल (एसडीआई) का पहला संस्करण 5 मार्च 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया गया। इस पहल की शुरूआत भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा संयुक्त रूप से ह्यरायसीना संवादह्ल के तहत की गई।

ऊपर बाएं सेः डॉ. विजय चौथाईवाले, प्रो. अजय सूद, डॉ. समीर सरन; डॉ. रूद्र चौधरी, प्रो. मर्लिन एंडरसन, प्रो. पीटर ग्लुकमैन

रायसीना एसडीआई के पहले संस्करण ने वैश्विक विचारकों, नीति निमार्ताओं और विद्वानों को एक मंच पर लाकर रणनीतिक स्वायत्तता की उभरती अनिवार्यताओं और परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पन्न शासन संबंधी चुनौतियों के समाधान में विज्ञान कूटनीति की बदलती भूमिका पर चर्चा की। इस आयोजन में विश्व भर से लगभग 80 वैज्ञानिक, नवप्रवर्तक, राजनयिक, विज्ञान कूटनीति के विद्वान तथा प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। यह बैठक क्लोज्ड डोर प्रारूप में आयोजित की गई, ताकि विचारों का खुला और सार्थक आदान-प्रदान हो सके।

इस पहल की अध्यक्षता भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद ने की। सह-अध्यक्षों में अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद के अध्यक्ष सर पीटर ग्लुकमैन, जिनेवा विज्ञान एवं कूटनीति एंटीसिपेरटेर की (जीईएसडीए) महानिदेशक प्रो. मैरीलीन एंडरसन और भारतीय जनता पार्टी के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले शामिल थे। उद्घाटन भाषणों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व पर बल दिया गया, जो देशों के राष्ट्रीय विकास एजेंडा, आर्थिक प्रतिस्पर्धा, राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा प्राथमिकताओं और सामाजिक-आर्थिक प्रगति के लिए अनिवार्य है। इस बात पर बल दिया गया कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में विज्ञान कूटनीति स्थिर नहीं रह सकती; इसे लगातार नई प्रौद्योगिकीय सीमाओं, बदलती भू-राजनीतिक वास्तविकताओं और उभरती वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप स्वयं को ढालना होगा। ओआरएफ के अध्यक्ष डॉ. समीर सरन ने कहा कि रायसीना एसडीआई को विज्ञान कूटनीति प्रयासों के लिए एक समकालीन ढांचा विकसित करने हेतु एक वैश्विक मंच के रूप में तैयार किया गया है, जिसमें सभी दृष्टिकोणों को शामिल किया गया है।

रणनीतिक स्वायत्तता के युग में विज्ञान कूटनीति पर गोलमेज चर्चा

पहली गोलमेज चर्चा का विषय था ह्यरणनीतिक स्वायत्तता के युग में विज्ञान कूटनीति। इसकी अध्यक्षता प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय की वैज्ञानिक सचिव डॉ. परविंदर मैनी ने की, जबकि प्रो. पीटर ग्लुकमैन ने प्रारंभिक विचार प्रस्तुत किए। चचाओं में राष्ट्रीय रणनीतिक प्राथमिकताओं और विज्ञान की स्वाभाविक सहयोगात्मक प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया गया। प्रतिभागियों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद वैज्ञानिक सहयोग और वैज्ञानिक प्रणालियों पर विश्वास एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं। चर्चा में विश्वसनीय नेटवर्कों को सुदृढ करने, पारदर्शी शोध इको-सिस्टम विकसित करने तथा मजबूत बहुपक्षीय ढांचे को बढावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, जोखिम मूल्यांकन तंत्र को मजबूत करने, विज्ञान आधारित सलाहकारी क्षमताओं को बढाने तथा वैश्विक मानक निर्धारण प्रक्रियाओं में समान भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया।

परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों की शासन और विज्ञान कूटनीति पर गोलमेज चर्चा दूसरी गोलमेज चर्चा का विषय था ह्लपरिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों की शासन और विज्ञान कूटनीतिक इसकी अध्यक्षता प्रो. मैरीलीन एंडरसन ने की, जबकि डॉ. विजय चौथाईवाले ने प्रारंभिक विचार प्रस्तुत किए। चर्चा का केंद्र बिंदु अग्रणी प्रौद्योगिकियों के लिए उभरते न्यायसंगत और प्रभावी शासन मॉडल थे, जिनमें पूवार्नुमानित नीति निर्माण प्रक्रिया, समावेशी मानक-निर्धारण और प्रौद्योगिकी नवाचार को नैतिक एवं सामाजिक संदर्भों के साथ समन्वित करने के महत्व पर बल दिया गया। प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि इन प्रौद्योगिकियों की परिवर्तनकारी क्षमता का दोहन करते हुए जोखिमों को कम करने के लिए सक्रिय और वैश्विक स्तर पर समन्वित दृष्टिकोण आवश्यक है। चर्चा में विज्ञान कूटनीति की क्षमता को मजबूत करना, वैज्ञानिक सहयोग के माध्यम से वैश्विक असमानताओं को कम करना, बहुपक्षीय सहभागिता को सुदृढ़ करना, प्रतिस्पर्धा-पूर्व अनुसंधान क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना और व्यावहारिक उपयोग-मामलों पर आधारित दृष्टिकोण से प्रौद्योगिकी शासन चुनौतियों के समाधान करने के महत्व को रेखांकित किया गया।

इस पहल के अंतर्गत बेंगलुरु स्थित साइंस गैलरी की निदेशक डॉ. जाह्नवी फाल्के ने 'विज्ञान कूटनीति के ऐतिहासिक विकास' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि समय के साथ विज्ञान कूटनीति का परिदृश्य केवल राष्ट्र-राज्यों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें अनेक संस्थान और संगठन भी शामिल हो गए हैं। वहीं, एनएटीओ के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. स्टीन सोंडरगार्ड ने एनएटीओ के प्रौद्योगिकी संबंधी दूरदर्शिता वाले प्रयासों और वैश्विक प्रणालियों पर उनके प्रभाव के बारे में जानकारी साझा की।

डॉ. स्टीन सोंडरगार्ड और डॉ. जाह्नवी फाल्के

रायसीना विज्ञान कूटनीति पहल से प्राप्त विचार विज्ञान कूटनीति पर वैश्विक विमर्श को आगे बढाने में योगदान देंगे। एक वार्षिक मंच के रूप में परिकल्पित यह पहल अंतरराष्ट्रीय नीति, सहयोग और शासन को आकार देने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर समकालीन और भविष्योन्मुखी विचार-विमर्श को सुगम बनाने का प्रयास करती है। भविष्य की दिशा पर प्रकाश डालते हुए प्रो. सूद ने दो महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विचार करने की आवश्यकता बताईः विज्ञान कूटनीति के ढांचे को आकार देने तथा परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों का पूवार्नुमान और शासन बेहतर करने में निजी क्षेत्र की क्या भूमिका हो सकती है और उन्हें भावी चचाओं में कैसे सार्थक रूप से शामिल किया जा सकता है; तथा मौजूदा बहुपक्षीय व्यवस्थाओं का किस प्रकार उपयोग और उनको अनुकूलित किया जाए, ताकि प्रौद्योगिकीय प्रगति का अधिक न्यायसंगत प्रसार समाजों में सुनिश्चित किया जा सके।

ब्रह्मपुत्र नदी पर भारत का पहला नदी-आधारित प्रकाशस्तंभ बनेगा (उत्तर पश्चिम-2), सबार्नंदा सोनोवाल ने आधारशिला रखी

समाज जागरण

भारत ने अंतर्देशीय जलमार्ग नौवहन के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व कदम उठाया है, क्योंकि केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री (एमओपीएसडब्ल्यू) सबार्नंद सोनोवाल ने ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर चार नदी प्रकाशस्तंभों की आधारशिला रखी है। यह देश में अंतर्देशीय जलमार्ग पर प्रकाशस्तंभ संरचना की स्थापना का पहला उदाहरण है। गुवाहाटी के लाचित घाट पर आयोजित यह समारोह, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) के तत्वावधान में प्रकाशस्तंभ एवं प्रकाश जहाज महानिदेशालय (डीजीएलएल) और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

ये चारों स्थल - डिब्रूगढ़ जिले में बोगीबील, कामरूप (मेट्रो) जिले में पांडू, नागांव जिले में सिलघाट (सभी नदी के दक्षिणी तट पर स्थित), और बिश्वनाथ जिले में बिश्वनाथ घाट (उत्तरी तट पर स्थित एकमात्र स्थल) - ब्रह्मपुत्र नदी (राष्ट्रीय जलमार्ग-2) के रणनीतिक बिंदुओं पर स्थित हैं, जो भारत के सबसे महत्वपूर्ण अंतर्देशीय माल और यात्री गलियारों में से एक है। चारों प्रकाशस्तंभों की कुल परियोजना लागत लगभग 84 करोड़ रुपये है। प्रत्येक प्रकाशस्तंभ 20 मीटर ऊंचा होगा, जिसकी भौगोलिक सीमा 14 समुद्री मील और प्रकाशीय सीमा 8-10 समुद्री मील होगी, और यह पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित होगा। नौवहन अवसंरचना के साथ-साथ, प्रत्येक स्थल पर एक संग्रहालय, एम्फीथिएटर, कैफेटेरिया, बच्चों का खेल क्षेत्र, स्मारिका दुकान और सुव्यवस्थित सार्वजनिक स्थान होंगे, जो प्रत्येक प्रकाशस्तंभ को एक पर्यटन स्थल के साथ-साथ एक कार्यात्मक समुद्री संपत्ति के रूप में स्थापित करेंगे।

एनडब्ल्यू-2 पर नदी प्रकाशस्तंभों का चालू होना ब्रह्मपुत्र जलमार्ग पर वित्तीय वर्ष 2024-25 में माल ढुलाई में 53 प्रतिशत की वृद्धि का सीधा परिणाम है, जैसा कि आईडब्ल्यूएआई द्वारा दर्ज किया गया है। एनडब्ल्यू-2 पर माल ढुलाई में लगातार वृद्धि हो रही है और ब्रह्मपुत्र गलियारा अब यात्री और पर्यटन यातायात के अलावा असम के चाय, कोयला और उर्वरक उद्योगों की आपूर्ति श्रृंखलाओं का अभिन्न अंग बन गया है। नए प्रकाशस्तंभ 247 सुरक्षित नौवहन को सक्षम बनाएंगे, मौसम अवलोकन संसरों को समायोजित करेंगे और नदी पर माल और यात्री दोनों की आवाजाही की सतत वृद्धि के लिए आवश्यक नौवहन बुनियादी ढांचा प्रदान करेंगे। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री (एमओपीएसडब्ल्यू) सबार्नंद सोनोवाल ने कहा, ह्लप्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में, अंतर्देशीय जलमार्ग न केवल सड़क और रेल परिवहन का विकल्प हैं, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था के लिए एक शक्ति गुणक के रूप में सक्रिय और सक्षम बनाए जा रहे हैं। जलमार्ग से एक टन माल ढुलाई की लागत सड़क परिवहन की तुलना में बहुत कम है, कार्बन उत्सर्जन भी नगण्य है, और इससे हमारे राजमार्ग यात्रियों और समयबद्ध वस्तुओं के लिए मुक्त रहते हैं। ब्रह्मपुत्र पर बने ये प्रकाशस्तंभ इस इरादे का प्रमाण हैं कि भारत की नदियां चौबीसों घंटे व्यापार के लिए खुली हैं।

आधारशिला समारोह में असम सरकार के पर्यटन मंत्री रणजीत कुमार दास, परिवहन मंत्री चरण बोरो, लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री जयंता मल्लाबरुआ, गुवाहाटी सांसद बिजुली कलिता मेधी और पूर्वी गुवाहाटी विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य उपस्थित थे। इस अवसर पर बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव विजय कुमार (आईएएस) और डीजीएलएल के महानिदेशक एन. मुरुगनंदम सहित वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

सोनोवाल ने कहा, जलमार्गों से लागत में निर्णायक लाभ मिलता है। अंतर्देशीय जलमार्ग से एक टन माल परिवहन की लागत सड़क परिवहन की तुलना में लगभग एक तिहाई और रेल परिवहन की तुलना में आधी होती है। पूर्वोत्तर भारत जैसे क्षेत्र के लिए, जहां यातायात और भूभाग दोनों के कारण सड़क अवसंरचना पर लगातार दबाव बना रहता है, ब्रह्मपुत्र को पूर्ण पैमाने पर माल ढुलाई गलियारे के रूप में सक्रिय करना कोई विकल्प नहीं बल्कि एक आवश्यकता है।

पूर्वोत्तर में नदी प्रकाशस्तंभों की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए मंत्री कार्यालय की पहल के बाद इस परियोजना की परिकल्पना की गई थी। 8 अप्रैल, 2025 को आईडब्ल्यूएआई और डीजीएलएल के बीच सभी चार स्थलों को शामिल करते हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। नौवहन सहायता के लिए केंद्रीय सलाहकार समिति के समक्ष एक तकनीकी प्रस्ताव प्रस्तुत करने के बाद, जून 2025 में निष्पादित उपयोग के अधिकार समझौतों के तहत स्थलों को औपचारिक रूप से डीजीएलएल को हस्तांतरित कर दिया गया। भू-तकनीकी जांच, स्थलाकृतिक सर्वेक्षण और विस्तृत डिजाइन के बाद, प्रत्येक प्रकाशस्तंभ का निर्माण अनुबंध दिए जाने के 24 महीनों के भीतर पूरा होने का लक्ष्य है।

सोनोवाल ने कहा, जैसे-जैसे एनडब्ल्यू-2 पर यातायात बढ़ता है, पर्यावरण और यातायात जाम से जुड़े लाभ भी बढ़ते जाते हैं - कम उत्सर्जन, सड़कों का कम घिसाव, दुर्घटनाओं का कम जोखिम और पूर्वोत्तर के लिए अधिक सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला। दीपस्तंभ प्रकाशस्तंभ रात्रि नौकायन को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाएंगे, जिससे चौबीसों घंटे जलमार्ग संचालन में आने वाली सबसे बड़ी बाधा दूर हो जाएगी।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन प्रकाशस्तंभ एवं प्रकाशयान महानिदेशालय (डीजीएलएल) भारत की 11,098 किलोमीटर लंबी तटरेखा और अब अंतर्देशीय जलमार्गों पर नौवहन में सहायता प्रदान करने के लिए जिम्मेदार वैधानिक प्राधिकरण है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) भारत के 20,000 किलोमीटर से अधिक लंबे राष्ट्रीय जलमार्गों के नेटवर्क का प्रशासन और विकास करता है, और देश की नदियों, भीतरी जलमार्ग और खाड़ियों में माल और यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए बुनियादी ढांचे, टर्मिनलों और नौवहन सुविधाओं का प्रबंधन करता है।

एनडब्ल्यू-2 पश्चिम बंगाल के धुबरी को ऊपरी असम के सादिया से 891 किलोमीटर की नौगम्य लंबाई में जोड़ता है - जो किसी भी भारतीय जलमार्ग का सबसे लंबा नौगम्य खंड है और भारत के पूर्वोत्तर के मध्य से होकर गुजरता है। चार प्रकाशस्तंभ उस व्यापक कार्यक्रम की शुरूआत का प्रतीक हैं जिसे एमओपीएसडब्ल्यू भारत के अंतर्देशीय जलमार्गों को उसी नौगम्य सुरक्षा अवसंरचना से लैस करने के लिए वर्णित करता है जो लंबे समय से इसके तटीय क्षेत्रों को नियंत्रित करती रही है।

मिजोरम में खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण कदम: पंजाब से सैरांग तक 25,900 क्विंटल चावल रेल से पहुंचा, खाद्य आपूर्ति में सुधार हुआ

समाज जागरण

मिजोरम में यात्री और मालगाड़ी सेवाओं की शुरूआत के साथ यात्री परिवहन और माल ढुलाई में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। इस क्षेत्र में विकास होने से पर्यटन बढ़ने के साथ-साथ संपर्क में सुधार हुआ है और आर्थिक विकास में भी योगदान मिला है।

एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की पहली खाद्यान्न मालगाड़ी 3 मार्च, 2026 को सैरांग रेलवे स्टेशन पर पहुंची। इस मालगाड़ी में पंजाब से लगभग 25,900 क्विंटल चावल से भरे 42 डिब्बे थे। यह राज्य में रेल आधारित माल ढुलाई संपर्क को मजबूत करने और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सैरांग में एफसीआई की खाद्यान्न मालगाड़ी के सफलतापूर्वक पहुंचने से बढ़ती परिचालन क्षमता का पता चलता है। इससे मिजोरम के रसद एवं खाद्य वितरण नेटवर्क को सहयोग देने में रेलवे अवसंरचना की बढ़ती भूमिका स्पष्ट होती है।

यह उल्लेख करना आवश्यक है कि 13 सितंबर, 2025 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन मिजोरम के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। इस महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना ने राज्य की राजधानी आइजोल को भारत के रेलवे मानचित्र पर ला खड़ा किया है। इससे राज्य सीधे राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ गया है। परिवहन में सुधार के अलावा, इस नई रेल लाइन से आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण अवसर पैदा होने और पूरे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

मिजोरम में माल ढुलाई का प्रदर्शन

बैराबी-सैरांग खंड पर माल ढुलाई परिचालन चालू होने के बाद इसमें उल्लेखनीय गति आई है। यह उल्लेखनीय है कि उद्घाटन के तुरंत बाद 21 सीमेंट से भरे डब्बों वाली पहली मालगाड़ी को सफलतापूर्वक सैरांग ले जाने से राज्य में नियमित माल ढुलाई की शुरूआत हुई। अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक, सैरांग टर्मिनल ने 30 से अधिक मालगाड़ियों का संचालन किया गया। यह मिजोरम में रेल आधारित माल ढुलाई के क्रमिक विकास को दशार्ता है। इस अवधि के दौरान, टर्मिनल पर 3.5 रेक सीमेंट उतारी गई। सीमेंट के अलावा, रेल द्वारा संचालित अन्य वस्तुओं में ऑटोमोबाइल (2 रेक), उर्वरक (0.5 रेक), पत्थर के टुकड़े (20.5 रेक) और रेत (4 रेक) शामिल हैं। इन विविध वस्तुओं का संचालन सैरांग के एक उभरते माल ढुलाई केंद्र के रूप में बढ़ते उपयोग को दशार्ता है। यह बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग करता है और राज्य में निर्माण सामग्री और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में सुधार करता है।

गौरतलब है कि दिसंबर 2025 में सैरांग में 119 यात्री वाहनों को ले जाने वाली पहली मालगाड़ी पहुंची थी। इससे रेलवे लाइन की उच्च मूल्य वाले थोक माल को संभालने की क्षमता का पता चलता है। भारतीय रेलवे ने पार्सल लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने के लिए भी कई उपाय शुरू किए हैं। इनमें बागवानी और नाशवान उत्पादों के परिवहन को सुविधाजनक बनाने के लिए रेफ्रिजरेटेड पार्सल वैन सेवाओं की शुरूआत शामिल है। इसका उद्देश्य स्थानीय किसानों और व्यापारियों के लिए बाजार तक पहुंच का विस्तार करना है।

मिजोरम में पर्यटन को गति मिल रही है

मिजोरम में नवनिर्मित रेलवे लाइन ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है, इसके फलस्वरूप पिछले छह महीनों में राज्य में पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है। 12 फरवरी 2026 को "नॉर्थ ईस्ट डिस्कवरी" सर्किट के तहत भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन पहली बार सैरांग रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो मिजोरम में रेलवे सेवाओं ने एक नया मुकाम हासिल किया। भारत के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ अमेरिका और नेपाल जैसे अन्य देशों से आए 81 पर्यटकों को ले जा रही यह प्रीमियम पर्यटक ट्रेन, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर मिजोरम की बढ़ती लोकप्रियता को रेखांकित करती है। बेहतर पहुंच ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित किया है। इससे आतिथ्य और संबद्ध क्षेत्रों में रोजगार सृजन हो रहा है। पर्यावरण-पर्यटन और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ समावेशी विकास और क्षेत्रीय एकीकरण की व्यापक दृष्टि के तहत पूर्वोत्तर में मिजोरम एक उभरते हुए पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित हो रहा है।

यात्रियों की संख्या में वृद्धि

सितंबर 2025 में बैराबी-सैरांग मार्ग पर रेल सेवाओं के प्रारंभ होने के बाद से, जनता की प्रतिक्रिया जबरदस्त रही है। सैरांग-आनंद विहार राजधानी एक्सप्रेस में दोनों दिशाओं में 150 प्रतिशत से अधिक सीटें भरी गई हैं। इसी प्रकार, सैरांग-गुवाहाटी एक्सप्रेस और सैरांग-कोलकाता एक्सप्रेस में भी 100 प्रतिशत से अधिक सीटें भरी गई हैं। इससे, सैरांग से रेल सेवाओं की मजबूत मांग और जनता की व्यापक स्वीकृति का स्पष्ट रूप से पता चलता है। 9 फरवरी 2026 को, सैरांग से सिलचर के लिए एक नई रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया। इससे क्षेत्रीय परिवहन को और मजबूती मिली और मिजोरम असम की महत्वपूर्ण शैक्षिक, चिकित्सा और वाणिज्यिक केंद्र बराक घाटी से जुड़ गया।

रेल संपर्क का विस्तार मिजोरम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। परिवहन में सुधार, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और पर्यटन को प्रोत्साहित करने में रेलवे राज्य के परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बुनियादी ढांचे के निरंतर विकास के साथ, मिजोरम उत्तर-पूर्वी भारत में एक सुलभ और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है।

होली त्यौहार सकुशल सम्पन्न होने के उपरान्त, पुलिस लाइन चुर्क में खेली गई पुलिस की होली

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। होली पर्व के दूसरे दिन पुलिस लाइन चुर्क, जनपद सोनभद्र में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, जनपद के समस्त सर्किल के क्षेत्राधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक, थाना प्रभारी तथा पुलिस के अन्य अधिकारी /कर्मचारीगण उपस्थित रहे। समारोह के दौरान सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं एवं बधाई दीं तथा आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं सहयोग की भावना के साथ उत्सव मनाया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के प्रति समर्पित रहकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।

श्री बांके बिहारी मंदिर में धूम धाम से मनाया गया रंगोत्सव

- फाग गायन के बाद फूल एवं गुलाल से ठाकुर जी को सजाया गया
- एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाया
- ठंडई ,गुझिया चिप्स पापड़ का किया गया वितरण

सदर संवाददाता अवधेश कुमार गुप्ता/ समाज जागरण

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज नगर के रामलीला मैदान स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में बुधवार को रंगोत्सव धूमधाम से मनाया गया। फाग गायन के बाद फूल एवं गुलाल से ठाकुर जी को सजाया गया। एक दूसरे को

अबीर गुलाल लगाकर ठंढई, गुझिया, चिप्स, पापड़ के वितरण किया गया। लोग अपने अपने घरों से पकवान एवं फूल, अबीर, गुलाल लेकर आए थे। बता दें कि यह परंपरा वर्ष 2019 से प्रारंभ की गयी है, तत्पश्चात सभी लोगों ने इस पवित्र एवं पावन पर्व पर शपथ लिया कि सभी उपस्थित लोग नशे से दूर रहेंगे और समाज में नशा मुक्ति के लिए वर्ष पर्यंत काम करेंगे। इस अवसर पर सर्व श्री जितेंद्र सिंह, रामप्रसाद यादव, पवन जैन, धर्मेश सिंह खरवार, विनोद केशरी, प्रदीप चौबे, राकेश कुमार गुप्ता, पुजारी विनय शंकर पाण्डे,राजेश सोनी, सोनू जैन, चंदन केशरी, कृष्ण मोहन, अभिषेक, यादव अनुराग यादव, अपूर्व यादव, आयुष, आदर्श, प्रांजल इत्यादि लोग रहे।

युवक को लाठी डंडे से मारपीट कर किया घायल, चार व्यक्ति पर लगा आरोप

अनिल कुमार अग्रहरि/ समाज जागरण

डाला/ सोनभद्र। हाथीनाला थाना क्षेत्र के गदरवा गांव में बीते देर शाम को मारपीट में एक युवक घायल हो गया, घायल युवक द्वारा पुलिस को तहरीर देकर गांव के ही चार नामजद व्यक्तियों पर लाठी डंडे से हमला कर घायल करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की किया मांग हाथीनाला थाना क्षेत्र के गरदरवा गांव के निवासी युवक मोहित कुमार ने हाथीनाला पुलिस को तहरीर देते हुए अवगत कराया गया कि बीते बुधवार की देर शाम को मैं होली खेलकर घर आ रहा था कि प्रधान जी के घर के पास पुलिया पर पहले से घात लगाकर छुप कर बैठे गांव के ही दो व्यक्तियों ने बिना कारण बताए ही मां बहन की भद्दी भद्दी गाली देकर लाठी-डण्डे से मारने लगे। रात के अंधेरे में भाग कर अपनी जान बचाया परन्तु आवेश में आकर पुनः जितेन्द्र के घर के पास गुट बनकर फिर से चार व्यक्तियों ने हमारे ऊपर दुबारा लाठी डंडों से हमला कर दिया जिससे हमारे सिर में चोट लगने से लहूलुहान हालात में जमीन पर गिरकर तड़पने लगे शोर गुल सुनकर गाँव घर के लोगों ने हमे बचाया गया। मारपीट करने वाले चारों सरहंग किस्म के लोग हैं इससे पूर्व भी कई बार जमीनी विवाद की रंजिश को लेकर मेरे पिता व मां के साथ मारपीट कर चुके हैं धमकी देते हैं

कि तुम्हें मारकर फेंक देंगे तुम मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाओगे, यदि गांव के लोग मौके पर पहुंचकर हमें नहीं बचाए होते तो यह चारों लोग मेरा जान ले लेते। घायल युवक मोहित कुमार द्वारा गुरुवार को हाथीनाला पुलिस को तहरीर देते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई गई। थाना प्रभारी हाथीनाला नागेश सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है जिसकी जांच पड़ताल की जा रही है।

पश्चिम एशिया में टकराव का असर: औद्योगिक क्षेत्र को गैस आवंटन में होगी कटौती!

एक अधिकारी ने कहा कि भारत होर्मुज स्ट्रेज से कार्गो की सुरक्षित आवाजाही के लिए बीमा कवर के लिए अमेरिकी अधिकारियों से बातचीत कर रहा है

पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच अगर कतर एनर्जी के उत्पादन में लंबे समय तक रुकावट बनी रहती है तो भारत की गैस कंपनियां औद्योगिक उपयोगकताओं को गैस की आपूर्ति या आवंटन की समीक्षा कर सकती है। इस बारे में जानकारी रखने वाले तीन वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने यह बात कही। घरेलू पीएनजी और सीएनजी जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए गैस आवंटन में कटौती नहीं की जाएगी। एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, ह्यभारत फिलहाल प्रतिदिन 19.5 करोड़ मानक घन मीटर प्राकृतिक गैस की खपत करता है। इनमें से कतर एनर्जी द्वारा उत्पादन रोकने के कारण 6 करोड़ मानक घन मीटर उपलब्ध नहीं है। ऐसे में व्यवधान जारी रहा तो औद्योगिक क्षेत्रों की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है।

अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण पश्चिम एशिया में तनाव काफी बढ़ गया। इसे देखते हुए कतर की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी कतर एनर्जी ने अपने संयंत्र में एलएनजी का उत्पादन रोक दिया है। कतर भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता है।

एक गैस कंपनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों को पहले से ही इस बारे में सूचित कर दिया गया है और कटौती की स्थिति में एलपीजी, तेल और अन्य विकल्प तलाशने के लिए कहा गया है।

गेल ने कहा कि वह संभावित आपूर्ति में कटौती का आकलन कर रही है क्योंकि पेट्रोनेट के साथ कतर एनर्जी के अनुबंध के तहत एलएनजी का आवंटन 4 मार्च से शून्य कर दिया गया है। गेल की अन्य स्रोतों और आपूर्तिकताओं से एलएनजी की आपूर्ति पर कोई असर नहीं पड़ा है। एक अधिकारी ने कहा कि भारत होर्मुज स्ट्रेज से कार्गो की सुरक्षित आवाजाही के लिए बीमा कवर के लिए अमेरिकी अधिकारियों से बातचीत कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सरकार महत्त्वपूर्ण शिपिंग मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर ईरानी हमलों के बीच होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के लिए रियायती जोखिम बीमा प्रदान करेगी।

जनपद सोनभद्र का सृजन दिवस व होली मिलन समारोह संपन्न

ब्यूरो चीफ सोनभद्र/ समाज जागरण

सोनभद्र। शहीद स्थल करारी टस्ट द्वारा बुधवार को शाम एक संगोष्ठी व कवि गोष्ठी का आयोजन करारी में किया गया। शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण वाणी वंदना से आयोजन का शुभारंभ किया गया। प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने जनपद सृजन दिवस पर सभी को बधाई देते हुए अपनी रचना, सर्वे भवन्तु सुखिनः मंगल हमारी कामना हो, द्वेष ईर्ष्या का दमन प्रमुदित हमारी भावना हो सुनाया तथा होली की रचना,रंग बरसै गुलाल रंग बरसै गुलाल कचौरी निअन फूलल भौजी के गाल सुनाकर वातावरण सृजित किया। संचालक

अशोक तिवारी ने जनपद सृजन से जनहित की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए अपनी रचना ,तन मन मगन रहे होली में सुनाकर वाहवाही लूटी। कौशल्या कुमारी चौहान कवयित्री, ने होली के रंग में नहाने चली हूँ, रूठे दिलों को मनाने चली हूँ।श्रृंगार की रचना पढ़ कर लोगों को भावविभोर कर दिया। गीतकार दिलीप सिंह दीपक ने अंक में लेकर रंग लगाओ

फाग कबीरा होरी गाओ की प्रस्तुती से महफि ल में चार चांद लगाये। दयानंद दयालू ने लोक भाषा में होली गीत, बरसै रंग गुलाल सजन बिन भावै न फागुन सुनाया। धर्मेश चौहान ने टीवी और वीबी हास्य रचना से लोगों को गुदगुदाया।प्रभात सिंह चंदेल ने रसिया धुन पर वीरों की होली से संदर्भित रचना, सीमा पर सैनिक खेलते होली लोहू से लिखते जयहिंद बोली सुनाकर आयोजन को राष्ट्रीयता से जोड़े सराहे गये। सुनील चौचक ने, रंग अबीर गुलाल चलत हो मुसुकत हौ भौजाई चला होली मनाईं सुनाकर वाहवाही बटोरी।सोन संगीत फाउंडेशन के सुशील मिश्रा ने साज संगीत के माध्यम से फाग व चैती गाकर लोगों को बाग बाग कर झूमने पर विबस किया। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम ने दीपचंदी होरी गाकर लोगों को समसामयिक प्रस्तुती से सराबोर किया।आयोजन की अध्यक्षता करते हुए संरक्षक रामयश त्रिपाठी के वक्तव्य के बाद आयोजन को विराम दिया गया। इस अवसर पर ठाकुर कुशवाहा फारुख अली जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट ऋषभ त्रिपाठी मृत्युंजय त्रिपाठी पुरुषोत्तम कुशवाहा शिव मोचन गनेश आद्या अंशिका शिखा साहित्य ममता समता बृज किशोर देव पांडेय विजय शंकर तिवारी आदि देर शाम तक जमे रहे। आभार आयोजक प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट संस्था प्रमुख ने व्यक्त किया।

सोनांचल में रंगों की बारिश, खूब उड़े अबीर- गुलाल, बड़े- बुजुर्गों के पैर छूकर लिया आशीर्वाद

बुराई की होलिका जलाई, जमकर खेली होली, ढोल व मजीरे के थाप पर झूमा पूरा जनपद

आदिवासी सुनील त्रिपाठी/ समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद मुख्यालय सहित आसपास के इलाकों में बुधवार को रंगों का त्यौहार होली बड़े ही धूमधाम से मनाया गया. फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले इस त्यौहार पर शहर, नुक्कड़ और गली में बुरा न मानो होली है की गूंज देर रात तक सुनाई देती रही. बुधवार की सुबह सभी लोग टोलियां बनाकर सड़कों पर रंग लेकर एक दूसरे को रंगते नजर आए. इसके साथ ही ढोल

की धुनों और तेज संगीत पर नाचते लोग अपने तरीके से होली का जश्न मनाते नजर आए. वहीं, इस बार तिथि को लेकर असमंजस की वजह से कई जगह सोमवार तो कई जगह मंगलवार को बुराई की प्रतीक होलिका का दहन किया गया. जिला मुख्यालय रावर्टसगंज के साथ ही चोपन, ओबरा, घोरावल, रामगढ़, रेणुकूट, अनपरा, शक्तिनगर, बीजपुर, म्योरपुर, दुद्धी, विंढमगंज, कोन समेत अन्य शहरों एवं ग्रामीण अंचलों में छोटे बच्चे और महिलाओं ने भी घरों की छतों से हुड़दंगों की होटी पर रंग बरसाए. कई स्थानों पर कपड़ा-फाड़ होली भी खेली गई. दोपहर बाद रंगों का सिलसिला थम गया. लोग अपने घरों को पहुंचे और जहां स्नान आदि करने के बाद अपने शुभ चिंतकों के घर पहुंचने के लिए तैयार होकर निकल पड़े. अबीर गुलाल लगाकर अपने मित्रों एवं शुभचिंतकों को गले लगाकर होली की बधाई दी. वहीं, अपने से बड़े बुजुर्गों के माथे पर अबीर-गुलाल लगाया और उनका पैर छूकर आशीर्वाद लिया. इस दौरान गुझिया, नमकीन और मिठाई का लुत्फ भी उठाया. यह क्रम देर शाम तक चलता रहा. उत्साह उमंग के इस त्यौहार के मौके पर पूरा जनपद डूबा रहा. सुरक्षा के मद्देनजर चट्टी, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस के जवान व पीएससी बल मुस्तैद रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर की गयी बैठक, अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। जिलाधिकारी/प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी बी०एन० सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनगणना 2027 की तैयारियों तथा उसके प्रथम चरण के कार्यों के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना के प्रारंभिक कार्यों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। सभी अधिकारियों को जनगणना के प्रथम चरण से संबंधित प्रक्रियाओं और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जनगणना निदेशालय की ओर से आईं प्रियासा सिंह ने उपस्थित अधिकारियों को जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत किए जाने वाले मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बताया गया कि इस बार की जन गणना पूर्णतया डिजिटल जन गणना

होगी। उन्होंने बताया कि जनगणना का प्रथम चरण अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसी चरण में प्रत्येक क्षेत्र में स्थित भवनों और मकानों की सही-सही पहचान और सूचीकरण किया जाता है, जो आगे होने वाली जनगणना की प्रक्रिया का आधार बनता है। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को चरणबद्ध तरीके से यह बताया गया कि मकान सूचीकरण कैसे किया जाएगा, किस प्रकार प्रत्येक भवन की जानकारी दर्ज की जाएगी तथा किन-किन बिंदुओं का विशेष ध्यान रखना होगा। इसके साथ ही डिजिटल माध्यमों के उपयोग, डाटा की शुद्धता, सर्वेक्षण के दौरान सावधानियों और रिपोर्टिंग की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। जिलाधिकारी श्री बी०एन० सिंह ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है और इसमें सभी संबंधित अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

जिलाधिकारी/प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी को गंभीरता से समझें और अपने-अपने क्षेत्र में कार्य करने वाले कर्मचारियों को भी सही तरीके से मार्गदर्शन प्रदान करें, ताकि जनगणना का कार्य बिना किसी त्रुटि के सम्पन्न हो सके। उन्होंने कहा कि मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य पूरी पारदर्शिता और सावधानी के साथ किया जाना चाहिए, क्योंकि इसी आधार पर आगे की जनगणना प्रक्रिया संचालित होती है। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या आने पर संबंधित अधिकारी तुरंत उच्चाधिकारियों को अवगत कराएं, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। बैठक में यह भी बताया गया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण में जनगणना,2027 के प्रथम चरण में 07 मई से 21 मई,2026 तक स्व गणना का कार्य स्वयं नागरिकों के द्वारा भी किए जाने का प्राविधान रखा गया है, जिस हेतु 22 मई 2026 से प्रारंभ होकर 20 जून 2026 तक सम्पन्न किया जाएगा। इस अवधि के दौरान जनपद के सभी चार्ज क्षेत्रों में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य कराया जाएगा। इसके लिए पहले से ही आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। अधिकारियों को यह भी बताया गया कि सर्वेक्षण के दौरान प्रत्येक मकान की सही जानकारी दर्ज करना अनिवार्य होगा, जिससे आगे होने वाली जनसंख्या गणना की प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके। साथ ही, कार्य के दौरान निर्धारित दिशा-निदेशों का पालन करना सभी के लिए अनिवार्य होगा। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जनगणना से संबंधित कार्यों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध ढंग से पूरा कराएं, ताकि जनपद में जनगणना 2027 का प्रथम चरण सफलतापूर्वक सम्पन्न किया जा सके। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रमेश चन्द्र, अपर जिला जनगणना अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी आई0 टी0 एस0 तथा ग्रासिम इंडस्ट्रीज के अधिकारी और जनपद स्तरीय उपस्थित रहें।

अचलेश्वर महादेव मंदिर समेत आसपास क्षेत्रों में धूमधाम से मनाई गई होली

अनिल कुमार अग्रहरि/ समाज जागरण

डाला/ सोनभद्र। ग्रामीण एवं नगर क्षेत्र में बुधवार को होली का पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक उमंग के साथ मनाया गया। सुबह होते ही रंग खेलने का सिलसिला शुरू हो गया नगर क्षेत्र के अचलेश्वर महादेव मंदिर व बाड़ी स्थित वैष्णो मंदिर समेत सूबे के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड़ के आवास पर होली गीत गाने व रंग खेलने वालों की भीड़ बड़ी संख्या में उमड़ पड़ी।

रंगों के इस उत्सव में सबसे ज्यादा उत्साह बच्चों में दिखाई दिया जो हाथों में पिचकारी लिए एक-दूसरे पर रंगों की बौछार कर रहे थे। एक ओर जहां सड़कों व गलियों में हुड़दंग वाली होली टोली खेलते नजर आ रही थी वहीं दूसरी ओर महिलाएं घरों में पारंपरिक व्यंजन तैयार करने में व्यस्त रहीं। श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर पर महंत पंडित मुरली तिवारी के नेतृत्व में होली गीत गाकर भगवान शिव से विश्व कल्याण की कामना की गई मंदिर परिसर में उपस्थित युवाओं ने जमकर पानी का बौछार कर कपड़ा फाड़ होली खेली और सेल्फी लेने की होड़ लगी रही। वैष्णो मंदिर के समीप ट्रिपल एस परिवार ने अपने प्रतिष्ठान पर आस-पास के लोगों सहित विदेशी मेहमानों के साथ होली खेल कर प्रेम भाईचारे का संदेश दिया। शिवम मिश्रा ने बताया कि इस दौरान जरूरतमंद बच्चों में पिचकारी, गुलाल और मिठाई का भी वितरण किया गया।वहीं सूबे के राज्य मंत्री के आवास पर क्षेत्र से आए सैकड़ों लोगों ने होली गीत गाकर एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर पावन पर्व की बधाई व शुभकामनाएं दी। मंत्री श्री गोंड ने अबीर गुलाल लगाकर लोगों को गुझिया मिष्ठान खिलाकर बधाई देते हुए कहा कि रंगों का यह पावन पर्व देश एवं प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य,सौहार्द और आत्मिक स्वास्थ्य लाए। आमतौर पर होलिका दहन के अगले दिन ही होली का पर्व मनाया जाता है, लेकिन इस बार चंद्र ग्रहण के चलते मंगलवार के स्थान पर बुधवार को होली खेली गई। नगर क्षेत्र के नई बस्ती स्थित नपं अध्यक्ष फुलवंती गोड़ के आवास व बाजार में होली का विशेष रंग देखने को मिला। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर चौकी प्रभारी घनश्याम तिवारी पुरे क्षेत्र में चक्रमण करते रहे।

निवेश में बढ़ रही महिलाओं की भागीदारी, 56% अब खुद ले रही फैसले; लेकिन फाइनैंशियल प्लानिंग में बड़ा गैप

महिलाएं अब बाजार से जुड़े निवेश उत्पादों में भी ज्यादा एक्टिव हो रही हैं। लगभग 51% महिलाएं अब म्युचुअल फंड और शेयरों में स्वतंत्र रूप से निवेश कर रही हैं

शहरी भारत में महिलाएं अब अपने वित्तीय फैसलों में पहले से कहीं ज्यादा एक्टिव और आत्मनिर्भर होती जा रही हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अब आधे से ज्यादा महिलाएं निवेश से जुड़े निर्णय खुद ले रही हैं। हालांकि निवेशकों में आत्मविश्वास तो बढ़ा है, लेकिन मजबूत और ठोस फाइनैंशियल प्लानिंग के मामले में अभी भी एक बड़ा अंतर बना हुआ है। यह तस्वीर DSP म्युचुअल फंड की Winvestor Pulse 2025–26 रिपोर्ट में सामने आई है, जिसे YouGov के साथ मिलकर तैयार किया गया है।

साल 2025 की चौथी तिमाही में किए गए इस सर्वेक्षण में देश के 13 शहरों के 5,050 लोगों को शामिल किया गया। सभी प्रतिभागी 25 से 60 वर्ष आयु वर्ग के थे और अपने परिवार के निवेश संबंधी फैसलों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। अध्ययन में पुरुष और महिलाओं की संख्या बराबर रखी गई और इसका फोकस मुख्य रूप से शहरी, अपेक्षाकृत उच्च सामाजिक-आर्थिक वर्ग के परिवारों पर रहा।

अब 56% महिलाएं खुद ले रही हैं निवेश के फैसले

रिपोर्ट की सबसे प्रमुख बात यह है कि निवेश के फैसलों में महिलाओं की स्वतंत्र भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। सर्वे के अनुसार अब 56 फीसदी महिलाएं निवेश से जुड़े फैसले खुद ले रही हैं, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 44 फीसदी था। यानी महज तीन साल में इसमें 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, इसकी तुलना में 2025 में 68 फीसदी पुरुष भी निवेश के फैसले स्वतंत्र रूप से लेने की बात कहते हैं।

रिपोर्ट यह भी बताती है कि खुद सीखकर निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। अब करीब 16 फीसदी महिला निवेशकों का कहना है कि उन्होंने निवेश के बारे में स्वयं सीखा है, जो 2022 में 13 फीसदी था। वहीं निवेश के मामलों में संयुक्त रूप से फैसले लेने वाली महिलाओं का हिस्सा 52 फीसदी से घटकर 43 फीसदी रह गया है।

साथ ही महिलाएं अब बाजार से जुड़े निवेश उत्पादों (market-linked products में भी ज्यादा एक्टिव हो रही हैं। लगभग 51 फीसदी महिलाएं अब म्युचुअल फंड और शेयरों में स्वतंत्र रूप से निवेश कर रही हैं, जबकि तीन साल पहले यह आंकड़ा 39 फीसदी था।

MF की इस स्कीम ने दिया 38 गुना रिटर्न, ₹10,000 की मंथली SIP से 21 साल में बना ₹1.85 करोड़ का फंड आत्मविश्वास ऊंचा, लेकिन फाइनैंशियल प्लानिंग कमजोर

निवेश में भागीदारी और स्वतंत्रता बढ़ने के बावजूद रिपोर्ट यह भी दिखाती है कि निवेशकों के आत्मविश्वास और वित्तीय अनुशासन के बीच अभी भी बड़ा अंतर बना हुआ है। सर्वे के मुताबिक 84 फीसदी लोग मानते हैं कि वे निवेश के फैसले खुद लेने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास रखते हैं, लेकिन सिर्फ एक-तिहाई (33 फीसदी) ऐसे हैं जिनके

पास एकदम साफ फाइनैंशियल प्लानिंग और उसे हासिल करने की ठोस योजना दोनों मौजूद हैं।

बाकी निवेशक अधूरी योजना की अलग-अलग कैटेगरी में आते हैं:

32 फीसदी के पास योजना तो है, लेकिन कोई स्पष्ट लक्ष्य नहीं है।

29 फीसदी ने लक्ष्य तो तय किए हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने की ठोस योजना नहीं है।

6 फीसदी के पास न तो लक्ष्य है और न ही कोई योजना।

यह योजना का अंतर खासकर 25झ34 वर्ष की युवा महिलाओं में ज्यादा दिखाई देता है, जहां कई महिलाएं निवेश की योजना तो बनाती हैं, लेकिन उनके लक्ष्य स्पष्ट रूप से तय नहीं होते।

पैसे के मायने भी बदले

अध्ययन यह भी दिखाता है कि शहरी भारत में लोगों की नजर में पैसे का मतलब भी धीरे-धीरे बदल रहा है। 2022 में जहां 27 फीसदी लोग पैसे को ह्यआजादीह्ल से जोड़ते थे, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर 35 फीसदी हो गया है। इसके विपरीत, पैसे को जीविका या जरूरत से जोड़ने वालों का हिस्सा घटा है। सर्वे में करीब 48 फीसदी लोगों ने कहा कि वे मुख्य रूप से वित्तीय स्वतंत्रता और सुरक्षा हासिल करने के लिए निवेश करते हैं, जो पहले 44 फीसदी था।

खासकर महिलाओं के बीच अब पैसे को सिर्फ वित्तीय स्थिरता तक सीमित नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसे सुरक्षा, बेहतर जीवनशैली और लग्जरी से जुड़ी आकांक्षाओं के साथ भी जोड़ा जा रहा है।

रिटायरमेंट और चिल्ड्रन फंड्स बंद: 44 स्कीमों पर ताला, अब निवेशकों के पैसे का क्या होगा?

घर खरीदने से ज्यादा सैर-सपाटा पसंद

निवेश व्यवहार में एक अहम बदलाव यह भी देखने को मिल रहा है कि लोग पारंपरिक संपत्तियों की बजाय अनुभवों को ज्यादा महत्व देने लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 41 फीसदी महिलाएं घर खरीदने की बजाय यात्रा को प्राथमिकता दे रही हैं, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 34 फीसदी है। छुट्टियों पर खर्च भी तेजी से बढ़ा है। 2025 में 43 फीसदी लोगों ने अतिरिक्त पैसे का इस्तेमाल यात्रा के लिए किया, जबकि 2022 में यह हिस्सा 36 फीसदी था।

वहीं घर खरीदने को सबसे बड़ा सपना मानने वालों का हिस्सा 36 फीसदी से घटकर 28 फीसदी रह गया है। खास तौर पर 25 से 44 वर्ष की महिलाओं में यात्रा और जीवनशैली से जुड़े अनुभवों की चाह सबसे ज्यादा दिखाई देती है।

सलाहकारों पर भरोसा, लेकिन उपयोग अब भी सीमित

अध्ययन से पता चलता है कि जो निवेशक वित्तीय सलाहकारों financial advisors) की मदद लेते हैं, वे उनसे काफी संतुष्ट हैं, लेकिन इसके बावजूद सलाहकारों का उपयोग अभी भी सीमित है।

करीब 94 फीसदी निवेशकों ने कहा कि वे अपने वित्तीय सलाहकार की सेवाओं से संतुष्ट हैं। फिर भी कई लोग पेशेवर सलाह लेने से बचते हैं, जिसका मुख्य कारण गोपनीयता को लेकर चिंता है।

जो लोग सलाहकारों की मदद नहीं लेते, उनमें:

39 फीसदी का कहना है कि वे किसी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी वित्तीय जानकारी साझा करने में असहज महसूस करते हैं।

35 फीसदी मानते हैं कि उन्हें अन्य स्रोतों से ही पर्याप्त जानकारी मिल जाती है।

32 फीसदी लोगों को किसी और की सलाह मानना मुश्किल लगता है।

निवेश से जुड़े फैसलों में परिवार और दोस्तों की भूमिका अब भी सबसे अहम बनी हुई है।

बनारसियों की होली

रंगों का पर्व होली बनारसियों ने बड़े धूम धाम से मनाया,कही ढोल नगाड़े तो कही डीजे पर झूमते दिखे युवा।बुधवार के सुबह से शाम तक काशी के युवक,युवतियां होली में सराबोर दिखे,जिसकी कुछ झलकियां।

प्रस्तुति रंजीत तिवारी वाराणसी

सेवापुरी विकास खंड के बरेमा गांव होली खेलते युवक।

कोरौती गांव हर्ष उल्लास से होली मनाते ग्रामीण।

वाराणसी जिले के खरगूपुर गांव होली खेलती युवतियां

आर्दश गांव जयापुर में होली खेलते युवा।

रंग में सराबोर दिखी ग्रामीण क्षेत्र बरेमा गांव की युवतियां।

खरगपुर गांव में साथियों के साथ रंग खेलते ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष सी बी तिवारी और अन्य

रंजीत तिवारी अपने पत्नी संग होली खेलते हुए।

वाराणसी में होली के बाद कपड़ा फाड़ होली खेली जाती जिसमे लोगों का कपड़ा फाड़ कर फेका जाता हैं। चौखंडी में कपड़ा फाड़ होली के बाद पेड़ पर टंगे फटे कपड़े।

वाराणसी कमिश्नर मोहित अग्रवाल अपने साथियों के होली खेलते हुए।

आर्दश गांव जयापुर में धूमधाम से मनाया होली

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। जनपद के ग्राम पंचायत जयापुर में होली का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं तथा पारंपरिक फगुआ गीतों और रंग-गुलाल के साथ उत्सव का आनंद लिया।

होली के इस अवसर पर गांव के युवाओं और बुजुर्गों ने मिलकर आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता का संदेश दिया। लोगों ने कहा कि होली का पर्व आपसी मतभेदों को भुलाकर प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने का संदेश देता है।

इस अवसर पर नारायण सिंह पटेल (पूर्व ग्राम प्रधान), राहुल सिंह पटेल, सुभाष सिंह, अभय सिंह, सुरेश सिंह, मुकेश सिंह, सागर सिंह, जय हिंद सिंह, अनिल सिंह सहित अन्य ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।अंत में सभी लोगों ने गांव की खुशहाली, समृद्धि और आपसी भाईचारे की कामना करते हुए इस पर्व को बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया।

डीजे पर गाना बजाने में मारपीट, आधा दर्जन घायल

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। हरहुआ ब्लाक के उदयपुर ग्रामपंचायत में बुधवार को होली खेलने के दौरान डीजे पर जातिगत गाना बजाने को लेकर दो पक्षों में चले लाठी डंडे और ईंट पत्थर में एक महिला समेत दोनों पक्षों से आधा दर्जन लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार उदयपुर दलित बस्ती में अंबेडकर जी के मंदिर के पास बस्ती के कुछ दलित युवक होली पर डीजे लगाकर नाच रहे थे। तभी इसी क्षेत्र के तारापुर गांव तथा उदयपुर के कुछ राजभर बिरादरी के युवक पहुंच गए और राजभर का गाना लगाने की जिद पर अड़ गए। इसी को लेकर दोनों पक्षों के युवकों में विवाद शुरू हो गया देखते ही देखते यह खबर दोनों वर्गों के अन्य लोगों तक पहुंच गया। जिससे दोनों पक्षों के दर्जनों लोग पहुंच कर आमने सामने हो गए और विवाद मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों की तरफ से लाठी डंडा और ईंट पत्थर चलना शुरू हो गया। जिसमें एक दलित पक्ष से सितारा, विजय और भगत जबकि दूसरे पक्ष से अजय राजभर, किरन और शिपक घायल है, जिसमें विजय की हालत गंभीर है। दोनों पक्षों के तरफ से थाना चोलापुर में तहरीर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सभी युवक शराब के नशे में धुत थे। यह क्षेत्र शराबियों और जुआरियों का अड्डा बन चुका है जहां अन्य गांवों के लोग भी आते है जिससे आएदिन विवाद व मारपीट आमबात हो गई है।

आईआईसीए ने पीजीआईपी के सातवें बैच के लिए जीएसटी और पीएमएलए-आईबीसी के अंतसंबंध पर "मीट द लेजेंड" सत्र आयोजित किया

समाज जागरण

मानेसर स्थित भारतीय कॉर्पोरेट कार्य संस्थान (आईआईसीए) ने हाल ही में अपने प्रमुख कार्यक्रम "मीट द लीजेंड" श्रृंखला के तहत पोस्ट ग्रेजुएट इनसॉल्वेंसी प्रोग्राम (पीजीआईपी) के 7वें बैच के लिए एक ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया। तीन घंटे के इस मास्टरक्लास में दो प्रतिष्ठित न्यायिक विशेषज्ञ श्री जेपी सिंह, माननीय न्यायिक सदस्य, जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण और श्री बालेश कुमार, माननीय सदस्य, अपीलीय न्यायाधिकरण (पीएमएलए, एफईएमए, पीबीपीटीए, एनडीपीएसए और एसएएफईएमए) शामिल हुए।

श्री जेपी सिंह ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ढांचे तथा दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (आईबीसी) के तहत दिवाला कार्यवाही के साथ इसके अंतसंबंधों पर एक व्यापक विहंगावलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने "आपूर्ति," "प्रतिफल," कर योग्य घटनाओं, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) और रिवर्स चार्ज तंत्रों का पुनरावलोकन किया। साथ ही, उन्होंने अंतःराज्यीय और अंतर-राज्यीय लेनदेन को नियंत्रित करने वाले वैधानिक ढांचे की व्याख्या की।

उन्होंने स्विस रिबन्स प्राइवेट लिमिटेड बनाम यूनियन ऑफ इंडिया और घनश्याम मिश्रा एंड संस प्राइवेट लिमिटेड बनाम एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड सहित महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों का उल्लेख करते हुए इस बात पर जोर दिया कि एक बार समाधान योजना स्वीकृत हो जाने के बाद योजना में शामिल नहीं किए गए दावे (वैधानिक बकाय सहित) समाप्त हो जाते हैं।

इस सत्र में कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के दौरान व्यावहारिक अनुपालन भी चर्चा की गई, जैसे कि आईआरपी/आरपी द्वारा नया जीएसटी पंजीकरण, रिटर्न दाखिल करना, आईटीसी की उपलब्धता और वसूली कार्यवाही पर आईबीसी की धारा 14 के तहत स्थगन का प्रभाव।

श्री बालेश कुमार ने आईबीसी और धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के बीच के अंतसंबंधों पर एक ज्ञानवर्धक सत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने "अपराध की कमाई" की अवधारणा को स्पष्ट किया और धन शोधन के तीन चरणों - प्लेसमेंट, लेयरिंग और इंटीग्रेशन - को रेखांकित किया।

इस चर्चा में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) और पीएमएलए अधिकारियों के बीच क्षेत्राधिकार संबंधी जटिलताओं की जांच की गई, विशेष रूप से उन मामलों में जहां सीआईआरपी से गुजर रही कॉर्पोरेट देनदार संस्थाओं की सम्पत्तियों को कुर्क किया जाता है। उन्होंने आईबीसी की धारा 32ए और समाधान प्रक्रियाओं की सुरक्षा के इसके उद्देश्य पर विस्तार से चर्चा की। मनीष कुमार बनाम भारत संघ मामले सहित न्यायिक घटनाक्रमों का हवाला देते हुए उन्होंने विकसित हो रहे कानून पर ध्यान आकर्षित किया, जिसका उद्देश्य धन शोधन रोधी प्रवर्तन के साथ दिवाला समाधान के उद्देश्यों में सामंजस्य स्थापित करना है। उन्होंने हालिया न्यायिक टिप्पणियों पर भी प्रकाश डाला जो समाधान के उद्देश्यों को समर्थन देने में धारा 32ए की प्रधानता को स्वीकार करती हैं।

इस संवादात्मक सत्र ने पीजीआईपी प्रतिभागियों को उन रणनीतिक और व्यावहारिक चुनौतियों के बारे में जानकारी दी, जिनका सामना दिवाला पेशेवर अक्सर विभिन्न कानूनों के टकराव के दौरान करते हैं। इन चचाओं ने प्रभावी समाधान परिणामों को सुनिश्चित करने के लिए कराधान, दिवाला और प्रवर्तन कानूनों के समन्वय को समझने के महत्व को रेखांकित किया।

पीजीआईपी केंद्र के प्रमुख श्री सुधाकर शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और छात्रों को बहुमूल्य अंतर्दृष्टि तथा मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विशिष्ट वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

"मीट द लीजेंड" श्रृंखला प्रतिभागियों को प्रमुख न्यायिक और विनियामक विशेषज्ञों के साथ जोड़कर अकादमिक उत्कृष्टता और पेशेवर क्षमता निर्माण के प्रति आईआईसीए की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

सफल छात्रों के सम्मान में समारोह आयोजित

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। सेवापुरी क्षेत्र के देहली विनायक स्थित कम्पोजिट विद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में सफल छात्रों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सफल विद्यार्थियों को माला पहनाकर तथा नोटबुक-पेन देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार यादव तथा विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल उपस्थित रहे।खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार यादव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों को विद्यालयों में ऐसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अवश्य करानी चाहिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के अधिक से अधिक छात्र इन अवसरों का लाभ उठा सकें और आगे बढ़ सकें।समारोह में राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में सफल छात्रों ओंकार मिश्रा और श्रवण कुमार गुप्ता को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अलावा इंस्पायर अवार्ड में सफल छात्र अंकन कुमार सिंह और ओमप्रकाश केसरी को भी सम्मानित किया गया।बताया गया कि इंस्पायर अवार्ड के तहत छात्रों को मॉडल निर्माण के लिए उनके खाते में 10,000 रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। वहीं छात्रवृत्ति परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को कक्षा 9 से 12 तक चार वर्षों के लिए प्रतिमाह 1,000 रुपये की छात्रवृत्ति मिलेगी।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक रमेश कुमार त्रिपाठी, नोडल शिक्षक संकुल प्रदीप कुमार शुक्ल, सहायक अध्यापक अजय कुमार सिंह, संध्या राय और स्मृति श्रीवास्तव सहित विद्यालय का अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

अनियंत्रित रोडवेज बस डिवाइडर से टकराई, पांच घायल

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। हरहुआ क्षेत्र में मंगलवार देर रात उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की जौनपुर डिपो की रोडवेज बस ओवरब्रिज पर चढ़ते समय अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में चालक, परिचालक समेत तीन यात्री घायल हो गए। सभी घायलों का उपचार सातो महुआ सेहमलपुर स्थित न्यू लक्ष्मी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जौनपुर डिपो की बस संख्या UP78JT6973 लखनऊ से यात्रियों को लेकर रात लगभग 11 बजे जौनपुर रोडवेज से चालक रायकुर भास्कर श्रीवास्तव व परिचालक शिवकुमार गुप्ता (42 वर्ष) छह यात्रियों को लेकर रात करीब 11:30 बजे जौनपुर से बनारस के लिए आ रही थी।

रास्ते में तीन यात्री बाबतपुर में उतर गए। शेष तीन यात्रियों को लेकर बस जैसे ही हरहुआ पुलिस चौकी अंतर्गत काजीसराय बाजार स्थित ओवरब्रिज पर चढ़ रही थी, तभी साइड से अचानक एक वाहन आ गया। उसे बचाने के प्रयास में चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया और बस डिवाइडर पर चढ़कर टकरा गई।

हादसे में चालक रायकुर भास्कर श्रीवास्तव निवासी जफराबाद जौनपुर, परिचालक शिवकुमार गुप्ता निवासी इमलो पांडेय पट्टी जफराबाद जौनपुर तथा यात्री रामकिशोर गुप्ता (65 वर्ष), मंगला द्विवेदी (65 वर्ष) और केशव कुमारी सिंह (65 वर्ष) निवासी नरही हजरतगंज लखनऊ घायल हो गए।

सूचना मिलते ही बड़ागांव थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह व हरहुआ चौकी प्रभारी विवेकानंद द्विवेदी मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। परिजन घायलों को साथ लेकर चले गए।

रंग लगाने को लेकर विवाद में मारपीट, दोनों पक्षों ने किया सुलह

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ चौकी अंतर्गत कोइराजपुर गांव में पड़ोसी को रंग लगाने को लेकर विवाद हो गया जिसमें दोनो पक्षों के लोग घायल हो गए।

प्रथम पक्ष सन्तोष कुमार पुत्र स्व0 रामप्रसाद व द्वितीय पक्ष सेवालाल पुत्र स्व0 सुक्खू निवासी कोइराजपुर ने हरहुआ चौकी पहुंचकर शिकायती पत्र दिया। और आरोप लगाया कि अभद्रता करते हुए गलत तरीके से रंग लगाने का कार्य किया गया। और मारपीट करते हुए घायल कर दिया और पुनः मारने की धमकी दी गई।

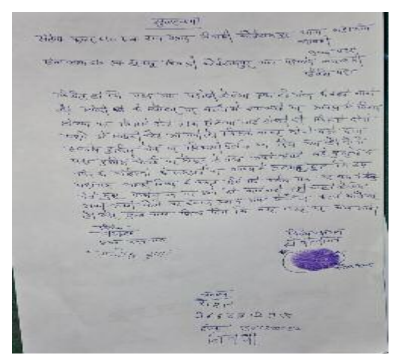

चौकी प्रभारी विवेकानंद द्विवेदी का कहना है कि रंग लगाने के विवाद में दो पक्षों के बीच कहासुनी व मारपीट हुई है और दोनों पक्षों से पूछताछ सक्षम अधिकारी द्वारा की गई, दोनो पक्षों ने आपस मे विवाद न करते हुए दिए गए प्रार्थना पत्र पर कोई कार्यवाही न किये जाने का सुलहनामा लिखकर दे दिया है।

वृद्ध का शव मिला

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। जंसा थाना क्षेत्र में स्थित प्राचीन शिव-पार्वती मंदिर परिसर में बुधवार शाम एक 65 वर्षीय वृद्ध का शव मिला। मृतक की पहचान परम पुर गांव निवासी सोहन राजभर के रूप में हुई है।

बुधवार शाम को मंदिर परिसर में लोगों ने वृद्ध का शव पड़ा देखा। उनके पास ही उनकी साइकिल भी खड़ी मिली, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि वे किसी काम से बाजार की ओर आए थे।

स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही जंसा थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मृतक के परिजनों को सूचित किया।

इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थानाध्यक्ष जंसा अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। मामले की जांच जारी है।

कुंए में गिरे युवक को पुलिस ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाल जान बचाई

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। बड़ागाँव थाना क्षेत्र के हरहुआ चौकी अंतर्गत भटौली गाँव में लगभग 80 फीट गहरे गड्ढे में गिरे युवक को पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से बाहर निकालकर जान बचाई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किशन पुत्र अजीत निवासी धरसौना ,थाना फूलपुर उम्र 19 वर्ष एक भट्ठे पर काम करता था।घरवालों से किसी बात से नाराज होकर लगभग 80 फीट गहरे सूखे कुंए में कूद गया। घटना की सूचना पर हरहुआ चौकी प्रभारी विवेकानंद द्विवेदी मय फोर्स के साथ पहुँच कर ग्रामीणों की मदद से बाहर निकलवाया। युवक को हल्की चोट लगने पर परिजनों ने निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है।

खदान बंद करने और पुनर्उपयोग विषय पर देश की पहली राष्ट्रीय कार्यशाला का नेवेली में आयोजन

समाज जागरण

कोयला मंत्रालय और एनएलसी इंडिया लिमिटेड के तत्वावधान में तमिलनाडु के नेवेली में 23 और 24 फरवरी 2026 को ह्यनिष्कर्षण से आगे बढ़नाः खदान बंद करना और पुनर्उपयोगह्न विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने इस कार्यशाला का उद्घाटन किया और खदान बंद करने और सतत विकास योजना तथा खनन के बाद भूमि के सतत पुनर्उपयोग पर केंद्रित देश की पहली राष्ट्रीय स्तर की पहल के बारे में बताया। कोयला सचिव श्री विक्रम देव दत्त, अपर सचिव श्रीमती रूपिंदर बराड़ और श्री सनोज कुमार झा, कोयला नियंत्रक श्री सजीश कुमार एन और कोयला मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी कार्यशाला में उपस्थित थे।

इस कार्यशाला में बंद किए जाने वाली खानों के 147 नोडल अधिकारियों के साथ-साथ कोयला क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी खनन कंपनियों, नियामक निकायों, गैर सरकारी संगठनों, नीति निमार्ताओं, वित्तीय संस्थानों, शिक्षाविदों, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संगठनों के प्रतिनिधियों सहित 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस विविध भागीदारी ने खानों को बंद करने की प्रक्रिया को अनुपालन-आधारित प्रक्रिया से बदलकर दीर्घकालिक क्षेत्रीय पुनरुत्थान के उत्प्रेरक के रूप में विकसित करने की साझा प्रतिबद्धता को दशार्या।

कार्यशाला के दौरान आयोजित नौ विषयगत सत्रों में सरकार, उद्योग, अनुसंधान संस्थानों, विकास संगठनों और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के 29 प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया। इन विशेषज्ञों ने खदानों को बंद करने और खनन के बाद के बदलावों के बारे में अपने व्यावहारिक अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा की, जिससे नोडल अधिकारियों और प्रतिभागियों को टिकाऊ, समुदाय-उन्मुख खदान बंद करने की रणनीतियों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने के लिए बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

इन सत्रों में खनन के बाद के विभिन्न विकल्पों पुनयोर्जी कृषि, कृषि वानिकी, पशुपालन आधारित आजीविका, खनन क्षेत्रों में मत्स्य पालन, नवीकरणीय ऊर्जा का एकीकरण, पर्यटन विकास, सांस्कृतिक उद्यम, कौशल विकास केंद्र, नीतिगत समन्वय, अंतरराष्ट्रीय वित्त तक पहुंच और संरचित खदान बंद करने में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाएं आदि पर चर्चा की गई। विचार-विमर्श में खनन के बाद के क्षेत्रों में विविध और टिकाऊ आजीविका के अवसर सृजित करने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने खनन प्रभावित क्षेत्रों में समावेशी और टिकाऊ विकास सुनिश्चित करने में सामुदायिक भागीदारी और आजीविका सृजन की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी बल दिया। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि खदानों को बंद करना खनन गतिविधि का अंत नहीं, बल्कि खनन क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों के लिए नए सामाजिक-आर्थिक अवसरों की शुरूआत है। उन्होंने वैज्ञानिक पुनर्स्थापन, पर्यावरण बहाली, खदान बंद करने के लिए आवंटित धनराशि का प्रभावी उपयोग और खनन प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी आजीविका के अवसर सृजित करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में, प्रतिभागियों ने एनएलसी इंडिया लिमिटेड के पुनर्निर्मित और कोयला-मुक्त क्षेत्रों का भी दौरा किया, जहां खनन की गई भूमि को नौका विहार सुविधाओं, पुनर्जीवित जल निकायों और समृद्ध पक्षी आवासों वाले पर्यावरण-पर्यटन स्थलों में परिवर्तित कर दिया गया है। इस भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को यह जानने का अवसर मिला कि वैज्ञानिक पुनर्निर्माण और एकीकृत योजना विक्षुब्ध खनन क्षेत्रों को जैव विविधता से समृद्ध और आर्थिक रूप से उत्पादक भूदृश्यों में परिवर्तित कर सकती है। कार्यशाला में बताया गया कि 25 खानों को वैज्ञानिक तरीके से सफलतापूर्वक बंद किया जाना एक राष्ट्रीय उपलब्धि है, जो देश में व्यवस्थित, पारदर्शी और जवाबदेही शासन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए, कोयला मंत्रालय कई महत्वपूर्ण पहलों को लागू कर रहा है, जिनमें सामुदायिक विकास के लिए एस्क्रो फंड का 25 प्रतिशत अनिवार्य आवंटन शामिल है। इसके प्रभावी कार्यान्वयन को सुगम बनाने के लिए, मंत्रालय ने पहले ही रिक्लेम फ्रेमवर्क (रीच आउट, एनविजन, को-क्रिएट, लोकलाइज, एक्ट, इंटीग्रेट और मेंटेन) जारी कर दिया है, जो खनन प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका है।

मंत्रालय ने, खनन से क्षतिग्रस्त भूमि के सतत पुनर्उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, पहले एलआईवीईएस फ्रेमवर्क पेश किया था और इंटरैक्टिव ऑनलाइन टूल सुविकल्प विकसित किया था, ताकि परियोजना प्रस्तावक उपयुक्त पुनर्उपयोग परियोजनाओं की पहचान और कार्यान्वयन में सहायता कर सकें।

कोयला मंत्रालय के अधीन कोयला नियंत्रक संगठन कार्यशाला से मिली गति को आगे बढ़ाते हुए, राष्ट्रीय वेबिनारों की एक श्रृंखला आयोजित करने की योजना बना रहा है। इन वेबिनारों में आजीविका विविधीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण, अंतरराष्ट्रीय वित्त तक पहुंच, पर्यटन आधारित विकास, कौशल इकोसिस्टम और हितधारकों के बीच सतत ज्ञान आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने जैसे विशिष्ट विषयगत क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इस कार्यशाला का सफल संचालन सरकार की इस प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है कि खदानों को बंद करना केवल एक वैधानिक दायित्व नहीं, बल्कि इसे देश भर के खनन क्षेत्रों में पर्यावरणीय बहाली, समावेशी विकास और दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक लचीलेपन के लिए एक परिवर्तनकारी अवसर बनाना है।

भारत और फिनलैंड ने कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा तथा कार्यबल गतिशीलता में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की

कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयंत चौधरी ने आज फिनलैंड के रोजगार मंत्री श्री मटियास मार्टिनेन के साथ कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और कार्यबल गतिशीलता के क्षेत्रों में भारत और फिनलैंड के बीच सहयोग को मजबूत बनाने के अवसरों का पता लगाने के लिए द्विपक्षीय बैठक की।

इस बैठक में अनुकूल और भविष्य के लिए तैयार प्रतिभा इकोसिस्टम के निर्माण में दोनों देशों के बीच बढ़ते समन्वय पर चर्चा की गई। दोनों मंत्रियों ने व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने और कुशल कार्यबल की गतिशीलता के लिए मार्ग प्रशस्त करने हेतु संस्थानों, उद्योग और प्रशिक्षण प्रणालियों के बीच सहयोग को और मजबूत बनाने के अवसरों पर चर्चा की।

इस अवसर पर कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयंत चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अंतर्गत, भारत विश्व की वैश्विक कौशल राजधानी बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। सबसे युवा और गतिशील कार्यबल में से एक, तेजी से विस्तारित हो रहे कौशल विकास तंत्र के समर्थन से, भारत वैश्विक उद्योगों में कुशल प्रतिभाओं का योगदान देने के लिए अच्छी स्थिति में है। भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति और फिनलैंड की तकनीकी एवं व्यावसायिक उत्कृष्टता कौशल क्षेत्र में एक स्वाभाविक साझेदारी का निर्माण करती है। हमारी चर्चा प्रशिक्षण तंत्रों के बीच व्यावहारिक सेतु बनाने, संस्थागत सहयोग को मजबूत करने और उच्च प्रशिक्षण और गतिशीलता मानकों को बनाए रखते हुए कुशल युवाओं के लिए वैश्विक अवसरों तक पहुंच के मार्ग प्रशस्त करने पर केंद्रित थी।

फिनलैंड के रोजगार मंत्री श्री मटियास मार्टिनेन ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा और कार्यबल विकास के क्षेत्र में भारत के साथ बढ़ती साझेदारी को फिनलैंड महत्व देता है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत और उनके कार्यबल को मजबूत कर रहे उच्च कुशल भारतीय पेशेवरों के योगदान की हृदय से सराहना करते हुए कहा कि भारत का मजबूत कौशल विकास तंत्र और युवा प्रतिभा भावी सहयोग के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि अपने संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग को मजबूत करके, हम नवाचार, कौशल विकास और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए कार्यबल संबंधी चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं।

चर्चा के दौरान भारत के बढ़ते कौशल विकास तंत्र और फिनलैंड की बदलती श्रम बाजार आवश्यकताओं के बीच विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, निर्माण, हरित प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण क्षेत्रों को मान्यता दी गई। दोनों पक्षों ने संरचित और पारस्परिक रूप से लाभकारी गतिशीलता ढांचों के महत्व पर बल दिया, जो कुशल पेशेवरों को वैश्विक अवसरों तक पहुंच प्रदान करने के साथ-साथ उच्च स्तर के प्रशिक्षण, प्रमाणन और श्रमिक कल्याण को सुनिश्चित करते हैं।

इस संवाद के दौरान, दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के बीच साझेदारी को मजबूत करने, ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और उद्योग-नेतृत्व वाली कौशल विकास पहलों को प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने प्रशिक्षकों की क्षमता निर्माण, अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता को समर्थन देने के लिए भाषा प्रशिक्षण का एकीकरण और शिक्षार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ-साथ शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करने में सक्षम बनाने वाले मार्ग विकसित करने जैसे क्षेत्रों पर भी विचार-विमर्श किया।

इस चर्चा में दोनों देशों के संस्थानों और उद्योग जगत के हितधारकों के बीच घनिष्ठ सहयोग की संभावनाओं का भी उल्लेख किया गया, ताकि कौशल मानकों को उभरती वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जा सके। दोनों पक्षों ने व्यावसायिक योग्यताओं की सुगम मान्यता सुनिश्चित करने और कार्यबल की कमी का सामना कर रहे क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की आवाजाही को प्रोत्साहित करने वाले तंत्रों की खोज में रुचि व्यक्त की।

भारत और फिनलैंड के बीच पर्यावरण सहयोग पर समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण

समाज जागरण

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव और फिनलैंड की जलवायु और पर्यावरण मंत्री सुश्री सारी मुलतला ने नई दिल्ली में भारत और फिनलैंड के बीच पर्यावरण सहयोग पर समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण किया।

भूपेंद्र यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि, उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि भारत ने वर्ष 2020 में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण किया है। इससे ज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग के माध्यम से प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण, अपशिष्ट प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, वन और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर सहयोग और गहरा होगा।

नवीनीकृत समझौता ज्ञापन दोनों देशों के बीच सहयोग और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के लिए एक संरचित ढांचा प्रदान करना जारी रखेगा, जिसमें मुख्य रूप से वायु और जल प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण (दूषित मिट्टी फिर से उपयोग के लिए तैयार करना); अपशिष्ट प्रबंधन (खतरनाक अपशिष्ट, अपशिष्ट-से-ऊर्जा और पुनर्चक्रण सहित); प्राकृतिक संसाधनों और वनों के उपयोग में चक्रीय अर्थव्यवस्था और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना; जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन; पर्यावरण और वन निगरानी (डेटा प्रबंधन सहित); और समुद्री और तटीय संसाधनों का संरक्षण और सतत उपयोग तथा एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन शामिल हैं।

दोनों पक्षों ने केंद्रित संवाद और संयुक्त पहलों के माध्यम से चक्रीय अर्थव्यवस्था पर सहयोग के अवसरों पर भी चर्चा की।

15 करोड़ से अधिक के गबन का मामला: रामाबाई क्रिश्चियन अस्पताल प्रकरण में अब्राहम क्रिस्टी और प्रयास कुमार प्रकाश गिरफ्तार, FIR में चौंकाने वाले खुलासे

समाज जागरण

शहडोल शहर के बहुचर्चित रामाबाई क्रिश्चियन अस्पताल गबन प्रकरण में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। करीब 15 करोड़ 39 लाख 80 हजार रुपये के कथित गबन के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी अब्राहम क्रिस्टी और प्रयास कुमार प्रकाश को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला थाना कोतवाली शहडोल में दर्ज अपराध क्रमांक 870/22 से जुड़ा हुआ है, जिसमें भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है

मामले में सामने आई FIR और दस्तावेजों के अनुसार यह पूरा विवाद रामाबाई क्रिश्चियन अस्पताल के संचालन और उससे जुड़े वित्तीय अधिकारों को लेकर हुए MOU (समझौता ज्ञापन) और उसके बाद हुए कथित वित्तीय दुरुपयोग से जुड़ा हुआ है। दस्तावेजों के अनुसार, अस्पताल का संचालन NMSI (National Missionary Society of India) नामक संस्था के अधीन बताया गया है, जो इस संस्थान की मालिक संस्था है।

कैसे शुरू हुआ पूरा विवाद

FIR में दर्ज विवरण के अनुसार रामाबाई क्रिश्चियन अस्पताल के संचालन को लेकर वर्ष 2012 में एक MOU किया गया था। यह समझौता NMSI संस्था और अस्पताल के संचालन से जुड़े प्रति निधियों के बीच हुआ था। समझौते के अनुसार अस्पताल के प्रशासन और संचालन के लिए कुछ व्यक्तियों को जिम्मेदारी दी गई थी।

बताया गया है कि इस MOU के तहत अस्पताल के संचालन, वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक कार्यों के लिए स्पष्ट नियम और शर्तें तय की गई थीं। लेकिन बाद में आरोप लगा कि इन नियमों का उल्लंघन करते हुए अस्पताल से जुड़े वित्तीय लेन-देन में भारी अनियमितताएं की गईं। FIR में उल्लेख है कि अस्पताल की संपत्ति, बैंक खातों और वित्तीय संसाधनों का उपयोग नियमों के विपरीत किया गया, जिससे संस्था को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

15 करोड़ से अधिक की राशि के गबन का आरोप

FIR में यह भी उल्लेख किया गया है कि जांच के दौरान यह पाया गया कि करीब 15,39,80,000 रुपये की राशि का कथित रूप से दुरुपयोग किया गया। आरोप है कि अस्पताल से जुड़े आर्थिक संसाधनों का उपयोग संस्था के हितों के विपरीत करते हुए निजी और अनधिकृत कार्यों में किया गया। दस्तावेजों के अनुसार, अस्पताल की आय, दान और अन्य वित्तीय स्त्रोतों से प्राप्त राशि के उपयोग में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

शिकायत में कहा गया है कि संस्था के नियमों और MOU की शर्तों का उल्लंघन करते हुए वित्तीय लेन-देन किए गए, जिससे संस्था को करोड़ों रुपये की आर्थिक क्षति हुई।

MOU के नियमों का उल्लंघन

FIR के अनुसार MOU में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख था कि अस्पताल की संपत्ति, आय और संसाधनों का उपयोग केवल संस्था के निर्धारित उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। इसके बावजूद आरोप है कि संबंधित व्यक्तियों ने बिना अनुमति के कई वित्तीय निर्णय लिए और संस्थान की संपत्ति एवं आय का उपयोग नियमों के विरुद्ध किया।

दस्तावेजों में यह भी कहा गया है कि MOU की कुछ महत्वपूर्ण शर्तों का उल्लंघन करते हुए अस्पताल की वित्तीय व्यवस्था में बदलाव किए गए और संस्था की अनुमति के बिना आर्थिक निर्णय लिए गए।

'ब्रीच ऑफ ट्रस्ट' और धोखाधड़ी के आरोप

FIR में आरोप लगाया गया है कि अस्पताल के संचालन से जुड़े कुछ जिम्मेदार लोगों ने संस्था द्वारा दिए गए अधिकारों का दुरुपयोग किया। दस्तावेजों के अनुसार यह मामला केवल वित्तीय अनियमितता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें विश्वासघात (Breach of Trust), धोखाधड़ी Cheating और संस्थान की संपत्ति के दुरुपयोग के आरोप भी शामिल हैं। इसी आधार पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

मुख्य आरोपी कौन हैं

इस मामले में प्रयास कुमार प्रकाश और अब्राहम क्रिस्टी को मुख्य आरोपी बताया गया है।

दस्तावेजों के अनुसार दोनों पर आरोप है कि उन्होंने अस्पताल के संचालन से जुड़े अधिकारों का उपयोग करते हुए वित्तीय नियमों का उल्लंघन किया और संस्थान को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य और दस्तावेज मिलने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

लंबे समय से चल रही थी जांच

इस प्रकरण में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस द्वारा वित्तीय दस्तावेजों, बैंक खातों, प्रशासनिक रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही थी। जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज सामने आए, जिनके आधार पर आरोपियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई।

सूत्रों के अनुसार मामले में आर्थिक लेन-देन से जुड़े कई दस्तावेजों की जांच की गई, जिससे कथित गबन का मामला सामने आया।

गिरफ्तारी के बाद पूछताछ

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस कथित गबन में और कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि जांच के दौरान यदि अन्य लोगों की भूमिका सामने आती है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

मामले में आगे क्या होगा

इस बहुचर्चित मामले में अब पुलिस द्वारा वित्तीय जांच को और विस्तृत करने की तैयारी की जा रही है।

जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि अस्पताल के वित्तीय लेन-देन में किन-किन स्तरों पर अनियमितताएं हुईं और किन लोगों की भूमिका इसमें रही।

पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच निष्पक्ष रूप से की जा रही है और जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पकरिया में पानी टंकी के पास शासकीय भूमि पर कब्जे की होड़, गरीब की झोपड़ी पर भी दबंगों का कब्जा – प्रशासन मौन

समाज जागरण अनूपपुर/कोतमा। जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पकरिया में पानी टंकी के पास स्थित शासकीय भूमि पर इन दिनों अवैध कब्जों की होड़ मची हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के कुछ प्रभावशाली लोग भररा टोला के आदिवासी परिवारों, विशेषकर महिलाओं को आगे कर पहले शासकीय जमीन पर कब्जा करवाते हैं और बाद में उक्त भूमि को बेच देते हैं। हाल ही में ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जिसमें कब्जा कर जमीन डेढ़ लाख रुपये में बेचे जाने की चर्चा है।

ग्रामीणों के अनुसार इसी क्रम में एक गरीब परिवार के ओमप्रकाश साहू द्वारा बनाए गए छोटे से घर पर भी जबरन कब्जा कर लिया गया। आरोप है कि विरोध करने पर धमकी दी जाती है।

बताया जा रहा है कि जिस शासकीय भूमि पर कब्जा किया जा रहा है, वहीं भविष्य में पीडीएस भवन, पंचायत भवन, गौशाला एवं बच्चों के खेल मैदान का निर्माण प्रस्तावित है। पास में ग्राम पंचायत का शौचालय भी निर्मित है, फिर भी अतिक्रमण जारी है। स्थानीय नागरिकों ने थाना कोतमा प्रभारी एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की है, ताकि आगामी योजनाएं प्रभावित न हों।

इनका कहना है

मैंने तहसीलदार से बात की है। उन्होंने कहा है कि त्यौहार समाप्त होने के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाएगी

राजू राम जोशी सचिव सचिव, ग्राम पंचायत पकरिया

इनका कहना है

मैंने तहसीलदार को फोन लगाया था, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। अभी छुट्टी का समय है और इसी दौरान अतिक्रमण किया जा रहा है। होली की छुट्टी बीत जाने के बाद मैं विधिवत पत्र बनाकर तहसीलदार को दूंगा और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कराई जाएगी संतोष सिंह गोड सरपंच, ग्राम पंचायत पकरिया

नमूना जांच तक सिमटा खाद्य महकमा

मौत के सौदागरों से सांठ गांठ की काली परछाई

समाज जागरण

उमरिया--- उमरिया जिले में अमानक खाद्य पदार्थों, मिलावटी खाद्य सामग्री,नकली और मिलते - जुलते नाम की खाद्य सामग्री, एक्सपायरी तिथि की सामग्री, का प्रचलन पूरे जिले भर में जोरों पर कही भी निरतंर रूप से जारी है , लेकिन जिले में पदस्थ खाद्य विभाग का महकमा अपनी ताजपोशी का पूरा लाभ उठाते हुए लाखों रूपयों का वारा न्यारा हर माह करती देखी जा रही है और कार्यवाही के नाम पर सेपलिंग का खेल खेलकर बाजार में मौत के सौदागरों को खुली छुट दे रखी है। जब तब जिला खाद्य अधिकारी व्दारा बाजार में छापामार कार्यवाही तो की जाती है,जिस पर सेपलिंग तक ही इनकी कार्यवाही सिमटी नजर आ रही है। उसके आगे की कार्यवाही उनके डिक्शनरी में नहीं है ।तभी तो हर साल या कि अब तक हजारों सैंपलिग ली जा चुकी है,लेकिन उसके आगे कितने मामलों में कार्यवाही हुई वह न के बराबर देखी जा रही है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी की यह सैंपलिग की कार्यवाही उन व्यवसायियों को खबर दार करने के लिए पर्याप्त होती है ,जो जिला खाद्य अधिकारी की हुकुमत मानने को तैयार नहीं थे। अब वह भी खाद्य अधिकारी की सामाज्य के आधीनता स्वीकार कर उनके मंशा के अनुरूप हर माह पैरवी करने पहुचने लगते हैं। खाद्य विभाग में सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्यवाही का प्रावधान है जिसके तहत नमूना लेना , जांच, कार्यवाही, लाइसेंस निरस्त करना, दंड लगाने के कठोर नियम शामिल हैं परन्तु उमरिया जिले में खाद्य विभाग के व्दारा अधिकतम मामलों में सैंपलिग और जांच में ही मामलो का निराकरण कर लिया जाता है। अधिकाशतः मामले इसी स्तर पर सुलझा लिये जाते हैं, चूंकि उमरिया जिले में सभी बाजारों में खाद्य विभाग की गहरी पैठ है और कार्यवाही न हो इसके लिए बकायदा व्यापारियों से इन अधिकारियों का महीने का हक हिसाब बराबर पहुंचता रहता है, जो प्रतिमाह एक एक शहर से लाखों में होता है । अगर कभी इस पर कमी हुई तो खाद्य अधिकारी के कोप भाजन का शिकार वहा के व्यवसायियो को भुगतना पड़ता है, उन दूकानों में फिर शुरू होती है, छापामार कार्यवाही। जिले भर के व्यापारी प्रतिष्ठानों में खाद्य महकमा के अधिकारियों की भारतीय आतित्थ परंपरा के अनुरूप उनकी मेहमान नवाजी, स्वागत कर बिदाई में थैली भेंट की परंपरा को बखूबी निभाते देखे जाते हैं ।

उमरिया जिले में कई सनसनी खेज मामले प्रकाश में आये लेकिन उन मामलों में भी छापामार कार्यवाही और नमूना जांच के बाद किसी पर आज तक वैधानिक कार्यवाही का चाबुक न चलना खाद्य विभाग की ईमानदारी की एक झलक के रूप में देखी जा रही है।

उमरिया जिले में राष्ट्रीय उद्यान स्थित ताज सफारी और मानसून फॉरेस्ट पर 11 दिसंबर 2025 को खाद्य विभाग की छापामार कार्यवाही में ताज सफारी में बिना लाइसेंस के अवैध बार व बेक्ररी और मानसून फॉरेस्ट में सडी सब्जियां, कीट युक्त आटा, गंदगी पाये जाने पर दोनों रिसांर्टस के खिलाफ नोटिस जारी कर लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही की गयी थी, लेकिन दोनों रिसांर्टस आज तीन माह व्यतीत होने के बाद भी यथावत अपने कारनामों को अंजाम तक पहुचा रहे हैं। इस तरह खाद्य विभाग व्दारा इस पर तरह के घिनौना खेल खेला जा रहा है , जिससे सही और ईमानदार व्यापारियों के नाक में दम करके रखा है, जिससे यह प्रतीत होता है कि जब खाद्य विभाग को पैसा भरना ही है तो उसी से हम भी दो पैसा कमाने की जुगत करना चाहिए और यही से शुरू होता अमानक पदार्थों की बिक्री का सिलसिला जिसके नाग फास में पूरा बाजार फंसा नजर आ रहा है। अपेक्षा है वरिष्ठ अधिकारियों से की उमरिया जिले के अब तक की कार्यवाही की एक बार समीक्षा कर भष्ट और बेईमानी की राह पकड चुके खाद्य विभाग के कृत्यों पर रोक लगाने आवश्यक कदम उठायेगे।

नवीन मंदिर जी में कलशारोहण, ध्वजारोहण सम्पन्न

समाज जागरण

बुढार। 25 फरबरी, से 2 मार्च 2026 तक पूज्य मुनि 108 प्रमाण सागर जी, निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर जी, मुनि शीतल सागर जी, संधान सागर जी , क्षुल्लक समादार सागर जी के पावन सानिध्य में एवं प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी अशोक भैया, अभय भैया जी के कुशल मार्ग दर्शन में सम्पन्न बृहद अभूतपूर्व श्रीमज्जिनेंद्र पंच कल्याणक महामहोत्सव के पश्चात गत 5 मार्च 2026 को श्री शांति नाथ जिनालय बुढार के शिखर में कलशा रोहण, एवं ध्वजा रोहण कार्य सम्पन्न हुआ। उक्त अवसर में मुनि प्रसाद सागर जी , शीतल सागर जी का पावन सानिध्य उपलब्ध रहा। ज्ञात हो इस नवीन जिनालय में सवा सात फुट सफेद पाषाण की भगवान शांति नाथ की अद्वितीय, मनभावक, मोहक क्षवि देख, मन झूम उठता है। महा न्यास समिति, जैन समाज बुढार , युवा संगठन , त्रिशला मंडल, जागृति मंडल, बालिका मंडल, वासुपूज्य जिनालय, के अथक प्रयासों से महा महोत्सव निर्विघ्न सम्पन्न हुआ। यह पूरा कार्यक्रम बुढार,

धनपुरी, अमलाई, चचाई, अनूपपुर जैतहरी, पेंड्रा, मनेंद्रगढ़, बिजुरी, चिरमिरी, कोतमा, रांची, कटनी, दमोह सागर,शहडोल, उमरिया, पाली, भोपाल , ललितपुर सहित देश विदेश के श्रद्धालुओं का साक्षी बना। जैन श्रद्धालुओं के अलावा, कसौधन समाज, सिंधी समाज , सिख समाज, लखेर समाज, गुट समाज, अग्रवाल समाज, मारवाड़ी समाज, केशरवानी समाज सहित बुढार एवं आस पास के समस्त नागरिकों के अपनी भूमिका , उपस्थिती दर्ज कराई।

चंदिया नगर के मध्य स्थापित शराब दुकान को हटाने एवं अवैध पैकारी पर प्रतिबंध लगायें जाने के संबंध में वस्तु स्थिति

समाज जागरण विजय तिवारी

उमरिया ।जिला आबकारी अधिकारी ने चंदिया नगर के मध्य स्थापित शराब दुकान को हटाने एवं अवैध पैकारी पर प्रतिबंध लगायें जाने के संबंध में वस्तु स्थिति बताते हुए कहा कि दिनकर सिंह तिवारी आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त उमरिया को शिकायत की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने निर्देशित किया गया था जिसके परिपालन में आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त उमरिया द्वारा शिकायत के संबंध में प्रतिवेदन दिनांक 26 फरवरी 2026 को प्रस्तुत किया गया है। प्रतिवेदन में वर्ष 2025-26 महाकाल लीकर्स चंदिया एफ.एल. एवं चंदिया सी.एस. दोनों कमशः 35179238 रुपए एवं 14369718 रुपए मूल्य पर आवंटित की गई है। वह शासन के नियमानुसार आवंटित की गयी है। रघुवंशी द्वारा अपने पत्र में शहर आबादी व नेशनल हाइवे से 500 मीटर की दूरी का उल्लेख करते हुए उसे आबकारी नियम के विरूद्ध बताया गया है जबकि उक्त दोनों दुकानें मध्यप्रदेश राज दिनांक 14 फरवरी 2025 एवं सामान्य प्रयोग के नियमानुसार ही स्थापित संचालित है जो आपत्ति रहित स्थल है एवं विगत कई वर्षों से उसी स्थल पर संचालित है ।अवैध मदिरा के विरूद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है तथा अवैध मदिरा संग्रहण एवं विक्रय पर कार्यवाही करते हुए अपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किये गए हैं।

विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त शिकायतों पर भी त्वरित कार्यवाही की जाती है। यह कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

नशामुक्त भारत का संदेश लेकर 6 हजार किमी पदयात्रा करते अमलाई पहुंचे असम के पल्लव देव, चीनी मित्र मंडली ने किया भव्य स्वागत

समाज जागरण अनूपपुर।

देश को नशामुक्त बनाने का संकल्प लेकर असम से पैदल भारत यात्रा पर निकले युवा पल्लव देव सोमवार को अनूपपुर जिले के नगर परिषद बरगवां-अमलाई पहुंचे। लगभग 303 दिन की पदयात्रा और 6 हजार 20 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर अमलाई पहुंचे पल्लव देव ने यहां लोगों को नशामुक्ति का संदेश दिया। असम के श्रीभूमि जिले के रानीबाड़ी गांव निवासी 25 वर्षीय स्नातक पल्लव देव ने 5 मई 2025 को देश को नशामुक्त बनाने का संकल्प लेकर अपनी पदयात्रा शुरू की थी। यात्रा के 303वें दिन जब वे अमलाई पहुंचे तो नगर परिषद बरगवां-अमलाई के पार्षद एवं समाजसेवी पवन कुमार चीनी और उनकी मित्र मंडली सहित स्थानीय नागरिकों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान पल्लव देव ने चीनी मित्र मंडली द्वारा किए गए स्वागत और समाजसेवा की भावना की सराहना भी की।

पल्लव देव ने बताया कि बचपन से उनका सपना भारतीय सेना में जाकर देश की सेवा करने का था, लेकिन किन्हीं कारणों से यह सपना पूरा नहीं हो सका। इसके बाद उन्होंने समाज

के भीतर रहकर नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से पैदल भारत यात्रा शुरू की।

अपने कंधे पर भारी बैग और हाथों में तिरंगा लेकर चल रहे पल्लव देव युवाओं को नशे की लत से दूर रहने और स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश दे रहे हैं। उनकी यात्रा असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ होते हुए मध्य प्रदेश तक पहुंच चुकी है। पल्लव देव ने कहा कि आज देश की युवा पीढ़ी तेजी से नशे की गिरफ्त में जा रही है, जिसे रोकना बेहद जरूरी है। उनका मानना है कि नशामुक्त समाज ही सशक्त भारत की नींव है। उन्होंने कहा कि उनकी यह पदयात्रा लोगों को जागरूक करने और नशामुक्त भारत का सपना साकार करने की दिशा में एक छोटा सा प्रयास है।

अमलाई में लोगों से संवाद करने के बाद पल्लव देव अपनी अगली यात्रा के लिए तीन नंबर धनपुरी और बुढार की ओर रवाना हो गए। उनकी इस प्रेरणादायी यात्रा से स्थानीय युवाओं में भी खासा उत्साह देखा गया और कई लोगों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

कानपुर में भी जमकर खेली गई होली पुलिस वाले भी थिरके, मारपीट ,बवाल में कई गिरफ्तार

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां होलिका दहन के बाद जमकर होली खेली गई। पुलिस लाइन में भी इसका आयोजन किया गया जिसमें पुलिस के सभी छोटे-बड़े अधिकारियों कर्मचारियों भी ने एक दूसरे से होली खेली। इस दौरान नशेबाजी और बवाल करने वालों के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस ने तगड़ी तैयारी भी रही। और जो कोई भी ऐसा करता पाया गया। उसके खिलाफ कार्रवाई भी की गई।

दरअसल उत्तर प्रदेश के इस अति संवेदनशील महानगर में होली दीपावली जैसा कोई भी त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करना बहुत सरल नहीं माना जाता। यही वजह है कि होली को लेकर कमिश्नरेट पुलिस ने हर तरह से तगड़ी तैयारी

पहले ही कर ली थी ,जिसके तहत रंग खेलने के दौरान शराब पीकर बवाल करने और मारपीट आदि करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। इसके लिए यहां के सभी थानेदारों को पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल द्वारा आवश्यक आदेश निर्देश पहले ही दिए जा चुके थे। रंग खेलने के दौरान बवाल करने वालों से निपटने के लिए सुरक्षा समेत तगड़ी तैयारी के अनुरूप जगह-जगह पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

जहां तक होली के दौरान बवाल की बात है । कई थाना क्षेत्रों में रंग लगाने को लेकर और शराबियों की वजह से भी मारपीट और झगड़े की घटनाएं हुई ,जिसकी सूचना पर तत्काल पहुंची पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में भी लिया। इस तरह की घटनाएं एक आध को छोड़कर जिले के लगभग हर थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

Business Loan Insuranceक्यों है जरूरी? कहीं आपकी एक चूक परिवार और संपत्ति को संकट में न डाल दे!

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बिजनेस लोन के साथ इंश्योरेंस लेना कानूनी जरूरी नहीं, पर समझदारी है। यह अनहोनी की स्थिति में आपके परिवार और संपत्ति को कर्ज के बोझ से बचाता है किसी भी उद्योगपति-व्यापारी के लिए बिजनेस खड़ा करना एक सपने को सच करने जैसा होता है। कई बार इस सपने को पूरा करने के लिए अक्सर बैंक से मोटा बिजनेस लोन लिया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि अगर कल बिजनेस ओनर को कुछ हो जाए, तो उस करोड़ों के कर्ज का क्या होगा? क्या बैंक परिवार के घर और निजी संपत्ति को कुर्क कर देगा? या फिर बिजनेस रातों-रात बंद हो जाएगा?

भारत में इन अनिश्चितताओं से बचने के लिए ह्यबिजनेस लोन इंश्योरेंस एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। हालांकि, इसे लेकर अधिकतर लोगों को जानकारी का अभाव है। यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस की चीफ टेक्निकल ऑफिसर आरती मुलिक और आनंद राठी इंश्योरेंस ब्रोकर्स के हेड (एम्प्लॉई बेनिफिट्स) मिलिंद तायडे ने इस विषय के हर पहलू पर विस्तार से रोशनी डाली है। बिजनेस लोन इंश्योरेंसः एक सुरक्षा कवच या महज औपचारिकता? बिजनेस लोन इंश्योरेंस (जिसे अक्सर लोन प्रोटेक्शन इंश्योरेंस भी कहा जाता है) को अक्सर लोग बैंक की एक जबरन थोपी गई शर्त मानते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स की नजर में यह एक अनिवार्य रिस्क मैनेजमेंट टूल है।

अमेरिका से व्यापार करार में एशियाई प्रतिद्वंद्वियों से कम शुल्क दर पर भारत का जोर

फैसला आने से पहले भारत ने अमेरिका को भारतीय उत्पादों पर 18 फीसदी शुल्क लगाने के लिए राजी कर लिया था

अमेरिका के साथ अपने व्यापार करार में भारत शुल्क के मामले में एशियाई प्रतिद्वंद्वियों से ज्यादा फायदे पर जोर दे सकता है। उसका मकसद अमेरिकी बाजार में पैठ के मामले में मिले वे लाभ और बढ़त बनाए रखना है, जो डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा अलग-अलग देशों पर लगाए गए खास कर खत्म करने का अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने से पहले उसे हासिल हो चुके थे।

फैसला आने से पहले भारत ने अमेरिका को भारतीय उत्पादों पर 18 फीसदी शुल्क लगाने के लिए राजी कर लिया था, जबकि इंडोनेशिया, बांग्लादेश और पाकिस्तान पर 19-19 फीसदी, वियतनाम पर 20 फीसदी और चीन पर 34 फीसदी शुल्क लग रहा था।

नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर एक सरकारी अधिकारी ने बताया, ह्यअमेरिका के साथ हमारा करार इस तरह किया गया था कि अपने प्रतिस्पर्द्धियों की तुलना में हमें ज्यादा फायदा हो। हमारा जोर इसी बात पर रहेगा समझौते को अंतिम रूप देते समय यह फायदा खत्म नहीं हो।

अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद शुल्क पर अनिश्चितता बन गई, जिस कारण भारत के मुख्य व्यापार वातार्कार दर्पण जैन के नेतृत्व वाले दल को 22 फरवरी की अपनी अमेरिका यात्रा टालनी पड़ी। लेकिन अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हावर्ड लटनिक ने पिछले सप्ताह निजी यात्रा के दौरान नई दिल्ली में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की तथा चर्चा को बेहद सार्थक बताया।

एक दिन बाद गोयल ने कहा कि अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद के घटनाक्रम पर भारत की नजर है और अंतरिम व्यापार करार में सबसे अच्छी संभावनाओं के लिए वह अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेगा।

दुनिया के केंद्रीय बैंक अचानक क्यों धीमे पड़ गए? जनवरी में सोना खरीद सिर्फ 5 टन

कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव से खरीदारी थमी; उज्बेकिस्तान सबसे बड़ा खरीदार, रूस ने बेचा सोना

दुनिया के केंद्रीय बैंकों की सोना खरीद में जनवरी में अचानक बड़ी गिरावट देखने को मिली। जहां पिछले 12 महीनों में औसतन हर महीने करीब 27 टन सोना खरीदा जा रहा था, वहीं जनवरी में यह आंकड़ा घटकर सिर्फ 5 टन रह गया। विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और कुछ मौसमी कारणों की वजह से केंद्रीय बैंकों ने इस बार खरीदारी में सावधानी बरती। उज्बेकिस्तान ने बढ़ाई सबसे ज्यादा खरीद इस दौरान उज्बेकिस्तान सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा। देश के केंद्रीय बैंक ने 9 टन सोना खरीदा, जिससे उसका कुल सोना भंडार बढ़कर 399 टन हो गया। अब उज्बेकिस्तान के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 86% तक पहुंच गई है, जबकि 2020 में यह सिर्फ 57% थी। मलेशिया ने 2018 के बाद खरीदा सोना मलेशिया के केंद्रीय बैंक ने भी 3 टन सोना खरीदा। इसके साथ ही देश का कुल सोना भंडार बढ़कर 42 टन हो गया, जो उसके कुल भंडार का करीब 5% है। खास बात यह है कि मलेशिया ने 2018 के बाद पहली बार अपने सोने के भंडार में बढ़ोतरी की है।

चीन ने लगातार 15वें महीने खरीदा सोना चीन के केंद्रीय बैंक ने जनवरी में 1 टन सोना खरीदा। इसके साथ ही चीन ने लगातार 15वें महीने सोना खरीदने का सिलसिला जारी रखा। अब चीन के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी लगभग 10% के करीब पहुंच गई है।

पशु भी चाहते हैं आजादी और प्रेमपूर्ण व्यवहार

दरअसल, देश भर में जंगलों की तेजी से कटाई के कारण वन्य पशुओं का आशियाना दिनोंदिन उजड़ता जा रहा है। आज विश्व की कुल जनसंख्या 08 अरब (08 अरब साढ़े 17 करोड़) से भी अधिक हो चुकी है और प्रत्येक वर्ष इससे दो गुना से भी ज्यादा लगभग 18 अरब तक वृक्षों की कटाई हो रही है। बढ़ती जनसंख्या और घटती वन-संपदा ने जिन कुछ प्रमुख समस्याओं को जन्म दिया या बढ़ाया है, उनमें सर्वाधिक चिंतनीय और घातक समस्या वन्य पशुओं का लगातार बढ़ता हुआ आतंक है। उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिले बहराइच का प्रकरण सामने है, जहां मार्च 2024 में शुरू हुए भेड़ियों के खूनी हमलों के सर्वाधिक शिकार इलाके के छोटे-छोटे बच्चे हुए। इन हमलों में अब तक लगभग 10 बच्चों समेत कम-से-कम एक दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं। दुर्भाग्य से घायलों में भी अधिकतर बच्चे ही हैं। वैसे देखा जाए तो भेड़िए ही नहीं, बल्कि हाथी, शेर, सियार, तेंदुआ, चीता, भेड़िया, भालू और बाघ जैसे बेहद खूंखार और भयावह वन्य पशुओं का मानव बस्तियों में अतिक्रमण और उनके द्वारा मनुष्यों, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं पर हमले किए जाने की घटनाएं दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में बाघों, भालुओं, तेंदुओं और जंगली हाथियों, मध्य प्रदेश में सियारों एवं पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में जंगली हाथियों के हमले मनुष्यों कोई नई बात नहीं है। निर्विवाद रूप से ये घटनाएं अत्यंत दुरूखद और भयावह हैं। इसलिए लोगों का आक्रोशित होना उचित है, लेकिन प्रश्न है कि आखिर जंगल में आजाद विचरण करने, छोटे वन्य पशुओं का शिकार कर अपना तथा परिवार का भरण-पोषण करने और सामान्यतः अपने परिवार के साथ जीवन यापन करने वाले ये भेड़िए इतने खूंखार क्यों हो गए कि हमारे छोटे-छोटे मासूम बच्चों को मारकर खाने लगे। दरअसल, देश भर में जंगलों की तेजी से कटाई के कारण वन्य पशुओं का आशियाना दिनोंदिन उजड़ता जा रहा है। आज विश्व की कुल जनसंख्या 08 अरब (08 अरब साढ़े 17 करोड़) से भी अधिक हो चुकी है और प्रत्येक वर्ष इससे दो गुना से भी ज्यादा लगभग 18 अरब तक वृक्षों की कटाई हो रही है। पेड़ों की इस अंधाधुंध कटाई की भरपाई किए जाने का एक ही तरीका हो सकता है और वह है तीव्र गति से नए पौधों का रोपण और उनकी देखभाल करना यानी जितने पेड़ प्रत्येक वर्ष काटे जा रहे हैं, कम-से-कम उतने पौधे भी दुनिया भर में लगाए जाएं। हालांकि उन पौधों के पेड़ बनने में कई वर्ष लग जाते हैं। इसलिए वास्तव में पौधरोपण की जो वर्तमान दर और गति है, उससे लगातार नष्ट किए जा रहे जंगलों के एवज में नए जंगल उगा पाना संभव नहीं है। तात्पर्य यह कि पौधरोपण वन्य पशुओं के प्राकृतिक रहवास और पर्यावरण दोनों को बचाने का सर्वश्रेष्ठ विकल्प तो अवश्य है, किंतु इस कार्य में पूर्ण रूप से सफलता प्राप्त करने के लिए पौधरोपण की गति को हमें इस हद तक बढ़ाना होगा कि जितने वृक्ष प्रत्येक वर्ष दुनिया भर में काटे जाते हैं, कम-से-कम उससे डेढ़ गुना तक पौधे तो अवश्य ही लगाए जाएं, जबकि प्रत्येक वर्ष 18 अरब काटे जाने वाले वृक्षों की तुलना में आज दुनिया भर में मात्र पांच अरब पौधे ही लगाए जा रहे हैं। जाहिर है कि इस प्रकार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की भरपाई संभव नहीं होगी। यह विडंबना ही है कि भारत में भी वृक्षों की अंधाधुंध कटाई जारी है। लोकसभा में एक सवाल के जवाब में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने 21 मार्च 2022 को बताया था कि वर्ष 2020-21 के दौरान भारत में सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण और विकास के लिए लगभग 31 लाख पेड़ काट दिए गए। वन (संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत काटे गए पेड़ों के बदले में प्रतिपूरक वनीकरण की योजना चलाकर मोदी सरकार ने 359 करोड़ रुपये की लागत से 3.6 करोड़ से अधिक पौधे लगाए, जो नाकाफी प्रतीत होते हैं, क्योंकि फिलहाल इससे संबंधित कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है कि उनमें से कितने पौधे बचाए गए और कितने नष्ट होने के लिए छोड़ दिए गए। बहरहाल, वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण दिनोंदिन वन्य पशुओं का प्राकृतिक रहवास सिकुड़ता जा रहा है, इससे इनके लिए भोजन-पानी की बहुत बड़ी समस्या पैदा हो गई है। इसीलिए वन्य पशु भोजन-पानी की तलाश में मानव बस्तियों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर हुए हैं। वैसे भेड़ियों की बात करें तो ये स्वभाव से खूंखार तो होते हैं, परंतु सारे भेड़िए आदमखोर नहीं होते। हालांकि प्रतिशोध लेने में ये अत्यंत माहिर होते हैं। इसलिए यदि इनको या इनके परिवार के सदस्यों को क्षति पहुंचाने का प्रयास किया जाए तो ये कतई सहन नहीं करते और अपने शत्रुओं से चुन-चुनकर बदला लेते हैं। ऐसे कुछ उदाहरण दुनिया में मौजूद हैं, जिनमें भेड़ियों अथवा उनके बच्चों को मनुष्यों के द्वारा क्षति पहुंचाए जाने के बाद ये खूंखार हो गए और जब तक अपना बदला पूरा नहीं कर लिया, तब तक इनकी आक्रामकता कम नहीं हुई। आज से लगभग 25 वर्ष पूर्व ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश के जौनपुर और प्रतापगढ़ जिलों में सई नदी के कछार पर घटी थी, जिसमें भेड़ियों के हमलों में इलाके के 50 से भी अधिक मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। उस समय पड़ताल करने पर यह पता चला था कि कुछ इंसानी बच्चों ने भेड़ियों की एक मांद में घुसकर उनके दो बच्चों को मार डाला था, जिसके प्रतिशोध स्वरूप भेड़ियों ने जोरदार हमले कर मनुष्यों के 50 से भी अधिक मासूम बच्चों को मौत के घाट उतार दिया था। उस दौरान वन विभाग के द्वारा चलाए गए भेड़ियों के धर-पकड़ अभियान में कुछ भेड़िए पकड़े भी गए थे, लेकिन उनके बीच में मौजूद आदमखोर जोड़ा हमेशा बचता रहा और बदला लेने के मिशन में लगातार कामयाब भी होता गया। हालांकि बाद में आदमखोर भेड़ियों को वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा गोली मार दी गई और अंततरू भेड़ियों का खूनी आतंक खत्म हो पाया था। गौर करें तो इस बार भी बहराइच की घटनाओं में भेड़ियों का वही व्यवहार... वही पैटर्न सफल होता हुआ प्रतीत हो रहा है। सबसे बड़े दुरूख की बात तो यह है कि एक बार फिर इन भेड़ियों की जान खतरे में आ गई है, क्योंकि शासन-प्रशासन की ओर से बेकाबू हो चुके इन आदमखोर भेड़ियों को गोली मार देने का आदेश दे दिया गया है। वैसे भेड़ियों के विरूद्ध की जाने वाली सरकारी कार्रवाइयों पर गौर करें तो उनके जीवन का सर्वाधिक स्याह पक्ष अंग्रेजों के समय का है, जब ब्रिटिश सरकार की ओर से भेड़ियों को मारने का बड़ा अभियान चलाकर 40 सालों में एक लाख से भी अधिक भेड़ियों को शिकारियों ने मार डाला था और ब्रिटिश राज की तरफ से इनाम भी प्राप्त किया था। देखा जाए तो मनुष्य और वन्य पशुओं के बीच जारी संघर्षों का यह सिलसिला बेहद गंभीर और चिंताजनक है। इसलिए समय रहते इसका हल ढूंढना जरूरी है। अन्यथा यह समस्या अत्यंत विकराल रूप भी ले सकती है। ऐसे में जरूरी है कि केंद्र और राज्य सरकारें वन्य प्राणी विशेषज्ञों की सलाह लेकर वन्य पशुओं के प्राकृतिक आवासों को संरक्षित करने तथा बड़े स्तर पर वनीकरण अभियान चलाकर वनों के विकास करने की दिशा में कुछ ठोस और सकारात्मक कदम उठाएं, ताकि हमारे वन्य साथी आजादी से अपने घरों में बेफिक्र होकर रह सकें। संभव है कि इन प्रयासों के फलीभूत होने में कई वर्ष लग जाएं, लेकिन इस दौरान एक कार्य किया जा सकता है, वह है इन वन्य प्राणियों के साथ प्रेमपूर्ण आचार और व्यवहार करना। इसमें कोई संदेह नहीं कि यदि इन वन्य पशुओं के विरूद्ध क्रूरता के बदले में दया का भाव दर्शाया जाए और इनको लाड़-प्यार दिया जाए तो मनुष्यों के प्रति इनके हिंस्र व्यवहारों में भी परिवर्तन आ सकता है।

रात में देर से सोते हैं तो हो जाएं सावधान! नींद पूरी ना होने से हो सकती हैं डायबिटीज

जब हम सोते हैं तो हमारे दिमाग में कई तरह के केमिकल रिएक्शन होते हैं जिससे हमारे शरीर को ठीक तरह से काम करने में मदद मिलती है। अगर हम कम सोएं या हमारी नींद पूरी ना हो तो इससे हमारे शरीर में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं।सोना हमारे लिए कितना जरुरी है यह तो आप जानते ही होंगे। दिनभर की भागदौड़ और थकान के बाद जब हम सोते हैं तो हमारे दिमाग में कई तरह के केमिकल रिएक्शन होते हैं जिससे हमारे शरीर को ठीक तरह से काम करने में मदद मिलती है। अगर हम कम सोएं या हमारी नींद पूरी ना हो तो इससे हमें थकान महसूस होने लगती है। यदि हम लगातार कम सोएं तो इससे हमारे शरीर में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कम सोने की वजह से हमारी

सेहत को क्या नुकसान होता है -

डायबिटीज़

नींद ना पूरी होने के कारण डायबिटीज़ का खतरा भी बढ़ जाता है। जब हम पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं तो इससे हमारे शरीर में इंसुलिन का लेवल कम होने लगता है। जो लोग 5 घंटे या उससे कम नींद लेते हैं उनका ब्लड शुगर लेवल ज्यादा होता है और ऐसे लोगों में टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

वजन बढ़ना

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आपके बढ़े हुए वजन का कारण नींद की कमी भी हो सकता है। दरअसल, जब हम लगातार 5 घंटे या उससे कम सोते हैं तो इससे हमारे दिमाग में कई केमिकल रिएक्शन होते हैं। इसके परिणामस्वरूप पेट भरा होने के बावजूद हमारा दिमाग हमें और खाने का संकेत देता है। ऐसे में हम भूख से अधिक खा लेते हैं जिससे हमारा वजन बढ़ता है।

सेक्स ड्राइव में कमी

नींद ना पूरी होने के कारण हमारी सेक्स लाइफ भी प्रभावित हो सकती है। जब हम 5 घंटे या उससे कम नींद लेते हैं तो इससे हमारे शरीर में हॉर्मोनल असंतुलन होने लगता है। इससे हमारी सेक्स ड्राइव भी कम होने लगती है और हम अपनी सेक्स लाइफ एंजॉय नहीं कर पाते हैं।

नींद के दौरान हमारे दिमाग में कई केमिकल एक्शंस होते हैं। जब हम सोते हैं तो हमारा दिमाग में कुछ ऐसे केमिकल फंक्शन होते है जो हमें चीज़ों को याद रखने में मदद करते हैं। नींद ना पूरी होने के कारण ये फंक्शन ठीक से नहीं हो पाते हैं जिसके कारण हमारी याद्दाश्त पर प्रभाव पड़ता है। जब हम ठीक से नहीं सोते हैं तो हमें याद्दाश्त संबंधित समस्याएं होने लगती हैं।

एंग्जायटी और डिप्रेशन

नींद पूरी ना होने के कारण हमारे दिमाग पर भी प्रभाव होता है। जब हम ठीक से नहीं सो पाते हैं तो इससे हमारा दिमाग थका हुआ महसूस करता है। नींद ना पूरी होने के कारण स्ट्रेस, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी समस्याओं का खतरा अधिक बढ़ जाता है। नींद ना पूरी होने के कारण व्यक्ति थका हुआ और चिड़चिड़ापन महसूस करता है।

इम्युनिटी कमजोर होना

नींद ना पूरी होने के कारण हमारी इम्युनिटी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे हमारा शरीर आंतरिक तौर पर कमजोर हो जाता है। ऐसी स्थिति में हमारा शरीर बीमारियों के चपेट में जल्दी आ जाता है। नींद ना पूरी होने के कारण सर्दी-जुखाम, संक्रमण आदि का खतरा अधिक बढ़ जाता है।

पटना सहित आसपास के इलाकों में लोगों ने खेली रंगों की होली

शहरों में फाग गायब, गांव में अभी भी जिंदा है फाग के रस रंग

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले और आसपास के इलाकों में हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण माहौल में होली का महान पर्व संपन्न हुआ। सुबह से ही लोग रंग और गुलाल लेकर सड़कों और मोहल्लों में निकल पड़े और एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं देते रहे।

पटना सहित पालीगंज, दुल्हिन बाजार, बिक्रम, बिहटा, दानापुर, नौबतपुर, संपतचक, गौरीचक, जानीपुर, नगवा, अनीसाबाद, वाल्मी, बभनपुरा, कुरकुरी, करौड़ी चक, बरहमपुर, परसा बाजार, रामकृष्ण नगर, जगनपुरा, बैरिया, बेलदारी चक समेत आसपास के कई इलाकों में लोगों ने पूरे उत्साह के साथ होली मनाई गयी। मोहल्लों में महिलाएं, पुरुष, युवक और बच्चे सभी रंग और अबीर-गुलाल से सराबोर नजर आए। कई स्थानों पर लोगों ने टब और बाल्टियों में रंग भरा पानी तैयार किया और राह चलते लोगों पर रंग डालकर होली का आनंद लिया। महिलाएं भी समूह में निकलकर एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाती दिखीं। बच्चे पिचकारी और रंगों के साथ सड़कों पर दौड़ते नजर आए और पूरे दिन रंगों का उत्सव चलता रहा। कुछ स्थानों पर पारंपरिक अंदाज में कपड़ा फाड़ होली भी देखने को मिली, जहां युवकों ने मस्ती और ठिठोली के बीच होली खेली। कई मोहल्लों में मटका फोड़ प्रतियोगिता और छोटे-छोटे सांस्कृतिक आयोजन भी किए गए, जिसमें युवाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पटना के कई शहरी इलाकों में अब पारंपरिक फाग गीत लगभग गायब होते नजर आ रहे हैं। ढोल, मंजीरा और झांझ के साथ फाग गाने वाले कलाकार अब बहुत कम रह गए हैं। कुछ मंदिरों और चौक-चौराहों पर बुजुर्ग लोग जरूर फाग गाते नजर आए, लेकिन आज की नई युवा पीढ़ी अधिकतर फिल्मी गानों और डीजे की धुन पर ही होली खेलती दिखाई दी। हालांकि ग्रामीण इलाकों में अभी भी पारंपरिक फाग की परंपरा जिंदा है। कई गांवों के मंदिरों और चौपालों पर लोगों ने ढोल, मंजीरा और झांझ के साथ जमकर फाग गाया. फागुन आयो रे, होरी खेले रघुवीरा अवध में, उड़त गुलाल लाल भए बदरिया अरी सखी आज रंग बरसे, फगुआ में उड़े रे गुलाल जैसे पारंपरिक फाग गीतों की धुन पर ग्रामीण इलाकों में देर तक होली का उत्सव चलता रहा। प्रशासन की ओर से भी पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस प्रशासन की गाड़ियां लगातार इलाकों में गश्त करती रहीं। अधिकारी और पुलिस बल संवेदनशील स्थानों पर नजर बनाए हुए थे ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। पूरे दिन कहीं से भी किसी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली और होली का पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। हालांकि कई जगहों पर लोगों ने जमकर शराब का सेवन भी किया और शराब के नशे में युवक सड़कों पर झूमते नजर आए। कुछ स्थानों पर खुलेआम शराब की बिक्री की भी चर्चा रही, लेकिन लोग अपने-अपने स्तर पर होली मनाने की तैयारी कर चुके थे। इसके बावजूद पूरे क्षेत्र में उत्सव, भाईचारा और सौहार्द का माहौल बना रहा और लोगों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर खुशियां बांटी। शाम होते-होते लोग अपने घरों को लौटे और दिनभर की मस्ती के बाद परिवार और दोस्तों के साथ होली की खुशियां साझा की।

अष्टभुजी मां दुर्गा मंदिर को मिला स्वचालित घंटा-ड्रम सेट, अनिल शर्मा दंपति की पहल की सराहना

पंकज कुमार पाठक,समाज जागरण

पदमा प्रखंड के सरैया स्थित अष्टभुजी मां दुर्गा मंदिर में गुरुवार को एक सराहनीय पहल देखने को मिली।स्थानीय सरैया मंझली टांड निवासी श्रद्धालु अनिल शर्मा एवं उनकी पत्नी सुषमा शर्मा ने मंदिर में आरती-भजन के लिए स्वचालित घंटा-ड्रम सेट दान किया। इस पुनीत कार्य से मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं में खुशी की लहर है और लोगों ने दंपति की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

मंदिर परिसर में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान दान किए गए इस स्वचालित घंटा-ड्रम सेट को मंदिर को समर्पित किया गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि इससे आरती और भजन के समय वातावरण और अधिक भक्तिमय हो जाएगा तथा श्रद्धालुओं को भी सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर वार्ड सदस्य टिंकू शर्मा, रंजीत शर्मा, मंदिर के पुजारी उत्तमानंद पाठक, जयप्रकाश पाठक, सच्चिदानंद पाठक , आदित्य पाठक,मनीष पाठक सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने अनिल शर्मा दंपति के इस धार्मिक एवं सामाजिक योगदान की सराहना की।

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने एशियाई खेल 2026 की तैयारियों की समीक्षा की; भारतीय एथलीटों को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया

समाज जागरण

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) मुख्यालय में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए भारत की तैयारियों की समीक्षा की गई। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, एसएआई और अन्य हितधारकों के वरिष्ठ अधिकारियों ने डॉ. मांडविया को इस आयोजन से पहले देश की तैयारियों के बारे में जानकारी दी और यह सुनिश्चित किया कि खिलाड़ियों को महाद्वीपीय स्तर के इस भव्य आयोजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए हर संभव सहायता मिले।

एशियाई खेल 2026 की तैयारियों की समीक्षा के लिए गठित 15 सदस्यीय समिति में युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के सचिव श्री हरि रंजन राव, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा, एशियाई खेलों के मिशन प्रमुख श्री सहदेव यादव, मिशन उप प्रमुख शरथ कमल और अन्य सदस्य शामिल हैं। इस समिति ने प्रशिक्षण, रसद, खिलाड़ियों के कल्याण और प्रतियोगिता की तैयारियों से संबंधित योजनाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए दिसंबर 2025 से अब तक चार बैठकें की हैं। यह समिति खेलों में भारत के अभियान के लिए रणनीतिक रोडमैप की देखरेख कर रही है।

बैठक के दौरान बोलते हुए डॉ. मनसुख मांडविया ने एथलीटों के कल्याण और प्रदर्शन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा, हमारे एथलीट हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। प्रशिक्षण और खेल विज्ञान से लेकर रसद, किट सहायता, भोजन सहायता और चिकित्सा देखभाल तक, हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी ताकि वे बिना किसी बाधा के तैयारी कर सकें और एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। हमारा उद्देश्य किसी भी कीमत पर उन्हें कष्ट न पहुंचाना और यह सुनिश्चित करना है कि वे प्रतियोगिता में हमारे पदकों की संख्या बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित रखें।

केंद्रीय मंत्री ने सभी हितधारकों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि सुनियोजित तैयारी, मजबूत समर्थन प्रणाली और समय पर योजना बनाना 2026 एशियाई खेलों में भारत को नए मुकाम हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एशियाई खेल की तैयारियों के तहत, प्रत्येक राष्ट्रीय सुरक्षा संघ (एनएसएफ) द्वारा एजी टेक्निकल हैंडबुक के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है ताकि संबंधित एनएसएफ के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहायक कर्मचारियों को खेलों में सर्वोत्तम प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए अनुशासन-वार तकनीकी विवरणों के बारे में जानकारी दी जा सके और उन्हें प्रशिक्षित किया जा सके। टीमों को काफी पहले ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा ताकि खिलाड़ियों को केंद्रित तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके और चिकित्सा टीमों सहित सहायक कर्मचारियों की क्षमता को मजबूत करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं, साथ ही विदेशों में भारतीय दूतावासों के साथ रसद संबंधी सुविधाओं के लिए सुचारू समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है। महासंघों को अनुभव प्राप्ति के लिए दौरा और प्रतियोगिता कार्यक्रम की योजना पहले से बनाने की स्वतंत्रता दी गई है। जिन खेलों में परिचालन योजना अधिक चुनौतीपूर्ण है, उनके लिए कई स्थानों पर सहायता की व्यवस्था की जाएगी और प्रत्येक स्थल पर समर्पित सहायक कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। भोजन और पर्यावरणीय परिस्थितियों जैसे अनुकूलन पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है और खेलों से पहले भारत में प्रतियोगिता के माहौल को अनुकरण करने के उपाय तलाशे जा रहे हैं। देश का लक्ष्य रणनीतिक योजना, समर्पित तैयारी और सभी हितधारकों के बीच एकीकृत समन्वय के साथ हांगझोऊ एशियाई खेलों 2022 में हासिल किए गए ऐतिहासिक 106 पदकों के रिकॉर्ड को तोड़ना है। 2026 के खेलों में 40 से अधिक खेल विधाओं में 700 से अधिक भारतीय एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है। बैठक में आज इस बात पर प्रकाश डाला गया कि आइची-नागोया एशियाई खेलों में एक अनोखी पांच-समूह प्रतियोगिता प्रणाली अपनाई गई है, जिसमें एथलीट एक ही ओलंपिक-विलेज शैली के आवास में रहने के बजाय कई प्रान्तों में प्रतिस्पर्धा करते हैं। आयोजन स्थल आइची, गिफू, शिजुओका और एयरपोर्ट-एक्सपो जोन जैसे समूहों में फैले हुए हैं, जिसके लिए यात्रा, रसद, चिकित्सा सहायता और एथलीटों के आराम के लिए विस्तृत योजना की आवश्यकता होती है।

खिलाड़ियों को खेलों के दौरान आवास की व्यवस्थाओं के अनुकूल ढलने में मदद करने के लिए, पटियाला और बेंगलुरु स्थित एसएआई के क्षेत्रीय केंद्रों में विशेष अस्थायी कंटेनर इकाइयां स्थापित की जाएंगी। इससे खिलाड़ी खेलों के दौरान अपेक्षित कंटेनर-शैली की रहने की व्यवस्था से परिचित हो सकेंगे। अधिकारियों ने कहा कि इस उपाय से खिलाड़ियों को जल्दी अनुकूलन करने और प्रतियोगिता के दौरान ध्यान भटकने से बचने में मदद मिलेगी।

बैठक में जनवरी में आईओए प्रतिनिधिमंडल द्वारा जापान में किए गए चार दिवसीय सर्वेक्षण की भी समीक्षा की गई, जिसमें प्रमुख प्रतियोगिता स्थलों, खिलाड़ियों की सुविधाओं और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे का निरीक्षण किया गया था। प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर, क्लस्टर-वार योजना लागू की जा रही है, जिसके तहत प्रत्येक क्लस्टर में समर्पित लॉजिस्टिक्स अधिकारी, चिकित्सा दल और सहायक कर्मचारी तैनात किए गए हैं ताकि भारतीय खिलाड़ियों के लिए सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके। खेलों से पहले के महीनों में सुचारू तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए एथलीटों पर केंद्रित कई उपायों पर चर्चा की गई। इनमें दल के लिए एक मुख्य चिकित्सा चिकित्सक की नियुक्ति, एसएआई के नामित पाक कला कर्मचारियों की सहायता से एथलीटों के लिए भारतीय भोजन विकल्पों को अंतिम रूप देना और यह सुनिश्चित करना शामिल है कि एथलीटों को उनकी आधिकारिक किट समय से पहले मिल जाए।

पटना में फंदे से झूलता मिला खिलाड़ी का शव

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दानापुर अंतर्गत नागेश्वर नगर में एक राष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाज (बॉक्सर) कुणाल कुमार का शव संदिग्ध अवस्था में फंदे से लटका मिला। जहां पुलिस इसे प्रथम दृष्टया आत्महत्या मान रही है, वहीं परिजनों ने सीधे तौर पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतक आरा के जगदीशपुर का रहने वाला था और दानापुर में अपने चाचा के घर रहकर मैट्रिक की परीक्षा दे रहा था। मृतक के पिता कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि घटना से ठीक पहले कुणाल के मोबाइल से एक व्हाट्सएप कॉल आया था, जिसमें उसने बचाओ-बचाओ की गुहार लगाई थी। जब तक परिजन मौके पर पहुंचे, वहां पुलिस पहले से मौजूद थी। पिता का तर्क है कि यदि बेटा सुसाइड करता, तो कमरा अंदर से बंद होता, लेकिन दरवाजा खुला मिलना बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है। कुणाल न केवल पढ़ाई में तेज था, बल्कि खेल जगत का भी उभरता सितारा था। नेशनल बॉक्सर होने के साथ ही उसने हाल ही में पटना ओपन दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। 7 तारीख को उसकी आखिरी परीक्षा थी और उसने घर लौटने का वादा किया था। परिजनों के मुताबिक, जो युवक अपने भविष्य को लेकर इतना उत्साहित हो, वह आत्महत्या नहीं कर सकता। दानापुर पुलिस एसआई दिलीप माली के अनुसार, गश्ती के दौरान उन्हें नागेश्वर कॉलोनी में युवक के फंदे से लटकने की सूचना मिली थी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो पाएगा। फिलहाल, पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

भाजपा के दबाव में नीतीश कुमार को राज्यसभा जाना पड़ा : विनोद कुशवाहा

झारखंड कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा ने कहा - सहयोगी दलों को कमजोर करने का रहा है भाजपा का इतिहास

मिंटू कुमार समाज जागरण हजारीबाग

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किए जाने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इस मुद्दे पर झारखंड कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के बढ़ते दबाव के कारण ही आखिरकार नीतीश कुमार को ऐसी स्थिति में पहुंचना पड़ा, जहां उन्हें राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करना पड़ा। विनोद कुशवाहा ने कहा कि भाजपा का राजनीतिक इतिहास रहा है कि वह पहले किसी क्षेत्रीय या सहयोगी दल के साथ गठबंधन करती है और फिर धीरे-धीरे उस दल को कमजोर करने की रणनीति अपनाती है। उनका कहना था कि यही स्थिति आज बिहार की राजनीति में भी देखने को मिल रही है, जहां भाजपा अपने सहयोगी दलों पर लगातार दबाव बनाकर उन्हें सीमित करने की कोशिश करती रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लंबे समय से बिहार की राजनीति का प्रमुख चेहरा रहे हैं, लेकिन भाजपा की राजनीतिक रणनीति के चलते उन्हें अब ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। विनोद कुशवाहा ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने सहयोगियों के साथ बराबरी का व्यवहार करने के बजाय उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करने की नीति पर काम करती है। प्रदेश महासचिव ने कहा कि बिहार की जनता सब कुछ देख रही है और आने वाले समय में इसका जवाब भी देगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सहयोगी दलों के साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए, लेकिन भाजपा की राजनीति में ऐसा कम ही देखने को मिलता है।

आदित्यपुर कॉलोनी में धूमधाम से मनाया गया होली, जम कर महिलाओं ने खेला रंगो का पर्व

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 05 मार्च 2026:सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत आदित्यपुर में रंगों का त्योहार होली पूरे उत्साह, उमंग और भाईचारे के साथ मनाया गया। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी होली के रंग में रंगे नजर आए। सरायकेला, चांडिल, आदित्यपुर, गम्हरिया और कांड्रा सहित विभिन्न इलाकों में पारंपरिक ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर लोग जमकर थिरके। कई स्थानों पर सामूहिक होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जहां लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर आपसी सौहार्द का संदेश दिया। महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और फाग गीतों के साथ उत्सव को खास बनाया।प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी तथा लगातार गश्ती की जा रही थी, जिससे पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अधिकारियों ने लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की थी, जिसका सकारात्मक असर देखने को मिला।ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ होलिका दहन के बाद रंगोत्सव मनाया गया।कुल मिलाकर सरायकेला-खरसावां जिले में होली का पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का संदेश देते हुए हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

उपराष्ट्रपति बेलगावी के यदुर स्थित श्री वीरभद्रेश्वर मंदिर में राजगोपुरम, कलशारोहण और महाकुंभाभिषेकम समारोह के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

समाज जागरण

उपराष्ट्रपति, श्री सी. पी. राधाकृष्णन आज कर्नाटक के बेलगावी जिले के यदुर स्थित श्री वीरभद्रेश्वर मंदिर में राजगोपुरम, कलशारोहण और महाकुंभाभिषेकम समारोह के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

श्री क्षेत्र यदुरू में सभा को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने इस अवसर को आध्यात्मिक पुनर्जागरण और सभ्यतागत गौरव के पुनर्मूल्यांकन का क्षण बताया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि एक जीवंत सभ्यता है–सिंधु घाटी से लेकर कन्याकुमारी तक प्रवाहित होने वाली चेतना की एक अखंड धारा। उन्होंने रेखांकित किया कि यह वह पवित्र भूमि है जहाँ वेदों के शाश्वत ज्ञान को पहली बार सुना गया था और जहाँ श्रीमद्भगवद्गीता का गहन संदेश आज भी मानवता को साहस के साथ कर्म करने, धर्मपरायणता के साथ जीने और पूर्ण श्रद्धा के साथ समर्पण करने का मार्ग दिखा रहा है।

यह रेखांकित करते हुए कि हिंदू चेतना केवल रीति-रिवाजों तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन जीने की एक पद्धति है, उपराष्ट्रपति ने ‟वसुधैव कुटुम्बकम” यानि संपूर्ण विश्व एक परिवार है के कालातीत दर्शन और भारत की उस आध्यात्मिक दृष्टि पर बल दिया जो प्रकृति और प्रत्येक मनुष्य में दिव्यता के दर्शन करती है।

वीर-शैव लिंगायत परंपरा का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कर्नाटक और पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के आध्यात्मिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक और सामाजिक उत्थान में इसके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वीर-शैव मठों और मंदिरों ने श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समरसता के मूल्यों को पोषित करने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है।

उपराष्ट्रपति ने शिव योगी श्री कदासिद्धेश्वर स्वामीजी की आध्यात्मिक दृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने समय के साथ ओझल हो चुके इस पवित्र स्थल को पुनः खोजा और उसका पुनरुद्धार किया, जिससे सनातन धर्म की शाश्वत ज्योति एक बार फिर प्रज्वलित हुई। उन्होंने अटूट विश्वास के साथ कहा कि सनातन धर्म की समय द्वारा परीक्षा ली जा सकती है, लेकिन इसे कभी मिटाया नहीं जा सकता।

उन्होंने दैनिक पूजा-अर्चना, अनुष्ठान, जीर्णोद्धार कार्यों और आध्यात्मिक सेवा को अक्षुण्ण बनाए रखने में श्री कदासिद्धेश्वर मठ के उत्तराधिकारी पीठाधीश्वरों के अथक प्रयासों की सराहना की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रतिपादित ‟विकास भी, विरासत भी” के विजन का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत का विकास और उसकी विरासत साथ-साथ चलने चाहिए। उन्होंने रेखांकित किया कि आज का भारत एक तकनीकी रूप से उन्नत, आर्थिक रूप से सुदृढ़ और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है, जबकि अपनी सभ्यतागत मूल्यों और लोकाचार में उसकी जड़ें आज भी उतनी ही गहरी हैं।

राजगोपुरम के उद्घाटन को आस्था के पुनर्मूल्यांकन और परंपरा की निरंतरता के रूप में वर्णित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि पवित्र स्थलों का पुनरुद्धार केवल वास्तुकला का विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे सांस्कृतिक आत्मविश्वास और आध्यात्मिक जागरूकता को पुनर्स्थापित करने का माध्यम है।

इस अवसर पर कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत, कर्नाटक सरकार के भारी एवं मध्यम उद्योग और अवसंरचना मंत्री श्री एम. बी. पाटिल, श्री श्रीशैल जगद्गुरु डॉ. चन्ना सिद्धराम पंडिताराध्य शिवाचार्य स्वामीजी, राज्यसभा सांसद श्री ईरन्ना कडाडी, धर्मगुरु और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी शामिल हुए।

दहेज हत्या मामले में 2 गिरफ्तार भेजा गया जेल

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)औरंगाबाद जिले के कुदुबा थाना पुलिस ने दहेज हत्या मामले में त्वरित कारवाई करते हुए 2 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में ससुर कामेश्वर मेहता और सास सविता देवी शामिल हैं। थानाध्यक्ष इमरान आलम ने बताया कि औरंगाबाद जिले के रिसीअप थाना क्षेत्र के मोदन बीघा गांव निवासी बिरजू कुमार के लिखित आवेदन पर कारवाई करते हुए घटना के 12 घंटे के अंदर ही नामजद आरोपियों ससुर कामेश्वर मेहता और सास सविता देवी को थाना क्षेत्र के विशुनपुर खैरा से गिरफ्तार कर लिया गया।थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

नबीनगर में होली शांतिपूर्ण संपन्न जमकर उड़े अबीर गुलाल

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखण्ड में होली का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया ।हालांकि होलिका दहन सोमवार को देर रात्रि में किए जाने

को लेकर होली का त्योहर दूसरे दिन बुधवार को मनाया गया। लोग खासकर नवयुवक और बच्चे सुबह से ही रंगों में सराबोर होकर सड़क और गलियों में निकले और रंगो का त्योहार होली का खूब आनंद उठाते हुए एक दुसरे को रंग लगाए। वहीं होली का उमंग हो और हुड़दंग न हो तो होली का मजा भी नहीं। नवयुवकों की टोली द्वारा दोपहर तक शांतिपूर्ण माहौल में रंग अबीर के साथ होली हुड़दंग करते देखे गए और साउंड बॉक्स पर खूब ठुमका भी लगाए।वहीं शाम मे लोग एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाते हुए गले मिले और होली की शुभकामनाएं दिया। जगह जगह पर लोगो ने होली का गीत बजाकर खूब आनंद उठाया। वहीं शांति और सौहार्द के लिए संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहे।

257 लीटर विदेशी शराब के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार कार जप्त

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर+बिहार) नबीनगर प्रखंड के नरारीकला खुर्द थाना पुलिस ने 2 लोगों को विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में संदीप

कुमार पिपराडोरी मोतिहारी जिला और बाकल बिहार सिंह जागनपुर श्रीकृष्ण नगर पटना शामिल हैं। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि होली पर्व के मद्देनजर गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के बेनी बीघा चौक के समीप वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने 257 लीटर विदेशी शराब और 1 चार चक्का गाड़ी को जब्त किया है मौके से 2 तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गयाहै।थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपियों को मद्यनिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नवीनगर में शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नवीनगर थाना पुलिस ने दो अलग-अलग ठिकाने में शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए देशी और विदेशी शराब

बरामद करते हुए 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है और एक बाइक जप्त किया है। थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापेमारी के दौरान जनकपुर पोखरा के समीप छुपा कर रखे 171.9 लीटर देशी शराब और 15.3 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। वहीं दूसरे मामले में खैरा थाना क्षेत्र के कजराइन गांव निवासी दीपक कुमार और अमित कुमार को 0.3 लीटर विदेशी शराब और एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया है ।थानाध्यक्ष ने बताया कि अग्रेत्तर कारवाई करते हुए दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नबीनगर थाना पुलिस ने हत्या एवं चोरी के प्रयास मामले में तीन गिरफ्तार

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नवीनगर थाना पुलिस ने हत्या एवं चोरी के प्रयास के दर्ज मामले में 3 लोगों को लेम्बोखाप सिंदुरिया गांव से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार

आरोपियों में बिट्टू गुता, विपिन कुमार गुप्ता दोनों पिता अनील साव और नीतीश यादव पिता रामलखन यादव शामिल हैं। थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि उक्त तीनों पर थाना कांड संख्या 55/26 अंतर्गत बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज था।पुलिस ने बताया कि आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।